

# **Daily** सच के हक में...

Janhvi Kapoor Reacts To...

Ranchi ● Sunday, 05 January 2025 ● Year: 02 ● Issue: 343 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

# आपराधिक घटनाओं पर लगाम नहीं, 10 माह में लूट-डकैती के 438 केस

झारखंड में अपराधियों का मनोबल लगातार बढता जा रहा है। यहां आपराधिक घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। पुलिस की नाक के नीचे अपराधी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस राज्य के हर जिले में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाती रहती है, फिर भी अपराधी पुलिस को छका देते हैं। हाई टेक्नोलॉजी के बावजूद अपराधियों को दबोचने में पुलिस पूरी तरह सफल नहीं हो रही हैं। आजें हम बात करेंगे झारखंड में लगातार हो रही लूट और डकैती की घटनाओं पर। यहां लगभग हर दिन लूट की घटना को अंजाम दिया जा रहा है। डकैती की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पिछले 10 महीनों में लूट और डकैती के 438 मामले सामने आए। स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) ने ये आंकड़े जारी किए हैं। आंकड़ो के अनुसार, जनवरी से लेकर अक्टूबर 2024 तक लूटपाट के 363 और

<mark>फोटोन एक्सक्लूसिव...</mark> जनवरी-अक्टूबर तक लूट की ३६३ घटनाओं को अपराधियों ने दिया अंजाम डकैती के 75 मामले, एससीआरबी के आंकड़े जारी, हर संभव प्रयास के बाद भी पुलिस को छका रहे अपराधी

- बैंको के बाहर से लूटे जा रहे पैसे दिनदहाडे महिलाओं के गले से चेन उड़ा रहे अपराधी
- घर में घुसकर बंदूक की नोक पर हो रही डकैती, पकड से बाहर रहते हैं क्रिमिनल
- लगातार हो रही गश्ती, जिलों में चल रहे चेकिंग अभियान, नहीं पड़ रहा अपेक्षित असर

जून में लूटपाट के सबसे ज्यादा केस, इस महीने 50 लोगों को बनाया गया निशाना जुलाई में हुई सबसे कम

घटनाएं. इस मंथ २६ लोगों को अपराधियों ने बनाया शिकार जुलाई और अगस्त में सबसे अधिक हुई डकैती, इस महीने 13-13 मामले दर्ज



लूट की घटनाएं डकैती की घटनाएं जनवरी जनवरी 08 35 मार्च 09 अप्रैल अप्रैल 01 05 07 जून 13 जुलाई जुलाई 43 अगस्त अगस्त 13 सितंबर 38 सितंबर 04 07 कुल

पेज ०३ पर पढें-डकैती के 75 मामले दर्ज किए गए हैं।

**PHOTON NEWS RANCHI:** 

झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन

(जेएसएससी) की ओर से

आयोजित सीजीएल एग्जाम से

जुड़े पेपर लीक मामले में आयोग

की शिकायत पर झारखंड क्राइम

(सीआईडी) की टीम ने एक और

एफआईआर दर्ज की है। रात थाने

में दर्ज केस को भी सीआईडी ने

औपचारिक रूप से टेकओवर कर

लिया है। मामले की जांच के लिए

सीआईडी विज्ञापन छपवाकर

सबृत भी इकट्ठा करेगी। सीजीएल

परीक्षा में कथित पेपर लीक के

आरोपों को लेकर सीआईडी ने

आमलोगों और परीक्षार्थियों से

सबत मांगे हैं। झारखंड के डीजीपी

अनराग गप्ता ने बताया कि राज्य

में विज्ञापन के जरिए आमलोगों

डिपार्मेंट

इन्वेस्टिगेशन

सीजीएल... परीक्षार्थियों व आम लोगों से साक्ष्य मांगने की प्रक्रिया शुरू

### : 82,948.23 : 25,377.55

98.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

#### **BRIEF NEWS** नहीं रहे दिग्गज परमाणु

वैज्ञानिक डॉ. राजगोपाला MUMBAI: शनिवार को भारत के

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजगोपाला चिदंबरम का निधन



जसलोक अस्पताल में राजगोपाला ने अंतिम सांस ली। देश में न्यूविलयर वेपंस डेवलपमेंट में डॉ. राजगीपाला की सक्रिय भूमिका रही। 1974 के पोखरण टेस्ट में भी उनका अहम योगदान रहा। १९९८ के पोखरण टेस्ट में उन्होंने साइंटिस्ट की टीम को लीड किया था। डॉ. राजगोपाला को १९७५ में पद्म श्री और 1999 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ राजगोपाला के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, भारत की वैज्ञानिक और कूटनीतिक ताकत को मजबत करने में डॉ. राजगोपाला की अहम भूमिका रही।

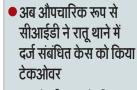
#### अंतरिक्ष में हुआ जीवन का अंकुरण : इसरो

NEW DELHI : शनिवार को इसरो ने कहा कि पीएसएलवी-सी60 पीओईएम-४ प्लेटफॉर्म पर अंतरिक्ष में भेजे गए लोबिया के बीज मिशन के प्रक्षेपण के चार दिन के भीतर सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण परिस्थितियों में अंकुरित हो गए हैं। अंतरिक्ष एजेंसी ने सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण स्थितियों में पौधों के विकास का अध्ययन करने के लिए विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के कक्षीय पादप अध्ययन (सीआरओपीएस) प्रयोग के लिए कॉम्पैक्ट रिसर्च मॉड्यूल के हिस्से के रूप में लोबिया के आठ बीज भेजे थे।

# कर ली एक और एफआईआर

पेपर लीक : सीआईडी ने दर्ज

### जेएसएससी की और से मिली शिकायत के बाद दर्ज की गई है प्राथमिकी



• मामले की जांच के लिए विज्ञापन छपवाकर सबूत इकट्टा करेगी सीआईडी

• डीजीपी अनुराग गुप्ता के आदेश पर इस मामले की जांच के लिए बनी है एसआईटी

तक सूचना पहुंचाई जाएगी कि



#### सीआईडी की डीआईजी संध्या रानी मेहता कर रहीं नेतत्व

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में कथित पेपर लीक के आरोपों की जांच के लिए डीजीपी अनुराग गुप्ता के आदेश पर एसआईटी गतित की गई है। एसआईटी का नेतृत्व सीआईडी डीआईजी संध्या रानी

मेहता कर रही हैं। टीम में रांची पुलिस के अधिकारियों को भी रखा गया है। डीजीपी द्वारा गढित एसआईटी में अध्यक्ष संध्या रानी मेहता, सदस्य सीआईडी एसपी निधि द्विवेदी सहित कई अधिकारी शामिल हैं।

लीक से जुड़ा कोई साक्ष्य हो तो इन साक्ष्यों को भी जांच में शामिल किसी भी व्यक्ति के पास पेपर इसे सीआईडी को उपलब्ध कराएं। किया जाएगा।

21 और 22 सितंबर

को हुई थी परीक्षा

जेएसएससी द्वारा सीआईडी में दर्ज

एफआईआर में बताया गया है कि 21

और 22 सितंबर को सीजीएल की

कदाचार और पेपर लीक से मुक्त थी,

परीक्षा हुई थी। परीक्षा पूरी तरह

#### 22 जनवरी को हाईकोर्ट में होगी केस की सुनवाई

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में प्रकाश सिंह द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान झारखंड हाईकोर्ट कें मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन ने आदेश दिया था कि परीक्षा में पेपर लीक के मामले में याचिकाकर्ता के द्वारा कराई गई ऑनलाइन शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाए। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया था कि परीक्षा के आयोजन के बाद 29 सितंबर को उन्होंने रांची पलिस के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। कोर्ट ने आदेश दिया था कि ाकर्ता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जानकारी कोर्ट को दी जाए।

### 'बाग' में 'निवास' की इच्छा



**ं**गंज' में गाज के बाद भाई साहब राम–राम करते राजधानी में आ बसे. लेकिन चंचल मन कभी 'ऊंचे' मुहल्ले में रमा

नहीं। जैसे–तैसे कर मन

को समझाया, लेकिन वह

भला कहां मानने वाला।

हर गजरते दिन के साथ

इच्छा प्रबल होती गई।

बर बिल्कुल 'टटका' है। अखबारी भाषा में कहें तो छपते-छपते। झारखंड की राजधानी के नौकरशाही वाले मुहल्ले से सचना आ रही है कि गंगा के घाट वाले भाई साहब ने 'बाग' में 'निवास' का मन बना लिया है। 'गंज' में गाज के बाद भाई साहब राम-राम करते राजधानी में आ बसे, लेकिन चंचल मन कभी 'ऊंचे' मुहल्ले में रमा नहीं। जैसे–तैसे कर मन को समझाया. लेकिन वह भला कहां मानने वाला। हर गुजरते दिन के साथ इच्छा प्रबल होती गई। आखिर हो भी क्यों नहीं, भाई साहब का 'गंज' से प्रेम बड़ा प्रगाढ़ टाइप था। अगर बात दोहा-चौपाई में कहें तो बाबा सूरदास ने बहुत पहले रचा : 'मेरो मन अनंत कहां सख पावै। जैसे उडि जहाज को पंछी पनि जहाज पै आवै...। सो, सूरदास के शब्दों में 'जहाज से उड़ा पक्षी फिर जहाज पर लौटने को विकल है',



बस पहुंचना कहीं और चाहता है। यूं तो इन दिनों कई भक्त दाता से कृपा की आस लगाए बैठे हैं, लेकिन भाई साहब का नंबर बिल्कुल पहली कतार में है। दरअसल भाई साहब की साधना सख्य भाव की है। सख्य भाव नवधा भक्ति का वह प्रकार, जिसमें ईष्ट देव को भक्त,अपना सखा मानकर उसकी उपासना करता है। भाई साहब को अपनी उपासना पद्धति पर पूरा भरोसा है। यही वजह है कि पूरे मनोयोग से मनचाहे वर की उम्मीद लगा बैठे हैं। हाल ही में सख्य भाव की भक्ति फलीभूत

भी हुई है। राजधानी की लीला किसी से छिपीँ नहीं है। अब नंबर भाई साहब का है। सूत्र तो यहां तक दावा कर रहे हैं कि भाई साहब ने दाता तक अपनी बात पहुंचा दी है। पहली अर्जी है 'बाग' में 'निवास', अगर कोई विघ्न-बाधा हो तो दूसरा ठिकाना 'सराय' में 'राम' को बसाना। बताने वाले यह भी बताते हैं कि भाई साहब ने अपना भाव पूरे अधिकार के साथ शाद अजीमाबादी के शेर के जरिए बयां किया है- तमन्नाओं में उलझाया गया हूं, खिलौने दे के बहलाया गया हूं...।



#### जम्म-कश्मीर में सेना का ट्रक खाई में गिरा 4 जवानों की मौत

SRINAGAR: शनिवार को जम्म-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सेना का टक खाई में गिर गया। हादसे में 4 जवानों की मौत हो गई। 2 जवान गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक में 6 जवान ही सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसा जिले के एसके पायीन इलाके में हुआ। यहां ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा। घटना पर सेना ने बयान जारी किया है। इसमें बताया गया है कि खराब मौसम के कारण विजिबिलिटी कम थी। इस कारण टक सडक से फिसलकर खाई में जा गिरा। बांदीपोरा हादसे पर एलजी मनोज सिन्हा ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से गहरा दुख हुआ है। इससे पहले 24 दिसंबर को पूंछ जिले में आर्मी वैन 350 फीट गहरी खाई में गिरी थी। वैन में 18 जवान सवार थे। इनमें से 5 की मौत हो गई थी। हादसे में शामिल सभी जवान ११ मराठा रेजिमेंट के थे। सेना ने बताया कि काफिले में 6 गाड़ियां थी, जो पुंछ जिले के पास ऑपरेशनल ट्रैक से होते हुए बनोई इलाके की तरफ जा रही थीं। इसी दौरान एक वाहन के डाइवर के

संतुलन खोने की वजह से वैन खाई

में गिर गई। इससे पहले नवंबर में

दो अलग-अलग घटनाओं में 5

जवानों की मौत हो गई थी। 4

नवंबर को राजौरी में सड़क हादसे

में दो जवानों की जान चली गई थी।

वहीं, 2 नवंबर को रियासी जिले में

कार खाई में गिर जाने से तीन

जवानों की मौत हो गई थी।



## रिम्स : नियुक्ति में बैक डोर से करा दी गई छह लोगों की ज्वाइनिंग



#### **VIVEK SHARMA @ RANCHI:**

राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स का विवादों से पुराना नाता रहा है। कभी अव्यवस्था को लेकर, तो कभी नियुक्ति को लेकर। एक बार फिर से रिम्स में नियुक्ति में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं, इसकी शिकायत तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से लेकर अधिकारियों को की गई थी। अब वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के पास भी शिकायत पहुंची है। मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की गई। बता दें कि रिम्स में कई पदों पर बहाली के लिए विज्ञापन 955 सी निकाला गया था। इसके बाद योग्यता के अनुसार लिस्ट जारी की गई थी।

#### जीबी से पास हुआ था एजेंडा

8 मार्च 2019 को 955 सी के तहत कई पदों पर बहाली के लिए विज्ञापन निकाला गया था। इसके बाद रिम्स की 49वीं जीबी की 10 अक्टूबर 2020 को हुई बैठक में एजेंडा को पास कराया गया। एजेंडा पास होने के बाद 20 अक्टूबर 2020 को ही फाइनल लिस्ट निकाला गया। इस बीच स्वास्थ्य मंत्री को जांच कराने के लिए आवेदन दिया गया। स्क्रूटनी के लिए एक कमेटी का गठन 25 नवंबर को 2020 को किया गया।

#### इनकी हुई ज्वाइनिंग 1. आलोक कमार

2. कन्हैया प्रसाद 4. सौरव कुमार **5.** मनदीव कुमार ठाकुर 6.सुमित कुमार सिंह तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री

- बन्ना गुप्ता और अधिकारियों के पास पहुंची थी शिकायत • ८ मार्च २०१९ को ९५५
- सी के तहत कई पदों पर बहाली के लिए निकला था विज्ञापन
- हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी बाकी कैंडिडेट्स को नहीं मिला नियुक्ति पत्र

कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि लिस्ट में विरोधाभास परिलक्षित है। इसके बाद 6 अप्रैल 2021 को 955सी विज्ञापन को रिम्स की ओर से रद्द कर दिया गया। बता दें कि विज्ञापन रद्द किए जाने के बाद कैंडिडेट्स ने हाईकोर्ट में 25 अगस्त 2021 याचिका दायर की। पेन 03 पर भी देखें।

भाकपा माओवादी के लिए करता था काम

### बोकारो में एनआईए का छापा, बच्चा सिंह अरेस्ट

### शनिवार को नेशनल इन्वेस्टिगेटिव

एजेंसी (एनआईए) की टीम ने बोकारो जिले के गोविंदपुर से बच्चा सिंह उर्फ बच्चा बाबू सिंह को अरेस्ट किया है। इस पर प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी और उसके शीर्ष नेताओं से जुड़े होने का आरोप है। वह नक्सली संगठन की विचारधारा को बढ़ावा देता था। झारखंड समेत अन्य जगहों से नक्सली गतिविधियों के लिए पैसे जुटाने का काम करता था। एनआईए की आठ टीमें बोकारो पहुंचीं और नक्सली समर्थकों के यहां ताबड़तोड़ छापेमारी की।



- संगठन के शीर्ष नेताओ से जुड़ा था बच्चा सिंह
- झारखंड समेत अन्य जगहों से नक्सली गतिविधियों के लिए जुटाता था पैसे

छापेमारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि एनआईए की टीम सुबह में ही बोकारो जिले के गोमिया और चतरोचट्टी पहुंची और

बोकारों के एसपी ने एनआईए की

बिग सक्सेस रंग लाई २०२१ में बने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के डीएसएम की मेहनत

### महासागर मंथन कर 'अमृत' निकाल रहा भारत का डीप सी मिशन भारतीय वैज्ञानिकों की टीम के लगातार प्रयास के बाद हाल में हासिल हुई कामयाबी

कुदरत अनमोल खजानों से भरी हुई है। आकाश. पाताल, पानी सब जगह मनुष्य के लिए उपयोगी

चीजें पड़ी हुई हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके बारे में कितना जाना, समझा और हासिल किया जाता है। विज्ञान और तकनीक की उपलब्धि हासिल होने पर ही आधारित है। सामान्य रूप से हम यह जानते हैं कि धरती के लगभग 70 फीसदी

हिस्से में पानी है। सच तो यह है कि अथाह जलराशि लिए सागर और महासागर अपने गर्भ में संसाधनों का विशाल भंडार छिपाए हैं। अभी भी इन महासागरों के 95 फीसद से हम वाकिफ नहीं हैं। इसी को जानने और पता लगाने के लिए भारत में 2021 में बनाए गए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के डीप सी मिशन (डीएसएम) की मेहनत अब रंग लाती दिख रही है। कुछ दिन पहले ही भारतीय वैज्ञानिकों की बड़ी टीम ने हिंद महासागर की सतह से 4500

मीटर नीचे एक सक्रिय हाइड्रोथर्मल वेंट (जलतापीय छेद) को खोजा है। इससे जाहिर होता है कि महासागर मंथन के माध्यम से हमारे वैज्ञानिक 'अमृत' की खोज में आगे बढ़ रहे हैं।

#### हाइड्रोथर्मल वेंट्स की खोज नीली अर्थव्यवस्था में निवेश को देती है मान्यता हिंद्र महासागर की सतह से 4500 मीटर नीचे मिला जलतापीय छेद

- एनसीपीओआर के निदेशक थंडान मेलोथ के अनुसार,
- यह शुरुआती सफलता महासागर की खोज के लिए तीन वर्षों में तैयार होगा नया अनुसंधान जहाज
- 🕨 १९७७ में पूर्वी प्रशांत महासागर में खोजा गया था पहला जलतापीय छेद



की तलाश व परिवर्तन में भुमिका की मिलेगी जानकारी

### यहां बहते रहता है गर्म जल

जान लीजिए कि पहला हाइड्रोथर्मल वेंट 1977 में पूर्वी प्रशांत महासागर में गैलापागोस रिफ्ट पर खोजा गया था। इसके बाद से वैज्ञानिकों ने दुनिया के महासागरों में सैकड़ों ऐसे वेंट खोजे हैं। हाइड्रोथर्मल वेंट या जलतापीय छेद समुद्र की सतह पर वे खुली जगह होती हैं, जहां भूतापीय तौर पर गर्म जल बहता रहता है।

— केंद्रीय विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार गहरे समुद्र में मानव भेजने की योजना बना रही है। यह मिशन 2026 के शुरू में मानव अंतरिक्ष मिशन के साथ लॉन्च करने की संभावना है। सिंह ने यह बात भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र में 2004 के हिंद

गहरे समुद्र में मानव भेजने की योजना

महासागर सुनामी की 20वीं वर्षगांठ पर बताई। उन्होंने कहा कि 2025 के लिए शुरू किया मानव अंतरिक्ष मिशन अगले साल नहीं हो सकती है, लेकिन अब २०२६ की शुरूआत में होने की उम्मीद है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के समुद्रयान मिशन के हिस्से के रूप में देश का लक्ष्य अन्वेषण के लिए तीन व्यक्तियों को समुद्र तल से 6000 मीटर नीचे भेजना है। शीर्ष वैज्ञानिकों का मानना है कि 4000 करोड़ का डीप सी

मिशन सही दिशा में आगे बढ रहा है।

www.thephotonnews.com

Sunday, 05 January 2025



# प्रकृति व संस्कृति का संगम : जीरो घाढी

रत के अरुणाचल प्रदेश 🛑 मेरी यात्रा एक ऐसा अनुभव था, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता। यह यात्रा न केवल प्रकृति के करीब लाई, बल्कि वहां की अनुठी संस्कृति और परंपराओं से भी रूबरू कराया। इस घाटी को और भी खास बनाता है, यहां आयोजित होने वाला जीरो म्युजिक फेस्टिवल, जो संगीत प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव है। सितंबर में होने वाला यह फेस्टिवल देश-विदेश के कलाकारों और पर्यटकों को आकर्षित करता है। यह फेस्टिवल न केवल संगीत का आनंद देता है. बल्कि स्थानीय कला और शिल्प को भी बढ़ावा देता है। यहां आने वाले लोग लोक संगीत और आधुनिक धुनों का अद्वितीय संगम अनुभव कर सकते हैं। बहुत दिनों से मेरा मन जीरो घाटी घूमने का था, पर जब इस फेटिवल के बारे में सुना तो तय कर लिया कि इस बार यह म्यूजिक फेस्टिवल देखना ही देखना है। इसके साथ ही साथ कुछ जगहें जो मेरे दिमाग में बहुत दिनों से हलचल पैदा कर रही थी, उन्हें भी देखना ही था। मैंने इस जगह पर जाने से पहले एक अच्छा सा बैकपैक बनाया

उन्होंने अपना प्लान कैंसिल कर दिया। दिल्ली से मेरी यात्रा की शुरूआत गुवाहाटी की फ्लाइट से हुई। गुवाहाटी पहुंचने के बाद मैंने लखीमपुर की ओर रुख किया। इस सफर के दौरान असम की हरियाली ने मेरे दिल को छू लिया लखीमपुर से जीरो घाटी की 120 किलोमीटर की दूरी टैक्सी के माध्यम से तय की। जैसे-जैसे हम घाटी के करीब पहुंचे, वैसे-वैसे पहाड़ों की ठंडी हवा और प्रकृति की सुरम्यता ने मेरा स्वागत किया। रास्ते में हमें कई छोटे-छोटे गांवों से गुजरने का मौका मिला, जहां के स्थानीय लोग अत्यंत मिलनसार और मददगार थे। उन्होंने हमें वहां की

संग कुमुदिनी लाना

नव वर्ष यूं ही नहीं आना,

नव वर्ष यूं ही नहीं आना,

भोर है पर ;उजाले नहीं,

जलते हैं पर छाले नहीं,

भोजन है पर निवाले नहीं,

नव वर्ष यूं ही नहीं आना,

व्यंग बाण का तीर चला है,

तुम ही बता कौन भला है ,

मत करना कोई बहाना।

मांगा नहीं मखमल था मैंने,

आकर सही राह दिखाना।

नव वर्ष यूं ही नहीं आना,

हों अर्पित राष्ट्र को,

हों समर्पित राष्ट्र को,

सेवा और सम्मान को,

नव वर्ष यूं ही नहीं आना,

बिन विस्फोट ये मन जला है,

आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

कोई मन नहीं दुखाया था मैंने,

कोई दीप नहीं बुझाया था मैंने,

आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

जनहित देशहित को पहचाना,

आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

नव वर्ष यूं ही नहीं आना,

आना तो संग कुमुदिनी लाना।

वर्षों से तरसे नैनों का मान बढ़ाना,

बुझे हैं सपने फिर से उन्हें जगाना।

आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

टूटी कड़ियों को फिर से जुड़वाना।

आना तो संग कुमुदिनी लाना।।

और खद को इस यात्रा के लिए तैयार

कर लिया। इसके साथ में एक दो लोगों को और भी जाना था, लेकिन बीच में

उनकी कहीं और व्यस्तता हो गई और

में स्थित जीरो घाटी की युवक्कड की पाती

जीरो घाटी की मेरी यात्रा एक ऐसा अनुभव था, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता। यह यात्रा न केवल प्रकृति के करीब लाई, बिल्क वहां की अनूटी संस्कृति और परंपराओं से भी रूबरू कराया। इस घाटी को और भी खास बनाता है, यहां आयोजित होने वाला जीरो म्यूजिक फेस्टिवल, जो संगीत प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव है। सितंबर में होने वाला यह फेस्टिवल देश–विदेश के कलाकारों

और पर्यटकों को आकर्षित करता है। यह फेस्टिवल न केवल संगीत का आनंद देता है, बल्कि स्थानीय कला और शिल्प को भी बढ़ावा देता है। यहां आने वाले लोग लोक संगीत और आधुनिक धुनों का अद्वितीय संगम अनुभव कर सकते हैं।





संस्कृति और परंपराओं के बारे में कई रोचक जानकारियां दीं। जीरो घाटी पहुंचकर मैंने अपटानी गांव का दौरा किया। यहां के बांस के घर रंग-बिरंगे परिधान पहने हुए स्थानीय लोग और उनकी पारंपरिक जीवनशैली देखकर जल और मछली पालन की व्यवस्था

मुझे एहसास हुआ कि यहां की संस्कृति कितनी समृद्ध है। अपटानी जनजाति अपनी कृषि पद्धतियों और जल प्रबंधन तकनीकों के लिए प्रसिद्ध है। यहां के खेतों में बिना किसी बाहरी सहायता के

देखकर मैं चिकत रह गया। अगले दिन सुबह-सुबह मैं तारिन फिश फार्म पहुंचा। यहां मछली पालन की पारंपरिक तकनीक देखकर मैं हैरान रह गया। इसके बाद मेघना गुफा मंदिर गया जो प्रकृति और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। यहां की शांति और सौंदर्य ने मेरे मन को सुकून दिया। यह स्थान ध्यान और आत्मचिंतन के लिए आदर्श है और यहां का वातावरण इतना शांतिपूर्ण है कि आप अपने भीतर की गहराई को महसूस कर सकते हैं। इसके अलावा मैंने किले पखो का दौरा किया, जो एक प्राचीन किला है और यहां से घाटी का विहंगम दृश्य देखा जा सकता है। शिवलिंग भी देखा जो एक प्राकृतिक शिवलिंग है और धार्मिक तथा प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भृत मेल है। पाइन

ग्रोव में देवदार के घने जंगलों में सैर की, जो प्रकृति प्रेमियों के लिए आदर्श स्थान है और जुले पोलोंग झरना भी गया, जो ट्रेकिंग के बाद एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है। इन स्थानों पर समय बिताने से मुझे अहसास हुआ कि प्रकृति के साथ समय बिताना हमारे जीवन में कितना महत्वपूर्ण है। जीरो घाटी में ट्रेकिंग और हाइकिंग का अनुभव अविस्मरणीय था। घने जंगलों और पहाड़ों के बीच ट्रेकिंग करते हुए मैंने बर्ड वॉचिंग का भी आनंद लिया। यहां विभिन्न प्रकार के पक्षियों को देखना एक अद्भुत अनुभव था। इसके अलावा घाटी की शांत सड़कों पर साइक्लिंग और रात में खुले आसमान के नीचे कैम्पिंग करना मेरे लिए खास आकर्षण थे। कैम्पिंग के दौरान मैंने तारों

से भरे आसमान को देखा जो शहरों की भागदौड़ से बिल्कुल अलग अनुभव था। मैंने अपनी यात्रा के दौरान सिप्पा होमस्टे में ठहरने का विकल्प चुना। यहां का आतिथ्य और पारंपरिक खानपान ने मुझे घर जैसा महसूस कराया। इसके अलावा जीरो वेली रिजॉर्ट और नॉर्थ कंट्री होम भी अच्छे विकल्प हैं। सिप्पा होमस्टे में मैंने स्थानीय संस्कृति को करीब से देखा और समझा कि यहां के लोग बहुत ही मिलनसार और विनम्र थे और उन्होंने मेरी हर जरूरत का ध्यान रखा। जीरो घाटी की मेरी यह यात्रा केवल प्रकृति की खबस्रती और संस्कृति का अनुभव ही नहीं थी, बल्कि यह आत्मा को छू लेने वाली शांति का अनुभव भी था। हर जगह हर कोना एक नई कहानी सुनाने को तैयार

था। यहां के लोग अपने जीवन के प्रति बहुत सरल और संतुष्ट हैं, जो हमें जीवन के असली अर्थ का अहसास कराते हैं। जीरो घाटी वह स्थान है, जहां आप प्रकृति की गोद में खुद को पा सकते हैं। यह यात्रा मेरे लिए एक अद्भृत अनुभव थी, जो हमेशा मेरी यादों में जीवित रहेगी। यह स्थान न केवल एक यात्रा गंतव्य है, बल्कि यह आत्मा को सुकून देने वाला अनुभव भी है, जो हर प्रकृति प्रेमी और साहसिक यात्री को जीवन में एक बार जरूर करना चाहिए। इस जगह पर यदि आप आना चाहते हैं, तो पर्याप्त समय लेकर अच्छी तैयारी के साथ आयें। इस राज्य में जीरो घाटी के अलावा भी देखने और जानने के लिए

जमशेदपुर से आद्योपरांत

रहा लगाव

डॉ. नरेंद्र कोहली का जमशेदपुर से

लगाव आद्योपरांत रहा। उनका जन्म

तो पाकिस्तान के स्यालकोट में हुआ

था, लेकिन बचपन से युवावस्था

तक वे इसी लौहनगरी में पले-बढ़े।

स्कूली शिक्षा बिष्टुपुर स्थित

केएमपीएम हाई स्कूल, फिर स्नातक

तक की पढ़ाई जमशेदपुर को-

ऑपरेटिव कॉलेज में हुई। कॉलेज में

उनके शिक्षक स्व. डॉ. सत्यदेव

ओझा व डॉ. सीबी सिन्हा रहे,

जबिक स्व. डॉ. बच्चन पाठक

सलिल, डॉ. सी. भास्कर राव जैसे

हिंदी के उम्दा हस्ताक्षर सहपाठी थे।

एमए की पढ़ाई के लिए जमशेदपुर

से दिल्ली गए, तो वहीं उनका

स्थायी ठिकाना बन गया। हालांकि,

वे लगभग प्रतिवर्ष सोनारी स्थित

अपने भाई के आवास पर आते

रहते थे। जमशेदपुर की साहित्यिक

गतिविधियों से जुड़े रहते थे। तुलसी

भवन द्वारा आयोजित साहित्यिक

सम्मेलन अक्षर कुम्भ प्रारंभ कराने

का श्रेय उन्हीं को जाता है। वे इस

कुम्भ में अवश्य शामिल होते थे। वे

जब भी यहां रहते, अपने गुरुओं-

सहपाठियों की खैर-खबर लेना

नहीं भूलते थे।



### अद्भुत था सूर्योदय का दृश्य

तीसरे दिन मैंने डीजी पॉइंट पर सर्योदय का दृश्य देखा। यह दृश्य इतना खुँबसूरत था कि मैं उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता। इसके बाद सुभांशिरी नदी के किनारे समय बिताया, जहां मैंने फोटोग्राफी का आनंद लिया और

प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव किया। यह नदीं अपने साफ पानी और आसपास की हरियाली के लिए जानी जाती है। यहां मैंने कुछ समय बैठकर प्रकृति की शांति का आनंद लिया और अपने कैमरे में इन यादगार पलों को कैद किया।

#### मन को भाए स्थानीय व्यजन

यहां के स्थानीय व्यंजनों ने मेरी यात्रा को और भी खास बना दिया। मैंने अपांग चावल की शराब और पिका पिला बांस की चटनी का स्वाद लिया। इसके अलावा स्थानीय शैली में पकायी गई ताजी सब्जियाँ और चावल का स्वाद भी अनोखा था। स्थानीय

भोजन में उपयोग की जाने वाली सामग्री ताजी और जैविक थी, जो इसे और भी स्वादिष्ट बनाती है। यहां के लोग अपने भोजन को बड़े प्यार और सम्मान के साथ परोसते हैं. जिससे उनका आतिथ्य साफ

### स्मृतिशेष :

#### छ भी शेष नहीं रहता, बस यादें रह जाती हैं। आज हमारी यादों में शेष रह गए हैं पद्मश्री नरेंद्र कोहली। उनका चले जाना व्यथित करता है..। जमशेदपर प्रवास के दौरान,अक्षर कुंभ में उनका सानिध्य, उनसे जुड़ी घटनाएं, उनके वक्तव्य, आज भी बहुत याद आते हैं। ऐसा लगता है, जैसे कल ही की बात है। उनके निधन की सूचना मिली,,.। सहसा विश्वास ही नहीं हो रहा था कि वे अब हमारे साथ नहीं रहे,,। निधन से कुछ दिनों पूर्व ही उनका आशीर्वाद मिला था वाट्सएप पर। हमारी सारी प्रार्थनाएं व्यर्थ हो गई। मन बार-बार कह रहा था कि यह खबर सच न हो,,, लेकिन कोरोना क्रूर काल बन कर उनको हमसे छीन ले गया,,. अब रोज मिलने वाले उनके स्नेहाशीष से वंचित रहूंगी। यह बात

बहुत पीड़ा पहुंचाती है,,,। यह हमारा सौभाग्य था कि हमें डॉ. नरेंद्र कोहली का सानिध्य मिला। उनके सृजन और लेखकीय योगदान को पढ़ने, सुनने और उन्हें जानने का अवसर हमें मिला है। ...डॉ. कोहली एक जन्मजात लेखक और सचमुच 'तुलसी का दूसरा अवतार थे...। मेरी दृष्टि में किसी भी लेखक या साहित्यकार का पहला उद्देश्य होता है, समाज का हित... कल्याण करना, माध्यम कोई भी हो... कविता, कहानी, लेख या अन्य कोई विधा, उद्देश्य कल्याणकारी हो तो, वह सफल है। डॉ. कोहली ने हिंदी साहित्य में एक नई परंपरा या विधा, जो कहें। पौराणिक चरित्रों के माध्यम से वर्तमान, आधुनिक परिस्थितियों, पात्रों व चरित्रों का मूल्यांकन करते हुए सामाजिक समस्याओं के सुंदर समाधान भी खोजे थे। बात 'महासमर' की हो, 'तोड़ो कारा तोड़ो', 'बासुदेव' या 'रामकथा, पूत अनोखो जायो' जैसी रचनाएं समाज की चेतना को झकझोरती हैं। जगाती हैं और जन मानस में परिस्थितियों से लड़ने-जूझने की राह सरल बनाती हैं।

वे स्वयं कहते थे - 'लेखक के मन में बड़ी कामना होती है कि समाज में समरसता हो, न्याय हो.. अत्याचार का राक्षस मारा जाए..'

उनके लेख में सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक अनेक समस्याएं होती हैं। डॉ. कोहली ने 'रामकथा' और 'तोड़ो करा तोड़ो' के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों के विरुद्ध लिखा, तो एक

# सृजन के उन्नत शिखर स्मृतियों का खूबसूरत सफर



 $\mathbb{Z}$ 

कवयित्री-कथाकार

जमशेदपुर, झारखंड

संदेश के साथ। कल्पना का सुंदर पुट देकर मिथकों को तोडा भी है। 'समाज की नजर में दूषित अहिल्याके चरण छूकर राम ने साहस दिखाया कि वह पवित्र है... दुःख व सदमे से पीड़िता-पाषाणवत अहिल्या को जीवनदान मिला। मिथक था कि गौतम के श्राप से अहिल्या पत्थर की बन गई थी..., राम के चरण स्पर्श से पुनः मानव बनी। 'महासमर में धृतराष्ट्र के दरबार की तुलना वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था, उसी विद्रूपताओं से करते हुए, राजनीति के गलियारों से समाज के विस्तृत आंगन तक फैली अनाचार व भ्रष्टाचार की कुरूपताओं तक समाज को जगाया है। जो दशा तत्कालीन धृतराष्ट्र की थी, कहीं वह स्थिति तुम्हारी न हो। धृतराष्ट्र भी प्रतीकात्मक है... उनकी आँखों का अंधत्व बताता है कि परिस्थितियों से आँखें बंदकर लेना किसी राजा को शोभा नहीं देता। कोहली जी अपने चिरत्रों के साथ स्वयम भी जीते हैं, कभी

विवेकानंद बन तोड़ो करा तोड़ो के नरेंद्र बन ईश्वरत्व की खोज में निकल पड़ते हैं तो कहीं रामकथा के रूप में

आयाम स्थापित करते नए आदर्शों को न...। 'उनका वात्सल्य भाव बहुत

उनके छात्र। जब वे मंच से बोलते तो सभी के मोबाइल फोन साइलेंट करा दिए जाते थे। कोई आवाजाही भी नहीं। साहित्यकार, लेखक, पत्रकार, श्रोता सभी शांत, एकाग्रचित्त होकर उनको सुनते थे। मैं जब भी अपनी कहानियां और आलेख अक्षर कुम्भ के मंच से पढ़ती थी, उन्होंने हमेशा अपना आशीर्वाद दिया और जरूरी बदलाव या सुधार की सलाह भी देते थे। मुझे 'अक्षर कुम्भ अभिनन्दन सम्मान' भी उन्ही के हाथों मिला था। उस दिन व्यास सम्मान और पद्मश्री मिलने पर भी उनसे बात हुई सामाजिक चेतना को झकझोरते ,नए थी। बड़े खुश थे, तुम्हें बहुत खुशी है

अभिभूत करता था। उन्होंने बधाई देने पर आशीर्वाद दिया -'यशस्वी हो और अच्छा लिखो',, उनका आशीर्वाद आज भी वाट्सएप पर भेजी मेरी सुप्रभात की शुभकामनाओं के उत्तर में सुखी रहो, प्रसन्न रहो, आशीष... के रूप में मिलता है, जो मेरी प्रेरणा है और मेरे सृजन को उर्जस्वित करता है। पिछले वर्ष विश्व पुस्तक मेले से उनकी पुस्तक शरणम् और सागर मंथन खरीद कर लाई थी। वे यश की उच्चतम ऊंचाइयों को छुएं, उनका सृजन कल्याणकारी हो, यह कामना की थी। उनकी सद्य;कृति सागर मंथन के लिए हृदय से अशेष शुभकामनाएं भी दी थी। उनकी अंतिम कृति समाज जिसमें हम रहते हैं... में उन्होंने समाज के विभिन्न रूपों पर सारगर्भित चर्चा की है...। और इस संबंध में एक साक्षात्कार का वीडियो भी भेजा था, अब सब कुछ सिर्फ यादों में शेष रह गया है।

जन्म देते हैं। लगभग 15 वर्षों से जमशेदपुर के 'अक्षर कुम्भ' में तीन दिन तक उनके साथ रहने .उन्हें सुनने-समझने का अवसर मिलता था। उस समय पूरे सभागार का वातावरण किसी कॉलेज की हिंदी कक्षा की तरह होता था। कोहली जी प्रोफेसर और हम सब

## SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें। 2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com















#### टंड के कारण 6 और 7 जनवरी को बंद रहेंगे रांची के सभी स्कूल

RANCHI: रांची जिले में शीत शलहर के प्रभाव को देखते हए उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री ने आगामी 6 और 7 जनवरी को जिले के सभी सरकारी और निजी स्कलों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। शीत लहर के कारण बच्चों को स्कूल जाने में कठिनाई हो रही है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उपायुक्त ने कहा कि इन दो दिनों में जिले के सभी कोटि के सरकारी उच्च, मध्य और प्राथमिक स्कूलों के साथ-साथ सभी प्राइवेट स्कूलों को भी पूरी तरह से बंद रखा जाएगा। इस आदेश के तहत छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। उपायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी सरकारी स्कलों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मी उक्त अवधि में स्कलों में नियत समय पर उपस्थित रहकर स्कूलों के कार्य का संपादन करेंगे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि स्कूलों में आवश्यक कार्य संचालन की प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के जारी रहे। यह कदम छात्रों की सेहत को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। शीतलहर के कारण रांची जिले में तापमान अत्यधिक गिरने की संभावना है, जिससे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

#### महाधिवेशन में जुटेंगे 13 राज्यों के 3 हजार प्रतिनिधि

RANCHI: झारखंड मुक्ति मोर्चा जल्द ही अपना 13वां महाधिवेशन करने जा रहा है। यह महाधिवेशन इस बार कई वजहों से महत्वपूर्ण होने जा रहा है। इस अधिवेशन में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी हिस्सा लेगी या नहीं, इस पर चर्चा होनी। हालांकि पार्टी सूत्रों के मुताबिक बिहार के 12 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ने की तैयारी पार्टी कर रही है। जेएमएम बिहार विधानसभा चुनाव पहले भी लड़ चकी है। पिछले चुनाव में भी उम्मीदवार उतारे थे पर सफलता हाथ नहीं लगी।बिहार विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए आयोजित किए जा रहे इस महाधिवेशन में 6 राज्यों के 3 हजार प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। ये प्रतिनिधि बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, असम और तमिलनाड समेत देश

### **O** BRIEF NEWS

# 13 लाख का लूटकांड : कंपनी का पूर्व कर्मी निकला मास्टरमाइंड

रांची के पंडरा थाना क्षेत्र में आशीर्वाद आटा कंपनी के अकाउंटेंट से हुई 13 की लूटपाट के मामले का पुलिस ने लगभग खुलासा कर दिया है। जांच में इसी कंपनी में काम करने वाला पूर्व कर्मी ही पूरे मामले का मास्टरमाइंड निकला। उसे पहले से जानकारी थी कि सुमित पैसा लेकर बैंक जाने वाला है। पूरा प्लॉन जेल में बनाया गया था। पुलिस ने इस मामले में महिला सहित चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की एसआईटी टीम ने यह कार्रवाई की। एसआईटी ने छापेमारी करते हुए रांची और रामगढ़ से सभी को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, महिला की गिरफ्तारी रामगढ़ से की गई है। अन्य अपराधी रातू और पंडरा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। वहीं, अपराधियों ने पूछताछ में घटना में शामिल अन्य के बारे में जानकारी दी है। पुलिस अन्य दो अपराधियों कर तलाश में छापेमारी तेज कर दी है। यह घटना ओटीसी ग्राउंड के स्थित आईसीआईसीआई बैंक के

बाहर हुई थी, जहां लूटपाट के समय बीच-

ने दो गोलियां दाग दी थी।

बचाव करने आए एक युवक पर भी अपराधियों

### ओटीसी ग्राउंड स्थित आईसीआईसीआई बैंक के बाहर हुई थी घटना रांची पुलिस ने महिला सहित चार अपराधियों को किया गिरफ्तार

#### अन्य अपराधियों की तलाश में छापेमारी कर रही पुलिस

- पर्व कर्मी के खिलाफ कंपनी ने दर्ज कराई थी एफआईआर
- दूसरे राज्य की पुलिस ने उसे अन्य केस में भेजा

● आए दिन लूट-डकैती के



जेल से निकलने के बाद दिया घटना को अंजाम मिली जानकारी के अनुसार, कंपनी में करने वाले युवक को लापरवाही के कारण निकाल दियाँ था। उसके खिजाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी। इसकी जांच चल ही रही थी कि अचानक पुलिस को पूर्व कर्मी की गिरफ्तारी की सूचना मिली थी। अन्य राज्य में कॉइम करते उसे पकडा गया था। उसे जेल भी भेजा गया था। लूट की कहानी जेल में ही रची गई थी। इसके लिए कई बार रेकी भी की गई थी। घटना को अंजाम देने के बाद भागने का रास्ता भी तैयार कर लिया गया था।

#### गोली मारने वाले शूटर की तलाश में छापेमारी पकडे गए अपराधियों ने पुलिस को

गोली मारने वाले युवक के बारे में भी बताया। शूटर पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। हालांकि, पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए देर रात तक छापेमारी कर रही थी। खबर लिखे जाने तक वह पुलिस के हाथ नहीं लगा था। पूछताछ में अपराधियों ने बताया कि घटना को अंजाम देने के लिए रामगढ़ के लुटेरा गिरोह का मदद लिया गया था। इसी गिरोह ने हथियार भी उपलब्ध कराया था। पुलिस इस गिरोह को ट्रैक कर रही हैं। रामगढ़ में कई जगहों पर छापेमारी की तैयारी है।

#### बाइक सवार अपराधियों ने दिया था घटना को अंजाम

बीते 30 दिसंबर 2024 को पंडरा थाना क्षेत्र के ओटीसी बाइक सवार अपराधियों ने



लुट लिए थे। इस दौरान बीच-बचाव करने आए एक युवक पर अपराधियों ने दो गोलियां दाग दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद सभी अपराधी फरार हो गए थे। मामले का खुलासा करने कि लिए रांची एसएसपी ने कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया था।

#### ११ लाख के लुटकांट का भी हो सकता है खुलासा

रातू थाना क्षेत्र के काठीटांड में एसबीआई बैंक के बाहर रिलायंस पेट्रोल पंप के कर्मी से हुई 11 लाख की लूटपाट का भी खुलांसा हो सकता है। इस घटना को बाइक सवार दो अपराधियों ने अंजाम दिया था। पंडरा लूटकांड की घटना का सीसीटीवी फुटेज में एक अपराधी का चेहरा भी सामने आया था। पुलिस के अनुसार, वह रातू लूटकांड में भी शामिल था। इसके बाद यह साफ हुआ कि रातू में हुई लूट को भी इसी गिरोह ने अंजाम दिया था। अपराधी का वांटेट पोस्टर भी शहर में लगाया गया था। साथ ही सूचना देने वालों को 20 हजार इनाम देने की भी घोषणा की गई है। इस बीच पुलिस को अपराधियों की सूचना मिली। जिसके बाद एसआईटी ने कार्रवाई करते हुए महिला सहित चार अपराधियों को दबोच लिया।

फोटोन एक्सक्लूसिव : लूट व डकैती के चंद मामलों का खुलासा कर पीठ थपथपा रही पुलिस

# कहीं रात के अंधेरे में तो कहीं दिन के उजाले में हो रही घटना

• घर में घुसकर बंदूक की नोक

वजह चाहे पुलिस की सुस्त कार्यशैली हो, या कुछ और। लूटेरों और डकैतों के लिए झारखंड उपयुक्त राज्य बन रहा है। झारखंड में जनवरी से लेकर अक्टूबर 2024 तक लूट के 363 और डकैती के 75 मामले दर्ज किए गए। लगातार बढ़ते मामलों पर गौर करें, तो राज्य में कानून व्यवस्था की अपराधियों ने पोल खोलकर रख दी। पुलिस के सारे दावे फेल नजर आ रहे हैं। चंद मामलों का खुलासा कर पुलिस अपनी पीठ थपथपा रही है। बता दें कि जून में सबसे ज्यादा लूटपाट की घटनाओं को अपराधियों ने अंजाम दिया है। इस महीने 50 लोगों को अपराधियों ने अपना निशाना बनाया। वहीं सबसे कम घटनाएं जुलाई में दर्ज की गईं। इस महीने 26 लोग अपराधियों के शिकार बने। इसी तरह जुलाई और अगस्त में डकैती की सबसे ज्यादा घटनाएं हुईं। इस महीने 13 मामले सामने आए। सबसे कम वारदात अप्रैल में हुई। इस महीने पलिस के प्रयास से सिर्फ एक

### ऐसी घटनाओं पर नकेल लगाना पुलिस के लिए बनी बड़ी चुनौती

मामले आते रहते हैं सामने



#### सरेआम घटनाओं को दिया जा रहा अंजाम

एक तरफ पुलिस एक मामले का खुलासा भी नहीं कर पाती कि अपराधी दूसरी घटना को अंजाम दे देते हैं। कहीं रात के अंधेरे में, तो कहीं दिन के उजाले में डकैती और लूट की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। लगातार चेकिंग व गश्ती के बाद भी अपराधी पुलिस की नाक के नीचे वारदात को अंजाम दे रहे हैं। आए दिन बैंक के बाहर लूटपाट व दिनदहाड़े महिला के गले से चेन उड़ाने की खबरें सामने आती रहती हैं। घर में घुसकर बंदूक की नोक पर डकैती की घटनाएं हो रही हैं। हालांकि, पुलिस कई मामलों में अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज देती है। इसके बाद भी अपराधियों के मन में पुलिस का खौफ नहीं है। ऐसी घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही है।

#### • रोड चलती महिलाओं को टारगेट करते है स्नैचर्स

### 26 दिसंबर 2024 को रांची के रात थाना क्षेत्र अंतगर्त काठीटांड स्थित कमडे रिलायंस पेट्रोल पंप के कर्मी से

रातू में ११ लाख लूटे

दो बाइक सवार अपराधियों ने 11 लाख रुपये लूट लिए। यह घटना तब हुई, जब रिलायस का कर्मी कैश जमा करने के लिए एसबीआई की रातू शाखा गया था। बैंक में घूसने से पहले अपराधियों ने घटना को अंजाम दे दिया। इस घटना के सीसीटीवी फुटेज से साफ पता चल रहा था कि अपराधियों ने रेकी कर घटना को

#### पंडरा में 13 लाख की लूट 30 दिसंबर 2024 को पंडरा थाना क्षेत्र के ओटीसी ग्राउंड स्थित आईसीआईसीआई

बैंक के बाहर तीन बाइक सवार अपराधियों ने आशीर्वाद आटा कंपनी के मैनेजर से 13 लाख रुपये लूट लिए थे। इस दौरान बीच-बचाव करने आए एक यवक पर अपराधियों ने दो गोलियां दाग दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद सभी अपराधी फरार हो गए थे। इस घटना के सीसीटीवी फटेज में एक अपराधी का चेहरा भी सामने आया।

#### भी अपराधियों को खौफ नही हाल में डकैती की घटनाएं

• पुलिस की कोशिश के बाद

#### गिरिडीह में 8.6 लाख की डकैती

03 जनवरी 2025 को गिरिडीह के बिरनी थाना क्षेत्र के बिराजपुर में अपराधियों ने एक घर को निशाना बनाया। रात के करीब एक बजे आठ अपराधी एक व्यवसायी के घर में घुस गए। रिवाल्वर और चाकू का भय दिखाकर सभी को बंधक बना लिया। इसके बाद घर में रखे 1.6 लाख रुपये नकद व सात लाख के जेवरात पर लेकर भाग गए।

#### दुमका में बैंक से 19 लाख ले उडे डकैत

०८ अगस्त २०२४ को दुमका में बाइक सवार अपराधियों ने दिनदहाडे डकैती की वारदात को अंजाम दिया। यहां नकाबपोश अपराधी हथियार लहराते हुए बैंक में घुसे। इसके बाद कर्मचारियों को धमकाते हुए कैश काउंटर से १९ लाख रुपये लूट लिए। फिर अपराधी हथियार लहराते हुए देवघर की तरफ भाग गए थे।

### कॉल गर्ल के हंगामे के बाद सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार PHOTON NEWS RANCHI:

#### 🗨 चुटिया स्टेशन रोड के रांची में देह व्यापार का धंधा बढ़ अकार्ड होटल से धराए

रहा है। पुलिस इसे रोकने के

किया। इस हंगामे के कारण देह

व्यापार का भंडाफोड़ हुआ। इस

मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते

हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया

है। चुटिया स्टेशन रोड स्थित

होटल अकार्ड में एक युवक

युवती को लेकर पहुंचा था। दोनों

ने यहां रूम लिया। थोड़ी देर के

बाद दोनों किसी बात को लेकर

उलझ गए। हंगामा इतना बढ़ गया

कि होटल कर्मियों को हस्ताक्षेप

करना पड़ा। लड़की नशे में चूर

थी। वह होटल कर्मियों के साथ

उलझ गई। बीच-बचाव करने

आए होटल मैनेजर को भी नहीं

छोडा। इसके बाद मैनेजर ने इसकी

सूचना चुटिया पुलिस को दी।

पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों को

हिरासत में लिया और थाना ले

गई। पछताछ में पता चला कि

लड़की कॉल गर्ल है। इसके बाद

पलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों

को गिरफ्तार कर लिया। चुटिया

थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों ने

पूछताछ में कई खुलासे किए हैं।

पुलिस को देह व्यापार में शामिल

अन्य लोगों की जानकारी मिली

है। गिरोह में शामिल लोगों का पता

लगाया जा रहा है। मिली

जानकारी के अनसार, राजधानी

रांची में चल रहा देह व्यापार के

खिलाफ बडी कार्रवाई हो सकती

है। फिलहाल पुलिस छापेमारी की

तैयारी कर रही है।

युवक-युवती लिए अलर्ट मोड पर रहती है। लगातार कार्रवाई व छापेमारी कर • नशे के बाद युवती ने किया आरोपियों को जेल भी भेज देती हाई वोल्टेज ड्रामा है। एसएसपी के आदेश पर छापेमारी का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में चुटिया थाना क्षेत्र के अकार्ड होटल से एक मामला सामने आया। यहां नशे के बाद एक युवती ने हाई वोल्टेज ड्रामा

#### रांची में स्पार्ड सिस्टम एविटव

रांची पुलिस देह व्यापार पर पूरी तरह नकल करने के लिए एक खास प्लान पर काम कर रही है। पुलिस ने शहर में एक स्पाई सिस्टम को एक्टिव कर दिया है। सादे लिबास में पुलिसकर्मियों और मुख्य ब्यूरो को रांची एसएसपी ने एक्टिव कर दिया है। जहां देह व्यापार के संचालन होने की संभावना है, उन सभी जगह पर कड़ी नजर रखी जा रही है। जैसे ही स्पाई सिस्टम पुलिस को सूचना देती है, पुलिस त्वरित रूप से वहां छापेमारी शुरू कर देती है।

#### पहले भी हो चुकी है कार्रवार्ड

जानकारी के अनुसार, रांची एसएसपी ने सभी थानेदारों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वह अपने क्षेत्र में पढ़ने वाले होटल की नियमित रूप से चेकिंग करें। जांच में अब तक पाया गया है कि पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश से लड़कियों को लाकर रांची में देह व्यापार कराया जा रहा है। इसमें फर्जी आधार कार्ड का प्रयोग किया जा रहा है। पिछले 5 महीना में पुलिस ने देव व्यापार में शामिल 80 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज चुकी है।

# मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम को रिम्स में नियुक्ति मामला : कैंडिडेट्स लेकर एसएसपी ने दिए दिशा-निर्देश ने लगाई हाईकोर्ट से न्याय की गुहार

मामला दर्ज किया गया।

मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम को लेकर शनिवार को रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) चंदन कुमार सिन्हा सहित वरीय अधिकारियों ने नामकम पहुंचकर सुरक्षा से लेकर ट्रैफिक मैनेजमेंट तक के लिए सभी पलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने पुलिस अफसरों और कर्मियों को ब्रीफ भी किया। सिन्हा ने बताया कि छह जनवरी को मंईयां सम्मान योजना को लेकर रांची में बड़े कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसमें लगभग तीन-चार लाख



लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। इसी कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा, भीड़ मैनेमेंट और ट्रैफिक मैनेजमेंट को लेकर मंथन किया गया। साथ ही कार्यक्रम में जिन अफसरों और कर्मियों की ड्यूटी लगी है, उन्हें ब्रीफ भी किया गया। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के राज्य स्तरीय समारोह की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। यह तैयारी लगभग मकम्मल हो चकी है। छह जनवरी को नामकुम खोजा टोली स्थित आर्मी ग्राउंड में कार्यक्रम का आयोजन होगा।

### **PHOTON NEWS RANCHI:**

रिम्स में नियक्ति में गडबडी को लेकर कैंडिडेट्स ने हाईकोर्ट में एकबार से न्याय की गहार लगाई है। इससे पहले 955-सी को लेकर निकाले गए विज्ञापन रद्द किए जाने के बाद कैंडिडेट्स ने हाईकोर्ट में 25 अगस्त 2021 याचिका दायर की थी। कोर्ट ने 9 जून 2022 को सोनी कुमारी के पत्र के आधार पर जारी रिम्स के पत्र को रद्द कर दिया। रिम्स की ओर से रिव्यू पिटीशन दायर किया गया। रिव्यू आर्डर के बाद 11 नवंबर 2022 को रिम्स ने याचिका वापस ले ली। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट



गलत है, उन्हें चिह्नित करते हुए कार्रवाई करें। साथ ही कहा कि लिस्ट में जिनके डॉक्यूमेंट सही हैं, इसकी जांच करते हुए उन्हें नियुक्ति पत्र दिया जाए। 20 अक्टबर को 955सी विज्ञापन के तहत कैंडिडेट्स की फाइनल लिस्ट जारी की गई थी। इसके बाद हाल में जारी किए गए लिस्ट के आधार पर

6 लोगों को ज्वाइनिंग कराई गई. तत्कालीन डायरेक्टर ने एक हफ्ते

जबिक इनका नाम पहले जारी फाइनल लिस्ट में था ही नहीं। इनलोगों को नियुक्ति पत्र भी दे दिया गया है। वहीं फाइनल लिस्ट में नाम आने वाले कैंडिडेट्स ने एक बार फिर से न्याय के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। डॉक्यूमेंट जांच कर नियुक्ति के आदेश के बाद रिम्स ने कोर्ट के आदेश के विरुद्ध बैक डोर से 155 नए लोगों का नाम लिस्ट में शामिल कर दिया। इसके लिए संविक्षा स्क्रूटनी कमेटी का गठन किया गया। वहीं

### होटल मालिकों को भी दी गई थी चेतावनी

पिछले दिनों रांची के आधा दर्जन होटल मालिकों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इसके बाद सभी छोटे–बड़े होटल के मालिकों को रांची पुलिस ने यह निर्देश दिया था कि वह अपने यहां किसी भी हाल में देह व्यापार का धंधा ना चलने दें। इसमें शामिल पाए जाने पर जेल भेजने की भी चेतावनी दी थी। पलिस ने स्पष्ट कर दिया था कि अगर देह व्यापार में किसी को भी शामिल पाया जाएगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

### दुखद : नगर निगम के अधिकारियों का नहीं है ध्यान, असामाजिक तत्वों का लगता है जमावड़ा

# करमटोली चिल्ड्रेन पार्क को बना दिया कबाङ्खाना

रांची नगर निगम के जिम्मे शहर की सफाई और डेवलपमेंट है। वहीं यहां रहने वाले लोगों को अच्छी सड़क, पानी और बेसिक सुविधाएं भी निगम ही उपलब्ध कराता है। इसके अलावा शहर के पार्कों की देख-रेख और मेंटेनेंस भी निगम ही करता है। लेकिन, पिछले कुछ दिनों से करमटोली पार्क की हालत पर नगर निगम के अधिकारियों का ध्यान ही नहीं है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि करमटोली चौक स्थित पार्क की हालत खराब है। इसे कबाडखाना की शक्ल में तब्दील कर दिया गया है। चिल्ड्रेन पार्क में लगाए झूले कबाड़ हो चुके हैं। इतना ही नहीं, कई जगहों पर ये दुर्घटनाओं को भी आमंत्रित कर रहा है। बिंजली के नंगे तार जगह-जगह पड़े हुए हैं। ऐसे में सवाल यह उढता है कि क्या किसी हादसे के बाद निगम के अधिकारियों की नींद खुलेगी।

### टूटे हुए झूले हादसों को दे रहे दावत, जहां- तहां पड़े हैं बिजली के खुले तार



#### पार्क से बच्चे लौट रहे निराश

करमटोली तालाब से सटे इस पार्क में बच्चों के लिए झूले और स्लाइडर लगाए गए थे। लेकिन, झूले की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है। वहीं स्लाइडर की भी हालत ठीक नहीं है। बच्चे घूमने तो आते है। लेकिन निराश होकर लौट जा रहे हैं।

### पाथ लाइट हो गए गायब

पार्क एरिया में पाथ लाइट लगाए गए थे। अब पार्क में लगाए गए पाथ लाइट ही गायब हो गए हैं। वहीं लाइट के लिए लगाए गए तार रास्ते में इधर-उधर पड़े हैं। इससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। यहां हर दिन सफाई कर्मी भी आते हैं। लेकिन, इन खुले तारों को हटाने पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। इस पार्क में समय-समय पर कार्यक्रमों का थायोजन किया जाता है। लाखों रुपये भी खर्च किए जाते हैं।



ओपेन एरिया में तो सब ठीक है। लेकिन, पार्क और सीटिंग एरिया में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा दिनभर लगा रहता है। ऐसे में फैमिली और बच्चों को शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। वहीं लोग पार्क में कुछ पल भी नहीं गुजार पाते।

#### झारखंड के सबसे बडे राधा कृष्ण मंदिर का उद्घाटन आज

में इसकी रिपोर्ट मांगी थी।

RANCHI: राजधानी रांची के कठहल मोड़ स्थित पुदांग में झारखंड का सबसे बड़ा राधा कृष्ण मंदिर बनकर तैयार है। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा ट्रस्ट की ओर से बने मंदिर का उद्घाटन रविवार को सुबह 10 बजे होगा। यह कार्यक्रम 20 संत-महात्माओं की उपस्थिति में ट्रस्ट के संस्थापक और संरक्षक संत शिरोमणी डॉ. स्वामी सदानंद जी महाराज और परमपूज्य मोहन प्रिया चार्य जी महाराज के नेतृत्व में संपन्न होगा। उद्घाटन समारोह के दौरान मंदिर परिसर 20 संत-महात्माओं के विशेष मंत्रोच्चार से गुंज उठेगा। समारोह में भक्तों की भारी भीड़ भी उमडेगी। श्रद्धालु मंदिर में दर्शन भी कर सकेंगे। उद्घाटन के बाद चार दिवसीय श्रीमद भागवत कृष्ण कथा और वाणि चर्चा आयोजित की जायेगी, जो दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी।

# दुकानदारों को हटाने से पहले पुनर्वास जरूरी : संजय सेट

#### **PHOTON NEWS RANCHI:** शनिवार को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री

और रांची के सांसद संजय सेठ ने प्रशासन से आग्रह किया है कि फुटपाथ दुकानदारों को हटाने से पहले उनके पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से रांची शहर के विभिन्न इलाकों में अतिक्रमण हटाने के नाम पर दुकानदारों को उजाड़ा जा रहा है, जबकि उन्हें उचित पुनर्वास की सुविधा नहीं दी जा रही है। मंत्री ने इस संबंध में नगर निगम और प्रशासन के अधिकारियों से कहा कि 2016 में नगर निगम ने फुटपाथ दुकानदारों का सर्वे कराया था, जिसमें रांची के विभिन्न स्थानों पर 5901 वेंडरों को सही पाया गया था। इस सर्वे के अनुसार, उन दुकानदारों को जिन स्थानों से हटाया जा रहा है, वहां



से हटने के बाद उन्हें अन्य स्थानों पर दुकान लगाने के लिए पुनर्वास की व्यवस्था की जानी चाहिए थी। संजय सेठ ने यह भी कहा कि प्रशासन द्वारा वर्तमान में अतिक्रमण के नाम पर दुकानदारों को बिना नोटिस दिए, बिना समय दिए सीधे उनके ठेले और दुकानें तोड़ी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह तरीका बिल्कुल गलत है। दुकानदारों को उनके व्यापार को चलाने का अधिकार है।

लातेहार जिले में चर्चित मुंशी

### Sunday, 05 January 2025

लातेहार के चर्चित मुंशी

हत्याकांड का खुलासा

### मानसिक रूप से बीमार बताई जा रही महिला, पुलिस ने किया अरेस्ट

# महाकुंभ में सनातन सेवा ट्रस्ट ने खोला सेवा शिविर

**BRIEF NEWS** 

JHARSUDUDA: सनातन सेवा ट्रस्ट ने पारडीह काली मंदिर के महंत विद्यानंद सरस्वती के निर्देश पर प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में सेवा शिविर खोला है। ट्रस्ट ने शिविर के लिए 50 कंबल भेंट किए हैं। महंत विद्यानंद सरस्वती ने कहा कि यह शिविर न केवल श्रद्धालओं की सहायता करेगा, बल्कि समाज में सेवा और परोपकार की भावना को भी प्रेरित करेगा। इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रतिनिधि सोन् ठाकुर ने कहा कि टस्ट का उद्देश्य केवल धार्मिक कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग के प्रति सेवा भावना को आगे बढ़ाना है। इस मौके पर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य डॉ. राजीव कुमार, वीर सिंह, समाजसेवी वेदप्रकाश उपाध्याय, सागर राय आदि भी उपस्थित थे।

#### राजगांगपुर में तीन ट्रेनों का टहराव शुरू



CHAKRADHARPUR: दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल में राजगांगपुर रेलवे स्टेशन पर शनिवार से तीन ट्रेनों का ठहराव शुरू हुआ। संबलपर-गोरखपर मौर्य एक्सप्रेस, हटिया-बेंगलरु एक्सप्रेस और पणे-हावड़ा आजाद हिंद एक्सप्रेस के ठहराव की शुरूआत के दौरान केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री व सुंदरगढ़ के सांसद जुएल ओराम भी उपस्थित थे। मंत्री ने कहा कि इन तीनों ट्रेनों के ठहराव की मांग मेरे क्षेत्र के लोग लंबे समय से कर रहे थे। इस अवसर पर व चक्रधरपर रेल मंडल के डीआरएम तरुण हुरिया सहित काफी संख्या में स्थानीय लोग, रेलवे के अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

#### 10 आदिवासी छात्रों को मिलेंगे 10-10 हजार रुपये



GHATSHILA: घाटशिला कॉलेज के 10 प्रतिभाशाली आदिवासी छात्र-छात्राओं को आदिनीती डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से 10-10 हजार रुपये प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाएगा। फाउंडेशन की डायरेक्टर नितिशा बेसरा ने शनिवार को इससे संबंधित पत्र प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी को भेजा। पुरस्कार राशि 7 जनवरी को कॉलेज परिसर में चयनित छात्रों को प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही फाउंडेशन के सहयोग से घाटशिला कॉलेज में शिक्षा एवं अनुसंधान पर केंद्रित राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर का सेमिनार भी किया जाएगा। फाउंडेशन की डायरेक्टर नितिशा बेसरा ने अपनी शिक्षा आईआईटी कानपुर व हार्वर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका से प्राप्त की है। अभी नीतिशा यूएस के जॉन्स हॉपिकंस यूनिवर्सिटी के भारतीय शाखा दिल्ली में डिप्टी डायरेक्टर हैं। उनकी ओर से यह ऑफर लेटर उनके पिता पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा ने प्राचार्य डॉ. चौधरी से मिलकर दिया।

### सरायकेला से 17,249 छात्र देंगे मैट्रिक परीक्षा



SARAIKELA: समाहरणालय सभागार में उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला की अध्यक्षता में शनिवार को माध्यमिक व इंटरमीडिएट परीक्षा को लेकर बैठक हुई। इसमें जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2025 में कुल 17,249 विद्यार्थी माध्यमिक की परीक्षा में शामिल होंगे। इसके लिए जिले में कुल 57 परीक्षा केंद्रों का चयन किया गया है। वहीं इंटरमीडिएट की परीक्षा में कुल 12,189 विद्यार्थी शामिल होंगे, जिसके लिए कुल 38 परीक्षा केंद्रों का चयन किया गया है। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को ऐसे केंद्र जिनकी दूरी अधिक है, उसमें सुधार करने तथा क्षेत्रीय पदाधिकारी के माध्यम से सभी परीक्षा केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं की सूची तैयारी करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत, जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा व जिला शिक्षा अधीक्षक कैलाश मिश्रा भी उपस्थित थे।

### दो उग्रवादियों के घरों पर चिपकाया इश्तेहार

CHAKRADHARPUR: पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोकलो थाना पुलिस ने शनिवार को दो उग्रवादियों के घरों पर इश्तेहार चिपका कर उन्हें समर्पण करने को कहा हैं। टोकलो थाना के प्राथमिक अभियुक्त अमित मुंडा उर्फ चुका मुंडा पिता सुखराम मुंडा ग्राम तामराना थाना तमांड़ जाकर पुलिस ने नोटिस चिपकाया। पुलिस ने परिजनों से जल्द से जल्द थाना में समर्पण कराने को कहा। दूसरे उग्रवादी गुलशन मुंडा उर्फ गुलशन सिंह मुंडा पिता सोमरा मुंडा ग्राम बारुहातु थाना बुंडू निवासी के घर पर भी पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया। इस संबंध में टोकलो थाना प्रभारी परमेश्वर उरांव ने बताया कि दोनों के खिलाफ टोकलो थाना में मामला दर्ज है।

# महिला ने डेढ़ साल की बेटी को गला रेतकर मार डाला

**PHOTON NEWS GUMLA:** गमला जिले के घाघरा प्रखंड

अंतर्गत बड़ाअजियातु गांव में मां ने अपनी डेढ वर्षीय पत्री की गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। जानकारी के अनसार, मां फलमनी देवी ने अपनी डेढ़ वषीर्या पुत्री नीतू कुमारी की तेज धार सब्जी काटने वाली ह्यबैठीह्न से गला रेत दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस दल-बल के साथ शनिवार को घटनास्थल से आरोपी मां को गिरफ्तार किया। मृत बच्ची और आरोपी के पति कैलाश गोप ने बताया कि शुक्रवार की देर रात वह घर में खाना बना रहा था। इसी क्रम में फूलमनी देवी से बच्ची को गरम कपड़ा पहनाने कहा। इस पर उसकी पत्नी बच्ची को लेकर घर में रखे सब्जी काटने वाली बैठी से गर्दन



पुलिस गिरफ्त में आरोपी महिला। होने के बाद मैंने कमरे में देखा कि उसकी पत्नी ने बच्ची की गला रेतकर हत्या कर दी है। इसके बाद आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। कैलाश गोप ने बताया की उसकी पत्नी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वर्ष 2018 से प्राइवेट अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। इधर कुछ दिनों से फुलमनी देवी की तबीयत खराब होने के कारण उस दवा को बंद कर दूसरी दवा चल रही थी। सभी चीज ठीक ही था कि कल अचानक इस तरह की घटना को फूलमनी ने अंजाम दे दिया। इस संबंध में थाना प्रभारी

### खूंटी में धारदार हथियार से युवक की ले ली जान, सड़क किनारे पड़ा मिला शव

तोरपा थाना क्षेत्र में शनिवार की सबह एक अज्ञात युवक की हत्या का पलिस ने शव को तोरपा-सिमडेगा मार्ग के किनारे ओरमेंजा गांव के पास से बरामद किया। पुलिस शव की पहचान करने के साथ हत्यारों का सुराग ढूंढने में जुटी है। शव की खोज उस समय हुई, जब कुछ लोग मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। उन्होंने सड़क किनारे शव पड़ा देखा। सूचन मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, जिसमें एसडीपीओ क्रिस्टोफर केर-केट्टा और थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय भी शामिल थे। शव कंबल से ढंका हुआ था और गले पर धारदार

तरुण कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि घटना की सूचना मिलने पर घटनास्थल से आरोपी महिला को हिरासत में लिया गया है। घटना में प्रयुक्त तेज धार वाली

हथियार से वार के निशान थे, जो यह



से की गई थी। घटनास्थल पर मिले साक्ष्य से यह प्रतीत होता है कि अपराधियों ने हत्या कहीं और की, और शव को सड़क किनारे लाकर फेंक दिया। पुलिस ने शव की जांच के दौरान युवक की जेब से गांजा, खैनी और गांजा पीने वाला चिलम बरामद किया। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि युवक किसी न किसी मादक पदार्थ से जुड़ा हुआ था।

बैठी को जब्त किया गया है। परिजनों ने बताया है कि महिला की मानसिक स्थिति सही नहीं थी। प्राइवेट अस्पताल में इलाज



हत्याकांड का पुलिस ने शनिवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस मामले में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें भुवनेश्वर संकेत देते हैं कि हत्या अत्यंत क्रूरता सिंह, रमेश सिंह, छोटेलाल उरांव, रामचंद्र उरांव और सनोज उरांव शामिल हैं। सभी आरोपी लातेहार के भूसूर पंचायत के निवासी हैं। पुलिस ने घटना की जांच के दौरान आरोपियों के पास से तीन देसी राइफल और हत्या में प्रयुक्त टांगी भी बरामद की है। पुलिस की छापेमारी के बाद मामले का पदार्फाश हुआ और घटना से जुड़े सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी कमार गौरव ने पत्रकारों को बताया

घटना के बारे में मीडिया को जानकारी देते एसपी गौरव कुमार। 🌘 फोटोन न्यूज पर पुल निर्माण कार्य में मुंशी और नाइट गार्ड के तौर पर कार्यरत थे, की धारदार हथियार से हत्या कर दी थी। हत्या के बाद अपराधियों ने एक उग्रवादी संगठन का नाम लेते हुए पर्चा भी घटनास्थल पर फेंका था, लेकिन पुलिस की जांच से यह स्पष्ट हुआ कि हत्या एक सामान्य अपराधी समृह ने की थी। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने क्षेत्र में दहशत फैलाने के लिए इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया था। छापेमारी दल में डीएसपी अरविंद कुमार, पुलिस इंस्पेक्टर दुलड़ चौड़े, सब-इंस्पेक्टर विक्रांत कुमार उपाध्याय, भागीरथ पासवान, मनोज कुमार रमाकांत गुप्ता, राहुल सिंह और सुरेंद्र कुमार महतो समेत अन्य पुलिस अधिकारियों का योगदान

### कारगिल बलिदानी विश्राम टाना मगत की पत्नी का हुआ निधन

PHOTON NEWS LOHARDAGA: जिले के कैरो थाना क्षेत्र के एडादोन गांव निवासी कारगिल बलिदानी विश्राम टाना भगत की पत्नी तारामणि का शनिवार को निधन हो गया। तारामणि का शव लोहरदगा शहर के उपनगरीय क्षेत्र पतराटोली के करम टोली मोहल्ला स्थित उनके घर में मिला। इसके बाद सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई। तारामणि जिला आपूर्ति कार्यालय में कार्यरत थीं। विश्राम टाना भगत के बलिदान होने के बाद तारामणि को अनुमंडल कार्यालय में तृतीय श्रेणी में नौकरी मिली थी। तारामणि लोहरदगा करम टोली स्थित अपने इस घर में अपनी बेटी, भतीजा, भतीजी के साथ रहती थीं। कहा जा रहा है कि तारामणि की तबीयत दो दिनों से खराब थी। वह शनिवार

सुबह सोकर उठीं और तबीयत

ज्यादा खराब होने की बात परिजनों

आधा दर्जन ट्रेनें आज रद्द

कल से 10 दिन नहीं

चलेगी टाटा-बिलासपुर

# से कही। इसके बाद तारामणि घर के अंदर अपने कमरे में सोने चली

गईं। जब देर तक तारामणि सोकर नहीं उठीं, तो बच्चे कमरे में देखने गए तो अचेत पाया। इसके बाद आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। आसपास के लोग मौके पर पहुंचकर देखा तो उनका निधन हो चुका था। हालांकि घटना को लेकर तरह-तरह की बातें कही जा रही हैं। सदर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक रत्नेश मोहन ठाकुर ने कहा कि उन्हें किसी तरह की घटना की जानकारी नहीं मिली है।

### जमशेदपुर में आज

JAMSHEDPUR : बृहद झारखंड कला संस्कृति मंच की ओर से रविवार को डहरे दुसू निकलेगा, जो मानगो स्थित डिमना चौक से साकची के आमबगान मैदान तक जाएगा। मंच के दीपक रंजीत ने बताया कि डहरे दुसु परब-2025 की तैयारी पूरी हो गई है। इस वर्ष का मुख्य आकर्षण बोड़ाम, पटमदा, गालुडीह और पश्चिम बंगाल के बांदवान की छऊ टीम होगा। इसके अलावा धनबाद, बोकारो और पश्चिम बंगाल के जंगलमहल से दुसु नृत्य टीम, बोड़ाम से घोड़ा नाच टीम और पश्चिम बंगाल, मेदिनीपुर, पुरुलिया और झाड़ग्राम के अलावा धनबाद के कई झुमूर और दुसु गीत कलाकार भी रहेंगे। पूरी शोभायात्रा को नियंत्रित करने के लिए 300 वॉलंटियर सफेद टीशर्ट में तैनात रहेंगे। डिमना, संकोसाई, मानगो और आमबगान में पानी और बाहर से आने वाले कलाकारों के लिए डिमना में भोजन

### निकलेगा डहरे दुस्

# कृषाणु रॉय के घर हुई चोरी मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को भेजा जेल

कि 26 दिसंबर को अपराधियों ने

बाल गोविंद साह, जो औरंगा नदी

**PHOTON NEWS GHATSHILA:** घाटशिला थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी कषाण रॉय के बंद पड़े घर में 31 दिसंबर की रात को चोरी हो गई थी, जिसमें चोरों ने कोई सामान नहीं छोड़ा था। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को न केवल गिरफ्तार किया, बल्कि अधिकांश सामान भी चोरों के घर से बरामद कर लिया। थाना प्रभारी मधुसुदन दे ने शनिवार को बताया कि कृषाणु रॉय ने घाटशिला थाना में गुरुवार को लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने लिखित शिकायत में उल्लेख किया था कि गोपालपर स्थित उनके घर से अज्ञात चोरों द्वारा बंद घर का ताला तोड़ कर पलंग व ड्रेसिंग टेबल, लगभग सभी फर्नीचर व घरेलू उपयोग के सामान सहित सोने-चांदी के आभूषण भी ले गए।



पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

आदेशानुसार एक विशेष छापामारी दल का गठन कर कांड का उद्भेदन करने के लिए छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान इस घटना को अंजाम देने वाले पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके पास से चुराए गए सामान भी बरामद किए गए। अपराधियों ने कांड में संलिप्तता भी स्वीकार कर ली है। सभी को

न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में विजय नामाता (19 वर्ष), शिवा भालु उर्फ अप्पू (19 वर्ष), अजय कुमार (24 वर्ष), अमित

## घाटशिला के मऊभंडार स्थित ताम्र प्रतिमा मैदान में चल रही प्रतियोगिता

## खो-खो चैंपियनशिप में खेला गया नॉकआउट

JSR : चक्रधरपुर और रांची रेल मंडल में पावर ब्लॉक लेने के कारण रविवार को करीब आधा दर्जन ट्रेनें रद्द रहेंगी, जबिक टाटानगर- बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस 6 -16 जनवरी के बीच रद्द रहेगी। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस 6 -15 जनवरी के बीच रद्द रहेगी। वहीं टाटा-बिलासपुर एक्सप्रेस 7-16 जनवरी के बीच रद रहेगी। इसके साथ ही टाटानगर-हटिया-टाटानगर एक्सप्रेस भी 7-16 जनवरी के बीच रद रहेगी। टाटा-हटिया-टाटा मेमू ७ से 12 जनवरी तक रद्द रहेगी। इन ट्रेनों के लगातार 10 दिनों तक अप-डाउन रद्द रहने से हजारों यात्रियों को परेशानी होगी, खासकर वैसे यात्रियों को, जिन्होंने पूर्व से ही टिकट बुक किया है। इसके साथ ही, पार्सल बुकिंग करने वाले लोगों

PHOTON NEWS GHATSHILA: पर्वी सिंहभम जिला खो-खो एसोसिएशन के तत्वाधान में मऊभंडार ताम्र प्रतिभा मैदान में खेले जा रहे तीन दिवसीय झारखंड स्टेट 18वें सीनियर खो-खो चैंपियनशिप (ब्वॉयज एंड गर्ल्स) में शनिवार को लीग के साथ-साथ नॉकआउट राउंड के भी मैच खेले गए। दिन-रात के खेल में लड़के व लड़कियों के लिए 8-8 पूल बनाए गए हैं। लड़िकयों के लीग राउंड मैच में शनिवार को रांची और साहेबगंज के बीच हुए एकतरफा मुकाबले में रांची की लड़िकयों ने 3 प्वाइंट और एक इनिंग से मैच जीता। इसी तरह, रामगढ़ की लड़कियों ने कोडरमा की लड़िकयों को 14 प्वाइंट से हराया। पलाम के खिलाफ हजारीबाग की टीम ने 4 प्वाइंट और एक इनिंग से जीत



खो-खो प्रतियोगिता में शामिल लड़कियां।

दर्ज किया। वहीं, पश्चिमी सिंहभूम के खिलाफ पूर्वी सिंहभूम की ए टीम ने 5 प्वाइंट से मैच जीता। रोमांचक मुकाबले में देवघर ने गिरिडीह को एक प्वाइंट से मात दिया। नॉक राउंड मुकाबलों की बात करें तो साहेबगंज के खिलाफ डे बोर्डिंग की टीम ने 15 प्वाइंट व एक इनिंग से जीत दर्ज किया। देवघर की लड़िकयों ने 3 प्वाइंट

से कोडरमा की टीम को हराया। रामगढ़ की टीम ने 2 प्वाइंट एवं एक इनिंग से गिरिडीह को मात दिया। मेजबान पूर्वी सिंहभूम की खिलाफ लड़िकयों हजारीबाग की लड़िकयों ने 19 प्वाइंट से मैच जीता, जबकि पूर्वी सिंहभूम की ए टीम के खिलाफ पलामू ने 2 प्वाइंट से जीत दर्ज किया। लड़कों के

#### आज खेला जाएगा फाइनल मुकाबला

रविवार को शेष बचे मैचों के साथ **फाइनल खेला जाएगा। मालूम हो** कि खो-खो चैंपियनशिप में लंडके और लड़कियों की कुल 29 टीमें हिस्सा ले रही हैं। झारखंड के 16 जिलों से ब्वॉयज व 13 जिलों से गर्ल्स की टीम चैंपियनशिप में हिस्सा ले रही है। एक टीम में 15– १५ खिलाड़ी हैं, जबकि एक-एक मैनेजर तथा रेफरी शामिल हैं। इन सभी के बीच कई रोमांचक मुकाबले हो रहे हैं, जिसे देखने के लिए दर्शकों की भीड़ जुट रही है। खेल के सफल संचालन के लिए तीन कोर्ट बनाए गए हैं, जहां-जहां अलग-अलग मैच खेले जा रहे हैं।

तो बोकारो ने ऑल स्पोर्ट्स एकेडमी के खिलाफ 12 प्वाइंट और एक इनिंग से गेम जीत लिया है। शाम तक लड़कों व नॉकआउट राउंड की बात करें के मुकाबले खेले जा रहे थे।

कुमार सिंह (23 वर्ष) सभी गोपालपुर कटिंगपाड़ा व रंजीत मंडल (32 वर्ष) दाहीगोडा थाना घाटशिला, जिला पूर्वी सिंहभूम के रहने वाले हैं।

#### एटक ने मनाई मजदूर नेता केदार दास की जयंती



JSR: एटक व देश के चर्चित मजदूर नेता केदार दास की 112वीं जयंती साकची स्थित सीपीआई कार्यालय में मनाई गई। केदार दास जमशेदपुर पूर्वी से दो बार विधायक भी रहे थे। जमशेदपुर के मजदुरों में उनकी गहरी पैठ थी। उनके मृदुभाषी व सरल स्वभाव ने मजदूरों में गहरी छाप छोड़ी थी। एटक के राज्य सचिव अंबुज ठाकुर व राज्य कार्यकारिणी सदस्य हीरा अरकने और एआईएसएफ के राज्य संयोजक विक्रम कुमार ने उनके क्रांतिकारी और मजदूरों को संगठित रखने की विचारधारा पर चलने का आह्वान किया। इस दौरान धनंजय शुक्ला, एमएन पॉल, एस विश्वकर्मा, अशोक कुमार दास, मनोज कुमार आदि भी उपस्थित थे।

### हुनर की ताकत : पारंपरिक व्यवसाय को नया आयाम देने का कर रहे प्रयास

### सोलर चाक के उपयोग से कुम्हारों की बढ़ रही आमदनी

को भी समस्या होगी।

PHOTON NEWS KHUNTI: जिले के कुम्हार अब इलेक्ट्रिक सोलर चाक के उपयोग से अपने पारंपरिक व्यवसाय को नया आयाम दे रहे हैं। हाल ही में जिला प्रशासन के जरिये आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सोलर चाक चलाने और इसके लाभ की जानकारी प्राप्त करने के बाद कुम्हार अब इस तकनीक का कुशलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं। प्रशिक्षित कुम्हार सोलर चाक की सहायता से मिट्टी के बर्तन, दीये, मृर्तियां और अन्य सामग्री का निर्माण आसानी से और कम समय में कर रहे हैं। इस आधुनिक तकनीक ने न केवल उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाया है, बल्कि उत्पादकता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। खूंटी के एक प्रशिक्षित

कुम्हार ने कहा कि सोलर चाक से



है। पहले जहां हमें अधिक समय और मेहनत करनी पड़ती थी, अब उसी काम को कम समय में पूरा कर सकते हैं। इससे हमारी आय में भी सुधार हो रहा है। उपायुक्त

कुम्हारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास है। सोलर चाक पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ उनके व्यवसाय को भी सशक्त बना रहा है। जिला नवाचारों को बढ़ावा देगा। सोलर चाक के इस्तेमाल से कुम्हार पारंपरिक हस्तशिल्प को संरक्षित कर रहे हैं, उनके उत्पादों में भी वृद्धि हो रही है।

#### पंचायती राज विभाग की योजनाओं की हुई समीक्षा

KHUNTI: डीआरडीए स्थित सभागार में शनिवार को जिला पंचायती राज पदाधिकारी शिशिर कुमार की अध्यक्षता में पंचायत राज विभाग के जरिये संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा और समीक्षा की गई। इनमें मुख्य रूप से जीपीडीपी-जीपीएफटी ट्रेनिंग के तहत टीएमपी पोर्टल में इंट्री की प्रगति, 15वें वित्त आयोग के तहत व्यय को एक सप्ताह में 50 फीसदी तक बढ़ाने, पंचायत ज्ञान केंद्र का अधिष्ठापन, जनप्रतिनिधियों के मानदेय, सभी पंचायतों में बायोमेट्रिक मशीन का अधिष्ठान और संचालन सुनिश्चित करने, पंचायत सुदृढ़ीकरण और 15वें वित्त आयोग की उपयोगिता प्रमाण पत्र की स्थिति, पंचायत भवन की स्थिति और भारत नेट रिचार्ज की

समीक्षा की गई।

### लड़िकयों के नॉकआउट राउंड

## 108 एंबुलेंस शुरू करने वाले डॉ. सुधांकर ने सुनाई कहानी

रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर वेस्ट का बेल्डीह क्लब में सेमिनार आयोजित

रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर वेस्ट के तत्वावधान में शनिवार को बेल्डीह क्लब में सेमिनार हुआ, जिसमें 108 एंबुलेंस शुरू करने वाले डॉ. सुधाकर ने अपनी कहानी सुनाई। बेंगलुरु से आए प्रसिद्ध डॉ. सुधाकर वाराणसी (108 आपातकालीन सेवाओं के जनक) ने अपने प्रेरक अनुभव साझा किए। उन्होंने भारत में 108 इमरजेंसी एंबुलेंस सेवा की शुरूआत और इसके विस्तार की कहानी सुनाई। डॉ. सुधाकर ने बताया कि उनके मित्र की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के बाद उन्होंने समाज में एंबुलेंस सेवा की आवश्यकता महसूस की। उन्होंने एक टीम बनाकर प्राइवेट कंपनियों



के सहयोग से 108 एंबुलेंस सेवा की शुरूआत की। आज यह सेवा पूरे भारत में 37,000 एंबुलेंस के साथ सक्रिय है और भूटान व श्रीलंका में भी कार्यरत है। उनके प्रयास से अब तक 1.5 लाख लोगों की जान बचाई जा चुकी है। कार्यक्रम का संचालन रोटरी क्लब



इस दौरान डॉ. सुधाकर ने गांधीजी के गीत पर आधारित बांसुरी की धुन भी सुनाई। कार्यक्रम में शहर के सभी रोटरी क्लब के प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

### क्या आप जानते हैं?

भारत का सबसे बड़ा हीरा ग्रेट मुगल जब 1650 में गोलकुंडा की खान से निकला तो इसका वजन ७८७ कैरेट था।

पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार 1965 में मलयालम कवि गोविन्द शंकर कुरुप को दिया

घर घर में गाई जाने वाली आरती ओम जय जगदीश हरे के रचयिता पं. श्रद्धाराम शर्मा थे।

राजस्थान में सुंधा माता नामक एक ऐसा पर्वत है, जहां खंडित मूर्तियों को रखना पवित्र

बाबर अपने समय की सामान्य रूप से बोली जाने वाली भाषा फारसी में प्रवीण था, पर उसकी मातृभाषा चागताई थी और उसने अपनी आत्मकथा बाबरनामा चागताई में ही लिखी ।

याहू डॉट कॉम का नाम पहले जेरीज गॉइड टू वर्ल्ड वाइड वेब था अप्रैल 1994 में इसे बदल कर याहू डॉट कॉम कर दिया गया।

आलू की खेती में विश्व में तीसरा स्थान रखने वाला भारत १६वीं शती से पहले इसके विषय में जानता तक नहीं था।

नीदरलैंड के लोग दुनिया में सबसे ऊंचे होते हैं।यहां पुरुषों की औसत ऊंचाई पांच फुट साढ़े ग्यारह इंच है, लेकिन दक्षिणी नीदरलैंड में यह औसत एक इंच कम है।

यदि आप ध्वनि की गति से तेज चलने वाले विमान कांकॉर्ड में लंदन से न्यूयॉर्क के लिए चलें तो वहां उस समय से भी दो घंटे पहले पहुंच जाएंगे, जब आप चले थे।

विश्व में पक्षियों की 8650 प्रजातियां हैं, जिसमें से 1230 भारत में पाई जाती हैं।

सदाबहार पौधा बारूद जैसे विस्फोटक को पचाकर उन्हें निर्मल कर देता है।

कुम्हड़े की प्रजाति मैक्सिमा का वजन 34 किलोग्राम से भी अधिक होता है।

मुग़ल उद्यान, दिल्ली में अकेले गुलाब की ही 250 से अधिक प्रजातियां हैं।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में प्रतिदिन इतना प्रसाद बंटता है कि 500 रसोइए और 300 सहयोगी रोज काम करते हैं।

मध्यप्रदेश के सांवेर गांव में स्थित हनुमान जी का मंदिर उलटे हनुमान के नाम से प्रसिद्ध है। इसमें स्थापित मूर्ति का सिर नीचे और पैर ऊपर हैं।

कालिदास के गीतिकाव्य ऋतुसंहार के छह सर्गों में उत्तर भारत की छह ऋतुओं का विस्तृत वर्णन किया गया है।

बिच्छू की लगभग 2000 जातियां होती हैं, जो न्यूजीलैंड व अंटार्कटिक छोड़कर विश्व के सभी भागों में पाई जाती हैं।





# धर का हैप्पी बर्थडे

'हां घर को भी।' कहती हुई मम्मी जल्दी से किचन में चली गईं। थोड़ी देर में ही वहां से सूजी भूनने की खुशबू आने लगी।पापा ने फटाफट काजू काटे। इलायची पीसी। नारियल कद्रूकस किया। हलवा बनाने के बाद मम्मी ने उसे प्लेट में पलटकर कलछी से गोल केक जैसा बना दिया। फिर एक छोटी मोमबत्ती भी उस पर लगा दी।

रात हो गई थी। मम्मी ने कहा, 'अंतरिक्ष, चलो दूध पिओ।' फिर कुछ याद करते पापा से बोलीं, 'अरे, मैं तो भूल ही गई। आज हमें इस घर में आए पूरे तीन साल हो गए।'

छोटे से अंतरिक्ष ने पूछा, 'तीन साल, क्या?'

'तीन साल माने क्या?' मम्मी ने दोहराया। वह कुछ बोलतीं, उससे पहले ही पापा ने कहा, 'तीन साल मतलब, आज हमारा घर तीन साल का हो गया। जैसे तुम पिछले महीने पांच साल के हुए थे न।′

'तो आपने तो मेरा हैप्पी बर्थ डे मनाया था ।'

'हां, हां बिल्कुल सही कहा ।आज घर का हैप्पी बर्थडे है।' मम्मी खुश होते हुए बोलीं।

'तो उसका बर्थ डे केक कहां है। और उसके दोस्त क्यों नहीं आए।'

'अरे हां, घर का बर्थडे तो उसके दोस्त, आसपास के दूसरे घर ही मना सकते हैं। बुलाओ भाई, दूसरे घरों को बुलाओ। फिर जब उनका बर्थडे होगा तो हमारा घर भी चलकर वहां जाएगा।' पापा बोले और खूब हंसे।

'लेकिन अंतरिक्ष, हम और तुम भी तो घर के दोस्त हैं।हैं कि नहीं?' मम्मी ने उसका खाली किया कप सिंक में रखते पुछा।

'यस, घर इज माई प्रेंड ।' अंतरिक्ष बोला तो पापा बोले, 'चलो घर को हैप्पी बर्थडे विश करते हैं ।'

' नहीं, पहले केक लाओ । उस पर कैंडल लगाओ

और गुब्बारे भी।' 'हां भई, अगर घर का बर्थडे ठीक से नहीं

मनाया तो घर बुरा मान जाएगा । नाराज हो जाएगा । मगर इस वक्त केक लाएं कहां से । दुकानें तो बंद हो गई होंगी और ऑन लाइन अगर ऑर्डर करें तो आएगा कब।' पापा ने कहा।

उनकी बात सुनकर मम्मी ने अंतरिक्ष से पूछा, ' अंतरिक्ष क्या हलवा केक से घर का हैप्पी बर्थ–डे मनाएं!'

'हलवा केक ।'

'हां, खाकर देखना बहुत मजा आएगा ।'

'घर को भी।' अंतरिक्ष ने अपनी फुटबॉल में एक किक मारते हुए कहा।

'हां घर को भी।' कहती हुई मम्मी जल्दी से किचन में चली गईं। थोड़ी देर में ही वहां से सूजी भूनने की खुशबू आने लगी । पापा ने फटाफट काजू काटे । इलायची पीसी । नारियल कद्रूकस किया ।

हलवा बनाने के बाद मम्मी ने उसे प्लेट में पलटकर कलछी से गोल केक जैसा बना दिया। फिर एक छोटी मोमबत्ती भी उस पर लगा दी।

यह देख अंतरिक्ष बोला, 'आप तो कह रही थीं, घर का थर्ड बर्थडे है।'

'तो कोई बात नहीं । दो कैंडल घर के अगले बर्थ डे पर लगा देंगे।' पापा की बात सुनकर अंतरिक्ष खुश हो गया। वह गाने लगा, 'हैप्पी बर्थ डे माई डियर होम। हैप्पी बर्थ डे टू यू।' पापा, मम्मी ने भी साथ दिया उसका। फिर अंतरिक्ष ने हलवा केक काटा और घर को खिलाने आगे बढ़ा । तो मम्मी ने उसे रोका, 'नो अंतरिक्ष, दीवार पर कुछ मत लगाओ।गंदी हो जाएगी।'

'तो फिर घर केक कैसे खाएगा।' अंतरिक्ष ने

'कैसे खाएगा घर?' पापा ने मम्मी से पूछा। 'ऐसा करते हैं अंतरिक्ष, घर का एक सुंदर इलस्ट्रेशन बनाओ। उसी को खिला देंगे तो घर खा

लेगा।' मम्मी ने उसे फुसलाया। 'नो, वह भूखा रहेगा। इलस्ट्रेशन कुछ नहीं खा सकता, पानी भी नहीं पी सकता, यह आपने ही तो बताया था उस दिन।'

मम्मी को याद आया कि एक दिन जब अंतरिक्ष ने चिड़िया बनाई थी और उसे पानी पिलाने की कोशिश जाने के बाद पापा ने दीवार साफ जो कर दी थी।

कर रहा था तो उन्होंने ही कहा था कि चित्र कुछ नहीं खा-पी सकते।

'कोई बात नहीं, करने दो न उसे। दीवार को कल साफ कर देंगे।' पापा ने पास जाकर मम्मी को धीरे से समझाया तो मम्मी ने भी हां कर दी। अंतरिक्ष ने दीवार पर हलवा चिपकाया फिर पूछा, 'टेस्टी है न।' 'घर तो बताएगा ही पहले तुम खाँकर बताओ।' मम्मी की बात सुनकर अंतरिक्ष ने खाया और हां में सिर हिलाया। फिर चम्मच से खाने लगा। वह बार-बार हलवा लगी दीवार को देखता जाता कि घर ने

घर के हैप्पी बर्थडे के बहाने उन्होंने अंतरिक्ष को हलवा खिला दिया था। उसे हलवा बिल्कुल पसंद नहीं था। हो सकता है कि हलवे को हलवा केक

नहीं था। अंतरिक्ष को नहीं पता था कि उसके सो

अभी हलवा खाया है कि नहीं।

कहने से वह आगे भी खाने लगे।

जैसे सपने में भी वह अपने घर से बातचीत कर रहा हो। उसका जन्मदिन मना रहा हो। दूर बैठे दादा– दादी ने जब घर के जन्मदिन मनाने के वीडियो को देखा तो वे बहुत खुश हुए। अगले दिन जब अंतरिक्ष सोकर उठा तो दौड़ते हुए मम्मी के पास गया, 'मम्मा देखो, घर ने हलवा केक खा लिया।' उसने दीवार की तरफ इशारा किया। वहां हलवे का नामोनिशान

### गुब्बारों के बारे में मजेदार बातें

गुब्बारे का अविष्कार साल 1824 में महान वैज्ञानिक प्रोफेसर माइकल फैराडे ने किया था।

ज्यादातर पार्टी में इस्तेमाल होने वाले गुब्बारे रबड़ के पेड़ों से मिलने वाले लेक्स से बनते हैं। इनमें सामान्य हवा या हीलियम जैसी कोई गैस भरी जाती है।

लेटेक्स से बने गुब्बारे पूरी तरह से ईको प्रेंडली होते हैं। इन्हें बनाने के लिए पेड़ों को काटा नहीं जाता। लेटेक्स को पेड के तने से इकट्ठा किया जाता है। इससे पेड़ को कोई नुकसान नहीं होता। रबड़ के पेड़ आम तौर

पर वर्षा वनों में उगते हैं। रबड़ का एक पेड़ तकरीबन ४० साल तक लेटेक्स का उत्पादन कर सकता है।

एक बार हवा भरकर फुलाए जाने के बाद गुब्बारे अपना वास्तविक आकार एक हफ्ते तक बनाए रख

गुब्बारा अचानक फटने पर उसकी तेज आवाज से डरने वाले तुम अकेले नहीं हो । इससे ज्यादातर लोग डरते हैं। जैसे ही गुब्बारे में कोई छेद होता है, वैसे ही उसके अंदर भरी हवा

एक झटके के साथ बाहर यानी कम दबाव वाले क्षेत्र की तरफ निकलती है, जिससे यह आवाज आती है। हीलियम से बने गुब्बारे हवा में तैरते हैं, क्योंकि हीलियम हवा से कहीं ज्यादा हल्की होती है।

मम्मी और पापा आज बहुत खुश भी हो रहे थे।

उस रात सोते हुए भी अंतरिक्ष मुस्करा रहा था,

### कुत्ते की तरह भौंकती है यह

# गिलहरी

तुम सोच रहे होगे कि दिखने में तो यह गिलहरी जैसी है, फिर इसका नाम प्रैरी डॉग क्यों है ? वो इसलिए, क्योंकि प्रैरी डॉग कुत्ते की तरह भौंक सकते हैं। किसी खतरे का अंदेशा होने पर ये भौंकना शुरू कर देते हैं, जिससे उनके दूसरे साथी सतर्क हो जाते हैं। उत्तरी अमेरिका के घास के मौदानों के नीचे सुरंग बनाकर रहने वाले इन जीवों को पारिवारिक जीव कहना गलत नहीं होगा। जानते हो क्यों क्योंकि प्रैरी डॉग समूह में रहते हैं, एक दूसरे के साथ खाना बांटकर खाते हैं, एक दूसरे की साफ–सफाई करते हैं और जब एक–दूसरे से मिलते हैं तो नाक से नाक मिलाकर एक दूसरे का अभिवादन करते हैं, जैसे तुम अपने दोस्तों से मिलने पर हैंडशेक करते हो, बिल्कुल वैसे ही।

यह दुनिया का सबसे छोटा पक्षी है । 25 से 3 इंच की लम्बाई वाले इस पक्षी की दुनिया में लगभग 328 प्रजातियां हैं । हिमंग बर्ड दुनिया में इकलौता ऐसा पक्षी है, जो सीधी–उल्टी, दाएं– बाएं किसी भी दिशा में उड़ सकता है। एक सेकंड में 100 बार अपने पंख फड़फड़ाने वाली यह पक्षी 25-30 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकता है।ये अपनी जिंदगी का 15 फीसदी समय खाना खाने में बिताते हैं और एक दिन में करीब 1000-१५०० फूलों का रस पीते हैं।

नेकेड मोल रैट

यह पूर्वी अफ्रीका के मरुस्थल में जमीन के नीचे रहने वाला एक जीव है, जिसे मरुस्थलीय पपी भी कहते हैं, जो देखने में चूहे या छछूंदर की तरह होता है। नेकेड मोल रैट की खास बात यह है कि इसकी आंखों की रोशनी बहुत कम होती है, फिर भी यह रात के अंधेरे में जितनी तेजी से सीधी दिशा में दौड़ सकता है, उतनी ही तेजी से उलटी दिशा में भी दौड सकता है।

तुम्हें भी किसी चीज की आवाज की नकल उतारना पसंद होगा, पर कोई और भी है, जिसे ऐसा करना पसंद है। वह है ऑस्ट्रेलिया की लायरबर्ड। यह पक्षी की एक ऐसी प्रजाति है, जो आवाजों की मिमिक्री करती है। यह अन्य पक्षियों के गाने की आवाजों के साथ–साथ कैमरे के शटर, वाद्य यंत्र, कार का अलार्म, खिलौने वाली बंदूक की आवाजों के अलावा निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाले औजारों की आवाज की भी हूबहू नकल उतार सकती है।

बैसलिस्क लिजर्ड

बैसलिस्क अमेरिका में पायी जाने वाली छिपकली/गिरगिट की एक प्रजाति है। लम्बी पूंछ व पीठ पर उभरी हुई जिगजैग किनारी वाली इस लिजर्ड की खासियत है कि यह पानी पर चलती है। खतरे से बचने के लिए यह लिजर्ड अपने पिछले पैरों व पूंछ की सहायता से पानी के ऊपर लगभग 5 फुट प्रति सेकंड की रफ्तार से दौड़ सकती है । और शायद इसीलिए ही इसे 'जीसस क्राइस्ट लिजर्ड' भी कहते हैं। लगभग 15 से 20 फूट तक पानी के ऊपर चलने की क्षमता रखने वाली यह बैसलिस्क लिजर्ड करीब 30 मिनट तक लगातार पानी के अंदर भी रह सकती है। है न यह एक कमाल की छिपकली!

हिसिंग कॉक्रोच

तुमने सांप के अलावा किसी कीड़े को हिस्स की आवाज निकालते हुए सुना है ? मेडागास्कर में कॉक्रोच की एक ऐसी प्रजाति रहती है, जो डंक नहीं मारती, बल्कि हिस्स करती है, इसलिए इन्हें हिसिंग कॉक्रोच कहते हैं। यह कॉक्रोच की सबसे लम्बी प्रजाति है। लगभग २ से ४ इंच तक लम्बे इन कॉक्रोच के पंख नहीं होते। वर्षा वनों में पोषक तत्वों की पुनरावृत्ति के लिए ये उपयोगी माने जाते हैं।

# क्या आप भी सर्दी में ठंडे पानी से नहाते हैं?

सर्दी का मौसम आते ही लोग अपने दिनचर्या में बदलाव करते हैं।रजाई में लिपटकर सोना, गर्म कपडे पहनना और गर्म पानी से नहाना आदत बन जाती है। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो सर्दी में भी ठंडे पानी से नहाना पसंद करते हैं, यह सोचकर कि इससे शरीर में ताजगी और ऊर्जा बनी रहती है। हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि सर्दियों में ठंडे पानी से नहाना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है, और यह हार्ट अटैक जैसे गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है।

ठंडे पानी से नहाने से दिल पर असर

ठंड के मौसम में जब तापमान गिरता है, तो शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ठंड के प्रभाव में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे शरीर में रक्त प्रवाह कम हो जाता है और दिल को ऑक्सीजन की आपूर्ति भी कम हो जाती है। अगर किसी व्यक्ति की धमनियां पहले से संकरी हैं, तो ठंड के कारण वे और ज्यादा सिकुड़ सकती हैं, जिससे रक्त प्रवाह और भी धीमा हो जाता है। इस स्थिति में हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

क्यों बढ़ जाता है सर्दियों में हार्ट अटैक का खतरा?

अटैक का खतरा ३१त बढ़ जाता है। इसका कारण यह है कि ठंड में शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। यह समस्या खासतौर पर उन लोगों के लिए ज्यादा जोखिम भरी हो सकती है, जो पहले से ही किसी दिल की बीमारी से पीड़ित हैं। ठंड में जब शरीर पर ठंडा पानी अचानक पड़ता है, तो रक्त वाहिकाएं और धमनियां सिकुड़ने लगती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

ठंडे पानी से नहाने का प्रभाव

ठंडे पानी से नहाने से शरीर पर कई तरह के प्रभाव

ब्लंड प्रेशर में वृद्धि- ठंडे पानी से नहाने से रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह धीमा हो जाता है और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है ।

दिल पर अतिरिक्त दबाव- जब रक्त वाहिकाएं सिकुड़ती हैं, तो दिल को रक्त पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे दिल पर अतिरिक्त दबाव पडता है।

हार्ट अटैक का खतरा- अगर धमनियों में पहले से ही कोई रुकावट या संकुचन है, तो ठंडे पानी से नहाने

एक अध्ययन के मुताबिक, सर्दी के मौसम में हार्ट पर वे और ज्यादा सिकुड़ सकती हैं, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है।

ब्रेन स्ट्रोक-अगर रक्त प्रवाह मस्तिष्क तक सही से नहीं पहुंचता, तो ब्रेन स्ट्रोक की समस्या भी हो सकती

किसे बचना चाहिए ठंडे पानी से नहाने से?

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि ठंडे पानी से नहाना उन लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है, जो पहले से किसी दिल की बीमारी, हाई ब्लंड प्रेशर, डायबिटीज या ब्रेन स्ट्रोक जैसी समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे लोगों को ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए। इसके अलावा, बुजुर्गों और बच्चों को भी ठंडे पानी से नहाने से दूर रहना चाहिए, क्योंकि उनकी शरीर की

सुरक्षा प्रणाली उतनी मजबूत नहीं होती। क्या करें, ताकि सेहत बनी रहे?

गर्म पानी से नहाना- सर्दी में हमेशा गर्म पानी से ही नहाएं, इससे शरीर को आराम मिलेगा और दिल पर दबाव नहीं पडेगा।

मध्यम तापमान बनाए रखें- अगर ठंडे पानी से नहाना पसंद है, तो पानी का तापमान थोड़ा सा ठंडा न रखें, बि्क गर्मी और ठंडे पानी का संतुलन बनाकर



गर्म रखने के लिए स्वस्थ आहार लें और नियमित व्यायाम करें। यह दिल को स्वस्थ रखने में मदद

सर्दी में ठंडे पानी से नहाना ताजगी का अहसास जरूर कराता है, लेकिन यह शरीर पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, खासकर दिल पर । ठंडे पानी से नहाने

नहाएं। स्वस्थ आहार और व्यायाम- ठंड में शरीर को से रक्त वाहिकाओं के सिकुड़ने और ब्लड प्रेशर के बढ़ने का खतरा होता है, जो हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए, सर्दी में अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए, खासकर अगर आपको दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं वतंत्रता पाने के तीन चौथाई

# सशक्त भारत के लिए सुशासन की आवश्यकता

### खेल जगत के लिए ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रहा २०२४

2024 का वर्ष खेल जगत के लिए कई मायनों में अद्वितीय, ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रहा। यह वर्ष न केवल नई उपलब्धियों और नए रिकॉर्ड का गवाह बना, बल्कि कई युवा खिलाड़ियों के उदय के अलावा खेल में नई तकनीकों के समावेश का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। खेल संस्कृति में बदलाव और तकनीकी उन्नित के कारण खेलों के अनुभव को नई ऊंचाइयां मिलीं। वर्ष 2024 भारतीय खेलों में क्रिकेट, ओलिंपिक, पैरालिंपिक, शतरंज ओलिंपियाड और फिडे विश्व चैंपियनशिप में सफलता के लिए याद किया जाएगा। भारतीय एथलीटों ने इस वर्ष विभिन्न अंतरराष्ट्रीय टनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन किया। वॉलीबॉल और टेबल टेनिस जैसे खेलों में भी भारतीय खिलाडियों ने अपनी मौजदगी दर्ज कराई। क्रिकेट से लेकर टेनिस, हॉकी, शतरंज के अलावा भारत ने पेरिस ओलिंपिक और पैरालिंपिक में भी अपना लोहा मनवाया। भारत का इन खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन रहा, जिससे समस्त देशवासी गौरवान्वित हुए। भारत में आयोजित एशियाई खेल और विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप ने वैश्विक स्तर पर भारत को एक प्रभावशाली खेल मेजबान के रूप में स्थापित किया। एक क्रिकेट विश्व कप, 6 ओलिंपिक पदक, 29 पैरालिंपिक पदक और दो शतरंज विश्व चैंपियनशिप सहित 2024 ने भारतीय खेल प्रशंसकों को जश्न मनाने के कई ऐसे अवसर प्रदान किए, जिससे खेलों की दुनिया में भारत का भविष्य उज्जवल नजर आता है। 2024 में खेलों में तकनीकी उन्नति ने निर्णायक भूमिका निभाई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वर्चुअल रियलिटी ने खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और प्रदर्शन विश्लेषण को नई दिशा प्रदान की। इसके अलावा दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) तकनीक का उपयोग किया गया। विश्वनाथन आनंद के बाद इस वर्ष शतरंज के नए चैंपियन उभरकर दुनिया के सामने आए और शतरंज ने खेल प्रेमियों को जश्न मनाने का भरपूर मौका दिया। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में 45वें चेस ओलिंपियाड का आयोजन हुआ था, जिसमें पुरुष वर्ग में 195 देशों की 197 टीमों और महिला वर्ग में 181 देशों की 183 टीमों ने हिस्सा लिया था। भारत की पुरुष और महिला दोनों ही टीमों ने सितंबर में इस ओलिंपियाड में पहली बार स्वर्ण पदक जीते, वहीं डी गुकेश और कोनेरू हम्पी ने दिसंबर में विश्व खिताब के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ। 12 दिसंबर को सिंगापुर में आयोजित विश्व शतरंज चैंपियनशिप में गुकेश ने महज 18 वर्ष की आयु में पिछली बार के शतरंज चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनकर नया इतिहास रचा। वह विश्वनाथन आनंद के बाद वैश्विक खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बने, वहीं 37 वषीर्या हम्पी ने 28 दिसंबर को अपने कैरियर में दूसरी बार महिलाओं का रैपिड विश्व खिताब जीता। पिछले साल भारत वनडे विश्व कप 2023 का खिताब जीतने से चुक गया था लेकिन इस वर्ष आईसीसी ट्रॉफी जीतने का 11 वर्ष का सूखा समाप्त करने में भारत सफल हुआ। आखिरी बार महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में भारत ने 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी। रोहित शर्मा की कप्तानी में 30 जून 2024 को भारतीय टीम ने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर टी-20 विश्व कप का खिताब जीता। इसी प्रकार भारतीय हॉकी टीम ने पांचवीं बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। भारत की ओर से जुगराज सिंह ने गोल दागा था, जिसकी बदौलत भारतीय टीम ने चीन को 1-0 से मात देते हुए यह खिताब अपने नाम किया। टेनिस में रोहन बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में इटली के सिमोन बोलेली और वावसोरी को मात देकर मेंस डबल्स का खिताब जीता और ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी बने। उन्होंने 43 वर्ष की उम्र में यह खिताब अपने नाम किया। जहां तक ओलिंपिक और पैरालिंपिक में भारत के प्रदर्शन की बात है तो पूरी उम्मीद थी कि भारत इस वर्ष पेरिस में ओलिंपिक में नया इतिहास लिखेगा, लेकिन 206 देशों के बीच भारत 71वें स्थान पर रहा और भारत का अभियान 1 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 6 पदकों के साथ समाप्त हो गया, जबिक टोक्यो ओलिंपिक में 1 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य सहित 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। महिला पहलवान विनेश फोगाट का 100 ग्राम वजन अधिक होने का मामला भारत की पदक उम्मीदों पर सबसे ज्यादा भारी पड़ा था, क्योंकि उनके स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीदें लगभग पक्की हो चुकी थीं। पेरिस ओलिंपिक में भारत भले ही टोक्यो ओलिंपिक के रिकॉर्ड को नहीं तोड़ सका लेकिन परुष हॉकी टीम का लगातार दसरी बार पदक जीतना भारत के बेहद महत्वपूर्ण रहा। निशानेबाज मनु भाकर ने तो एक ही ओलिंपिक में दो पदक जीतकर सनसनी मचा दी। वह एक ही ओलिंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बनी। टोक्यो ओलिंपिक के गोल्डेन ब्वॉय नीरज चोपड़ा से स्वर्ण पदक जीतने की सबसे ज्यादा उम्मीदें थीं, लेकिन वह रजत पदक ही हासिल कर सके। उनके अलावा शटिंग में सरबजोत सिंह, स्विप्नल कसाले. कश्ती में अमन सहरावत और परुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलिंपिक में पदक जीते। पेरिस ओलिंपिक के बाद पैरालंपिक खेलों का महाकुंभ तो भारत के लिए अविस्मरणीय बन गया। दरअसल पहली बार हमारे पैरा खिलाड़ी कीर्तिमानों, उपलब्धियों और पदकों का अभतपर्व अध्याय रचने में सफल हुए। दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने दिव्यता के साथ जो सफलताएं अर्जित की, वह तमाम लोगों के लिए मिसाल बनी। पेरिस पैरालिंपिक में भारत ने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक सहित कुल 29 पदक जीते और पदक तालिका में भारत 18वें स्थान पर रहा। इससे पहले टोक्यो पैरालिंपिक में 2020 में भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण सहित कुल 19 पदक हासिल किए थे। पेरिस में 17वें पैरालिंपिक में 22 खेलों की कुल 549 प्रतिस्पधाओं में दुनियाभर से 4463 दिव्यांग खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जबिक भारत के पैरा खिलाड़ियों ने इनमें से केवल 12 खेलों के 84 मुकाबलों में भाग लिया था और 29 पदक जीतकर अब तक का सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए साबित कर दिखाया कि वे दिव्यांग, आधे-अध्रे और असहाय भले ही हैं लेकिन उनके भीतर हौंसलों की कोई कमी नहीं है। पेरिस पैरालिंपिक खेलों में अवनी लेखरा, सुमित अंतिल, मरियप्पन थंगावेलु, शीतल देवी, नितेश कुमार, प्रवीण कुमार, नवदीप सिंह, हरविंदर सिंह, धरमबीर जैसे पैरा खिलाड़ी अपने यादगार प्रदर्शन

## ANALYSIS



🗷 गिरीश्वर मिश्र

देश डिजिटल साक्षरता, बुनियादी ढांचे और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करके तकनीकी सेवाओं ई-व्यापार, कृत्रिम मेधा और डेटा विज्ञान में वैश्वक नेता बनने का लक्ष्य बना रहा है। उभरती प्रवृत्तियों को देखते हुए यह लग रहा है कि मेक इन इंडिया पहल के तहत अपने विनिर्माण क्षेत्र को बढावा देने के लिए भारत का प्रयास आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। बदलते परिवेश में, भारत विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स, मोटर गाड़ी (आटोमोटिव) और औषधीय (फार्मास्युटिकल) क्षेत्रों में एक वैश्वक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर सकता है। दरअसल औद्योगिकीकरण और स्थिरता के बीच संतुलन बनाने की हमारी क्षमता ही आर्थिक मामलों में हमारी प्रगति को निश्चित करेगी। देश का लक्ष्य अक्षय ऊर्जा, विशेष रूप से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्वक नेता बनना है, क्योंकि यह हरित प्रौद्योगिकियों और टिकाऊ व्यवस्थाओं के अनुकूल है। आज भारत कृत्रिम बुद्धि (एआई) और डेटा एनालिटिक्स से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण तक कई तकनीकी क्रांतियों में अग्रणी रहने

सदी बीतने के बाद आज भारत संभावनाओं का एक आकर्षक परिदृश्य प्रस्तुत करता है, जो अपनी अनुठी चुनौतियों और अपार अवसरों दोनों की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करता है। आज के साथ, भारत अपने इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। आगे के समय में भारत की आर्थिक प्रगति वर्तमान सुधारों, तकनीकी प्रगति और जनसांख्यिकीय बदलावों से काफी प्रभावित होगी। ऐसा अनुमान है कि 2025 तक भारत अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जो मुख्यतः एक बड़े आकार वाले युवा कार्यबल, बढ़ते मध्यम वर्ग और घरेलू खपत से प्रेरित है। यहां यह ध्यान रखने की बात है कि भारत केवल विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास चाहता है, जो लाखों लोगों को गरीबी और असमानता से मक्ति दिला सके। डिजिटल इंडिया जैसी पहलों और फिनटेक के संतोषदायी अनभव से प्रोत्साहित होकर भारत का डिजिटल अर्थव्यवस्था में परिवर्तन, नए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है और नवाचार को बढ़ावा दे सकता है। देश डिजिटल साक्षरता, बुनियादी ढांचे और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करके तकनीकी सेवाओं, ई-व्यापार, कृत्रिम मेधा और डेटा विज्ञान में वैश्विक नेता बनने का लक्ष्य बना रहा है। उभरती प्रवृत्तियों को देखते हुए यह लग रहा है कि मेक इन इंडिया पहल के तहत अपने विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत का प्रयास आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में औद्योगिकीकरण और स्थिरता के बीच संतुलन बनाने की हमारी क्षमता ही आर्थिक मामलों में हमारी प्रगति को निश्चित करेगी। देश का सौर ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनना है, क्योंकि यह हरित व्यवस्थाओं के अनुकूल है। आज भारत कृत्रिम बुद्धि (एआई) और डेटा एनालिटिक्स से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण तक कई तकनीकी क्रांतियों में अग्रणी रहने की स्थिति में है। भारत का तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2025 तक देश एआई, मशीन लर्निंग और ऑटोमेशन तकनीकों का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इससे किष और स्वास्थ्य सेवा से लेकर शहरी नियोजन और शिक्षा आदि को लाभ पहुंचेगा। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा पा रही है। मिशन

और संभावित चंद्र और मंगल

मिशन भारत को वैश्विक अंतरिक्ष

अन्वेषण के क्षेत्र में अग्रणी बना

सकते हैं। भारत का स्टार्टअप

रहा है और यह उत्तरी अमेरिका के अलावा किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक यूनिकॉर्न (1 बिलियन डॉलर से अधिक मुल्य की कंपनियां) पैदा करने वाला देश हो सकता है। यह भारत को वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक है। परंतु, देश की प्रगति सिर्फ आर्थिक विकास पर ही निर्भर नहीं है, उसके लिए सामाजिक समावेशन, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और लैंगिक समानता भी जरूरी है। भारत ने अपनी शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जिससे यह अधिक समावेशी और सुलभ बन सके। कक्षाओं में प्रौद्योगिकी का अधिक एकीकरण हो सकता है, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। उच्च शिक्षा और अनसंधान पर भारत का जोर विश्वस्तरीय संस्थानों का निर्माण कर सकता है, जो वैश्विक छात्रों को आकर्षित कर सकते हैं। इसी तरह टेलीमेडिसिन, निदान (डायग्नोस्टिक्स) और स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में प्रगति के साथ भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की सुलभता और कुशलता

स्वास्थ्य असमानताओं को कम कर सकती है और नई चिकित्सा प्रौद्योगिकियों का विकास स्वास्थ्य सेवा उपायों के मामले में बदलाव ला सकता है। लैंगिक समानता और सशक्तीकरण को बढाने के लिए अभियान चल रहा है, जिसके अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। आशा करते हैं कि भारत में कार्यबल, राजनीति और नेतृत्व के पदों पर महिलाओं की प्रतिभागिता बढ़ेगी। शिक्षा, सुरक्षा और समान अधिकारों के लिए प्रयास निश्चित रूप से एक अधिक समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे। गरीबी और असमानता को कम करना भारत की प्राथमिकता बनी रहेगी। आवास, पानी, स्वच्छता और बिजली जैसी बनियादी सेवाओं तक पहुंच का विस्तार करके वंचितों के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है, जिससे लाखों लोग गरीबी से बाहर आ सकेंगे। पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु विषयक कार्रवाई आर्थिक विकास और जीवन की गुणवत्ता दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। भारत का लक्ष्य सौर, पवन

नवीकरणीय ऊर्जा में वैश्विक नेतृत्व देना है। देश अपनी ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा नवीकरणीय स्रोतों से उत्पन्न कर सकता है, जिससे उसका कार्बन फुटप्रिंट और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो जाएगी। आज भारत जल की कमी की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है और जल संरक्षण, पुनर्चक्रण और प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना होगा। कुशल सिंचाई और जल वितरण के लिए प्रौद्योगिकी, साथ ही बेहतर नीतियों से इन चुनौतियों का समाधान करने में मदद मिल सकती है। भारत में जैव विविधता बहुत समृद्ध है और वन्यजीवों, वनों और पारिस्थितिकी तंत्रों की सुरक्षा के लिए प्रयास बढ़ाने होंगे । राष्ट्रीय उद्यानों, संरक्षित क्षेत्रों और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के विस्तार से पर्यावरण की सुरक्षा में मदद मिल सकती है। बदलते भू-राजनीतिक माहौल में वैश्विक मामलों में भारत की प्रमुख भूमिका होगी तथा एशिया में अपनी रणनीतिक स्थिति का लाभ मिल सकता है। भारत का कुटनीतिक प्रभाव बढ़ता रहेगा, खासकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में। क्वाड (अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ) के सदस्य के रूप में भारत खुद को चीन की बढ़ती ताकत के लिए एक प्रमुख प्रतिसंतुलन के रूप में स्थापित कर रहा है। सांस्कृतिक कूटनीति, मीडिया और बॉलीवुड के माध्यम से देश की बढ़ती सॉफ्ट पावर इसकी वैश्विक स्थिति को और मजबत कर सकती है। उन्नत प्रौद्योगिकी स्वदेशी रक्षा उत्पादन में वृद्धि और वैश्विक सहयोगियों के साथ बढ़े हुए सहयोग द्वारा भारत की रक्षा क्षमताएं सुदृढ़ हो सकेंगी।

(लेखक महात्मा गांधी अंतररष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व

# लोकतंत्र को और बेहतर बनाने के लिए सार्थक विमर्श की जरुरत

75वीं वर्षगांठ मना रहा प्रौढता की अपेक्षा है कि हमारा लोकतंत्र भी उसी के अनुरूप में एक विरोधाभास दिखता है। पश्चिमी विद्वानों की शंकाओं के विपरीत जनता की लोकतांत्रिक आस्थाएं तो दृढ़ बनी हुई हैं, लेकिन लोकतंत्र के संवाहक राजनीतिक दलों और नेताओं को अभी उन लोकतांत्रिक आस्थाओं से समरस होना है। परिणामस्वरूप लोकतंत्र को अनेक विसंगतियों ने जकड लिया है। नए वर्ष में स्वयं को बेहतर बनाने हेतु हम व्यक्तिगत संकल्प लेते हैं, लेकिन अपने लोकतंत्र को और बेहतर बनाने हेतु हमें सामृहिक संकल्प लेना है। हमें नई राजनीति की ओर कदम बढाना है। संविधान सभा में 25 नवंबर 1949 को अपने अंतिम भाषण में संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ.अंबेडकर ने इस अंतर्विरोध की ओर इंगित करते हुए

विविधता और विरोध का स्थान है, लेकिन विद्वेष का नहीं। लोकतंत्र विविध विचारधाराओं के आधार नेताओं को मान्यता देता है। गांधीजी के नेतत्व में हमें स्वतंत्रता मिली, लेकिन सुभाष चंद्र बोस और उनके नेतृत्व में संघर्ष करने वालों तथा अन्य बलिदानियों के योगदान को कमतर तो नहीं आंका जा सकता। कांग्रेसी विचारधारा को प्रारंभिक राजनीतिक स्पर्धा में लाभ मिला। वामपंथी और दक्षिणपंथी विचारधाराएं उपेक्षित हो गईं, लेकिन उससे उनका महत्व नहीं घटा। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के वामपंथी रुझान के कारण कांग्रेस वामपंथ की ओर झुकी, लेकिन फिर देश ने कांग्रेस और वामपंथ दोनों को दरिकनार कर

बदलते परिवेश में, भारत विशेष

रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स, मोटर गाड़ी

परिपक्व लोकतांत्रिक राजनीति का तकाजा है। आज राजनीतिक स्पर्धा में विचारधाराओं की जगह जातीय लोकतांत्रिक संस्कृति को विकृत कर रही हैं, जो सामाजिक समरसता को भी दुष्प्रभावित करती विकासह्न अस्मिताओं की पकड-जकड को दरिकनार कर समाज को जातीय राजनीति से वर्गीय राजनीति की ओर उन्मुख किया। इससे भारतीय लोकतंत्र समावेशी राजनीति की ओर बढ़ा है। इसका लाभ उन्हें मिला और लगातार तीसरी बार सरकार बना कर उन्होंने इतिहास रच दिया। भाजपा की दक्षिणपंथी विचारधारा से किसी का विरोध पूर्णतः संविधानसम्मत है, पर संविधान मोदी या भाजपा से विद्वेष को मान्यता नहीं देता। नए वर्ष में इस मर्म को सभी राजनीतिज्ञों को समझना होगा। भारतीय राजनीति में

प्रायः हिंदू-मुस्लिम द्वैधता की चर्चा होती है। दल एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते हैं। जो दल और नेता दसरे दलों और उनके नेताओं पर धार्मिक ध्रुवीकरण का आरोप लगाते हैं, वे स्वयं भी धार्मिक आधार पर राजनीतिक समर्थन की मांग करते दिखते हैं। हिंदू-मुस्लिम के आधार पर देश विभाजन की सकती। इसी के साथ इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि समाज में समरस होने देने के बजाय उन्हें अल्पसंख्यक के रूप में उनसे काट दिया और राजनीतिक लाभ के लिए उनके तुष्टीकरण की नीति अपनाई। इससे मुसलमानों और कांग्रेस दोनों को नुकसान हुआ। कांग्रेस की इस नीति से अधिकतर मुसलमान हिंदुओं को अपना विरोधी समझने लगे, जबकि कांग्रेस और अन्य ऐसे राजनीतिक दलों में हिंदू ही हैं। यह ध्यान रहे कि तष्टीकरण की नीति से कभी भी किसी पक्ष को पूर्णतः संतुष्ट नहीं किया जा सकता।

उसकी मांग सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती ही जाती है, जिसे न पूरा करने पर दल और राजनीतिज्ञ उनका विश्वास खोते हैं। यह स्थिति समाज में धार्मिक ध्रुवीकरण को भी जन्म देती है। एक समय था, जब हिंदू-मुस्लिम सौहार्द एक वास्तविकता थी। आज अपवादों को छोड़कर वह सामाजिक सौहार्द दिखाई नहीं देता। दोनों एक दूसरे से कट गए हैं। यह एक दुखद सच्चाई है। इसका सामना और समाधान करना ही होगा। आज हमारे लोकतंत्र पर अपराधियों और धनाढयों का आधिपत्य हो गया है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर प्रत्याशियों का हलफनामा देखने पर हैरत होती है कि किस सामाजिक प्रोफाइल के लोग जनता के प्रतिनिधि होने के दावेदार हैं और वह भी बड़े राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के रूप में। क्या यह चौंकाने वाली बात नहीं है कि वर्तमान लोकसभा में 95 प्रतिशत सांसद करोडपति हैं और 251 सदस्यों पर अपराधिक मुकदमे चल रहे हैं। क्या राजनीतिक दल भूल

गरीब आम आदमी भी रहते हैं. अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हो सकती हैं। क्या कभी उन्हें भी मौका मिलेगा। क्या नए वर्ष में राजनीतिक दल यह संकल्प लेंगे कि अपराधियों और धनाढ्यों की जगह आम और योग्य लोगों को राजनीति में प्राथमिकता इसका एक कारण यह है कि राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र का नितांत अभाव है और अधिकतर दल सामंतवादी संस्कृति से चल रहे हैं। यह भी एक तथ्य है कि आज विभिन्न राष्ट्रीय और प्रांतीय दलों में पारस्परिक संवाद और सद्भाव का अभाव है। इससे लोकतंत्र को और बेहतर बनाने के लिए उनमें कोई पारस्परिक विमर्श नहीं हो पा रहा है। इसके स्थान पर केवल एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने तथा विचार, भाषा और व्यवहार के निम्नतर स्तर को प्रदर्शित करने की जैसे स्पर्धा हो

### Social Media Corner

सच के हक में.

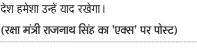
डॉ. राजगोपाला चिदम्बरम के निधन से गहरा दुख हुआ। वह भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे और उन्होंने भारत की वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत करने में अभूतपूर्व योगदान दिया। पूरा देश उन्हें 丿 कृतज्ञतापूर्वक याद करेगा और उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे।



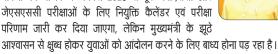
(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

के कारण नए नायक बनकर उभरे।

समाज के दुर्बल वर्गों और महिलाओं के उत्थान और कल्याण के लिए आजीवन काम करने वाली सावित्रीबाई फुले जी की जयंती पर मैं उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनके प्रयासों और योगदान के लिए यह देश हमेशा उन्हें याद रखेगा।



जेपीएससी अध्यक्ष का पद पिछले साल के अगस्त महीने से रिक्त है। अध्यक्ष नहीं रहने से परीक्षाओं का रिजल्ट अटका हुआ है। हजारों छात्रों का भविष्य अधर में है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घोषणा की थी कि 1 जनवरी 2025 से पूर्व जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं के लिए नियुक्ति कैलेंडर एवं परीक्षा



(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)



ह स्वागतयोग्य है कि शिक्षा का अधिकार कानून 2009 की एक बड़ी विसंगति को केंद्र सरकार ने दूर कर दिया। अब नए सत्र से पांचवीं और आठवीं कक्षा की परीक्षा पास करने वाले छात्र ही अगली कक्षाओं में जा सकेंगे। वर्ष 2010 से पूरे देश में आठवीं तक की कक्षाओं को पास-फेल के नियम से मुक्त कर दिया गया था। ऐसा इस सीमित तर्क की आड़ में किया गया था कि फेल होने से बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं, उनका मनोबल गिर जाता है और तनाव में आ जाते हैं। इसलिए बिना परीक्षा के ही उन्हें अगली कक्षा में प्रमोट किया जा रहा था। यह ठीक है कि शिक्षा का अर्थ केवल परीक्षा नहीं है और परीक्षा के तनाव से छात्रों को मुक्त भी रखा जाना चाहिए, लेकिन इस नियम ने स्कूली शिक्षा को तो नुकसान पहुंचाया ही, कालेज शिक्षा को भी बर्बाद कर दिया। इसका सबसे बुरा असर देश भर के सरकारी स्कूलों पर हुआ। ज्यादातर सरकारी स्कूलों में उन गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं, जिनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति अच्छी नहीं होती। उनके पास अपने बच्चों की शिक्षा की तरफ ध्यान देने के लिए न वक्त होता है, न सामर्थ्य। कोई बच्चा घर से तो स्कूल चला गया, लेकिन वह वास्तव में स्कूल में गया या नहीं या उसने क्या पढ़ाई की, इसकी जानकारी तभी मिलेगी, जब वह परीक्षा देने के बाद पास या फेल

होगा। आठवीं तक फेल न करने की नीति के

चलते बच्चे अगली कक्षा में तो पहंच जा रहे थे. लेकिन उनमें से कइयों को आता-जाता कुछ भी नहीं था। इससे अगली कक्षा के शिक्षकों के सामने भी कई समस्याएं खड़ी होने लगी थीं। नतीजतन स्कुली शिक्षा में और भी गिरावट आती गई। पिछले एक दशक से प्रथम और इस जैसी दूसरी संस्थाओं के सर्वे बार-बार यह रेखांकित कर रहे थे कि आठवीं के बच्चे को चौथी क्लास का गणित नहीं आता या पांचवीं का बच्चा दूसरी क्लास की हिंदी की किताब भी नहीं पढ़ सकता। ऐसी रपटें आने के बाद दो-चार दिन तो शिक्षा व्यवस्था पर कुछ प्रश्न उठते, लेकिन उसमें सुधार के बारे में कभी गंभीरता से नहीं सोचा जाता। ऐसे में निजी स्कूल सरकारी स्कूलों के मुकाबले और आगे बढ़ते चले जा रहे थे। जिन सलाहकारों ने बच्चों को स्कूल न छोड़ने देने के लिए फेल न करने का आसान रास्ता अपनाया, उन्होंने ऐसा कोई सुझाव नहीं दिया, जिससे इस समस्या को दूर किया जा सकता। जब यही बच्चे नौवीं-दसवीं में कई-कई बार अवसर देने के बावजूद भी फेल होते गए तो मजबूर होकर राज्य सरकारों ने केंद्र से गुहार लगाई कि फेल न करने की नीति तुरंत समाप्त की जाए, क्योंकि इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर और बिगड़ जाएगा। 2016 में केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड ने राज्यों की बात पर ध्यान देते हुए इस नीति को बदलने की सलाह केंद्र सरकार को दी। 2019 में केंद्र सरकार ने राज्यों की सहमति से यह संशोधन तो कर दिया कि परीक्षा के बाद ही बच्चों को अगली कक्षाओं में प्रमोट किया जाएगा, लेकिन इसे लागू करने के बारे में राज्यों के ऊपर छोड़ दिया। चूंकि शिक्षा का अधिकार समवर्ती सूची का कानून है, इसलिए बिना दो तिहाई राज्य सरकारों की सहमति के यह संभव नहीं था। दिल्ली, असम, बिहार, गुजरात, हिमाचल समेत 16 राज्यों ने इसे बदल दिया, लेकिन कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य और केंद्रशासित प्रदेश पांचवीं और आठवीं कक्षा में फेल न करने की नीति पर ही चल रहे थे। अब केंद्र सरकार के निर्णय के बाद देश के सभी स्कूलों में पांचवीं और आठवीं कक्षा में फेल करने की नीति इसी सत्र से लागू कर दी गई है। इस सुधार में सबसे अच्छी बात यह है कि यदि कोई बच्चा फेल हो जाता है, तो दो महीने बाद उसे एक मौका और दिया जाएगा। इस बीच स्कूल ऐसे कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देंगे। स्कूलों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वे बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देंगे और उनका नाम नहीं काटेंगे। यानी किसी भी हालत में बच्चों को उसी स्कूल में पढ़ने का अधिकार बना रहेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा पूरी न करने और बीच में छोड़ देने की प्रवृत्ति जरूर है, लेकिन इसके लिए केवल पास-फेल की स्थितियां ही जिम्मेदार नहीं हैं। बच्चों में लिखने-पढ़ने का कुछ ज्ञान तो होना ही चाहिए।

### विचारों की ताकत

नए साल के दिन न्यू आरिलियन्स के फ्रेंच क्वार्टर में हुए ट्रक हमले में कम-से-कम 15 लोगों की मौत हो गई और 30 जख्मी हो गए। यह बताता है कि बिना किसी खास तकनीक के अकेले व्यक्ति द्वारा हमलों का खतरा पूरी तरह टला नहीं है। हमलावर की पहचान 42 साल के शम्सुद्दीन जब्बार, एक अमेरिकी नागरिक के रूप में की गई, जो सेना में काम कर चुका था। वह जवाबी गोलीबारी में मारा गया। पुलिस को उसके ट्रक में इस्लामिक स्टेट (आईएस) का झंडा और विस्फोटक मिले। वारदात से चंद घंटे पहले जब्बार ने सोशल मीडिया में वीडियो डाले थे, जो बताते हैं कि वह आईएस से प्रेरित था। आतंकवादी संगठन आईएस की स्थापना इराक और सीरिया में हुई और अब उसकी मौजूदगी तमाम भौगोलिक क्षेत्रों में है। हाल के महीनों में, उसने प्रोपगेंडा वीडियो जारी किए हैं, जिनमें उसने अपने सिपाहियों से छुट्टियों के मौसम में पश्चिमी देशों में जश्न के दौरान हमले करने को कहा है। न्यू आरिलियन्स हमले के कुछ ही घंटों बाद लास वेगास में ट्रंप इंटरनेशनल होटल के सामने एक टेस्ला साइबरट्रक में धमाका हुआ, जिसमें कम-से-कम एक व्यक्ति मारा गया और कई घायल हो गए। पुलिस ने बाद में कहा कि न्यू आरिलियन्स के संदिग्ध हमलावर ने वारदात को अकेले अंजाम नहीं दिया और वह ट्रक हमले और साइबरट्रक धमांके के तार जुड़े होने की किसी आशंका की जांच कर रही है। आईएस ने इराक और सीरिया में अपनी खिलाफत गंवा दी है और अब वह अपने गंवाए हुए को दोबारा हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इस आतंकी समूह ने एक बगावत के रूप में खुद को बचाए रखा। उसने अपनी गतिविधियों का केंद्र अफगानिस्तान (इस्लामिक स्टेट-खुरासान) स्थानांतरित कर लिया, जहां वह देश के शिया अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाकर हमले कर रहा है। अफ्रीका में उसने नए नेटवर्क शुरू किए हैं। साल 2014-15 में आईएस जब अपनी बुलंदी पर था, उसने आतंकवाद को सफलतापूर्वक वैश्वीकृत किया। संगठन का कोई भी हमदर्द आईएस का झंडा थाम सकता था, खलीफा के प्रति वफादारी का एलान कर सकता था और काफिरों के खिलाफ हमले शुरू कर सकता था।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

### Quiet confidence & lasting impact of MMS

THE passing of Manmohan Singh, India's Prime Minister from 2004 to 2014, has led to an unexpected eruption of nostalgia and appreciation. Singh's modesty and low-key style made it easy for many to overlook his achievements in boosting India's economic growth and elevating its global standing. His death, at 92, has thrown a spotlight on an impressive record. Singh will be remembered as one of the world's most important — and most unlikely — political leaders.

first met him in the late 1980s in the East Delhi housing complex where my family lived at the time. Singh had finished his term as Governor of the Reserve Bank of India and was looking to buy a simple apartment in our locality. A friend of mine called to ask if he could bring Singh to see ours.

Singh came and met us and chatted with my mother. But he never moved to the area because soon thereafter, he was appointed Secretary-General of the South Commission in Geneva; and, after that, in 1991, he became India's Finance Minister. In 2004, my mother called me, excitedly informing me that the soft-spoken, unassuming Singh had just become India's Prime Minister.In 2009, when I was Chair of the Economics Department at Cornell, Singh invited me — quite out of the blue to join his government as Chief Economic Adviser. I agreed, but only if he assured me regular, direct access to him. He said he would, and he did. I met with him about once a month and got to know him well during the nearly three years in his government.

By that point, Singh had already laid the groundwork of India's economic liberalisation, with the most important reforms carried out between 1991 and 1993, when he was Finance Minister. The transformative effect was evident from the subsequent acceleration in India's economic growth.India's early investment in the sciences and engineering during this period nurtured talent not only in research and development but also in corporate leadership and policymaking.Singh's sharp intellect was guided by a sure moral compass. Former US President Barack Obama rightly described him as a person of "uncommon wisdom and decency."

While the electorate often took this to be a sign of weakness, his modesty was rooted in selfconfidence. He felt no need to proclaim his talents from the rooftop. He was unruffled by criticism and saw no sense in attacking his critics.

In 2005, when he visited Delhi's Jawaharlal Nehru University, well-known for left-wing activism, students with black flags turned out to protest. The university authorities were embarrassed and furious, and offered to take strong action against the students. Show-cause orders were sent to some

students and the Delhi police also detained some. It was Singh who intervened on the students' behalf, arguing that they were exercising their "democratic rights." Later, in a speech at the university, he quoted the famous aphorism attributed to Voltaire: "Every member of a university community, if he or she wishes to aspire to be worthy of the university, must accept the truth of Voltaire's classic statement: 'I disapprove of what you say, but I will defend to the death your right to say it.' That idea must be the cornerstone of a liberal institution."It was also a cornerstone of Singh's own political career. Because he took ethics seriously, he insisted on the highest standard of honesty. When, in 2010, inflation was raging, some bureaucrats suggested that it might be best not to hurt his political standing by releasing so much price data. But he put his foot down, insisting there should be no compromise on statistical transparency, even if it dented his poll numbers. This raises a puzzling question. In a world where political success seems to depend so much on intrigue, dissimulation and subterfuge, how did such a person make it to the top? My belief is that he would not have maSde it on his own. It was the political leadership of the time that recognised the need for a person of his talents to have the space to craft and implement seemingly unpopular economic policies.

### TB doesn't have an adult vaccine yet. Why not

What is urgently needed is a vaccine that is effective before and after TB exposure, and in all age groups.

Tuberculosis (TB) remains the leading infectious cause of death in the world, including India. According to the Global TB Report 2024, an estimated 10.8 million people fell ill with TB in 2023 and 1.25 million died. India accounted for 26 per cent of the world's cases and an equal percentage of global TB deaths in 2023 — the highest for any country.In 2015, 194 countries adopted the WHO End TB Strategy, committing themselves to end the disease by 2030 as part of the United Nations Sustainable Development Goals (SDGs). India set 2025 as the target year for TB elimination —five years ahead of the global target of 2030. The End TB strategy aims to achieve the targets of 80 per cent As of January 2024, there were only 17 TB vaccine reduction in TB incidence rate and 90 per cent reduction in the number of TB deaths vis a vis 2015.

Despite a very high level of political commitment and increased financial resources over the past few years, the progress in TB control has globally remained rather slow. With only a year to go, India, too, will surely miss its 2025 target of TB elimination. There are several possible reasons for this slow progress. Most important among them is the advent of the Covid-19 pandemic, which led to widespread disruptions in healthcare, including TB drug supplies and redirection of human resources to address the pandemic. This severely hampered active TB case detection, diagnosis and treatment, thereby reversing the gains made in the recent past. The global deaths due to TB in 2021 increased for the first time after experiencing a decline for many years. The treatment of TB takes six months. But adherence to regular intake of medicine over such a long duration often becomes challenging for many patients. Also,

TB comes in different forms — latent infection (which may remain dormant for years), subclinical and clinical TB. Each of these forms requires different tests to diagnose. Many patients latently infected with TB are, in fact, unaware that they have the disease as they may not exhibit the TB symptoms.Drug resistance, too, is an alarming obstacle to TB prevention and cure, making the treatment harder, expensive and longer to complete. Treatment of multidrug-resistant TB (MDR-TB) is complicated and takes up to two years.Plus, interaction between TB and HIV is a challenge to public health as HIV infection can complicate the management of TB in many ways. HIV-associated

TB often presents as extra-pulmonary disease and sputum-negative. Thus, diagnosis by sputum Addressing the important and substantial problem of examination becomes difficult. The TB-HIV interaction increases the rate of drug resistance and enhances the risk of complications. These factors make the fight against TB more challenging.

The most critical issue, however, is the lack of an effective adult vaccine. It has for long been a critical hindrance in the fight against TB. The only licensed vaccine presently available is the Bacille Calmette Guerin (BCG) vaccine. It does prevent severe infection among children, but its efficacy against pulmonary TB in adults is limited.

candidates listed in the active clinical trial pipeline. This is in stark contrast to the rapid and extensive development of vaccines seen during the Covid-19

resistance simultaneously.

'missing' cases or the patients hidden in the community requires innovative approaches to reaching them with diagnosis and treatment. Such cases have the potential to infect others in the community. Besides active case-finding, populationbased mass screening to detect those suffering from TB must be actively explored. Screening should be targeted at high-risk groups, such as the elderly, prison inmates and those with HIV infection, to get a higher yield. Early detection of TB and swift initiation of treatment can greatly reduce the burden of the disease, risk of poor treatment outcome and adverse socio-economic consequences.

The development of shorter and safer treatment regimens for treating TB infection and TB disease,

especially drug-resistant TB, is an important clinical research priority. India has recently approved a new shorter and more efficacious treatment regimen for MDR-TB. It can cure TB in six months as compared to the traditional methods, which take up to two years and have severe

New TB vaccines could accelerate disease elimination by breaking the cycle of its transmission, improving health equity and reducing the cost of treatment. What is urgently needed is a vaccine that is effective before and after TB exposure, and in all age groups. With many candidate vaccines presently in the pipeline, the possibility of a new vaccine in the near future looks brighter. This endeavour must be supported, encouraged and suitably

financed.Greater emphasis needs to be placed on more effective infection prevention and control activities; stronger surveillance to detect new cases, especially those with drug-resistant TB; community engagement in case detection and compliance with treatment and nutrition; and, finally, greater programmatic outreach for vulnerable populations as part of the universal health coverage.

There is real hope that development and wider application of these tools and innovative mechanisms can accelerate TB elimination in developing countries like India, which carries the highest TB burden in the world.



pandemic, which took less than a year to develop and be used as an effective public health intervention. Thus, the target of TB elimination cannot be achieved

without substantial technological breakthroughs and their wide application in government programmes. Top priorities for research and innovation include the development of rapid point-of-care tests for diagnosing TB. Among them are rapid molecular tests which are highly accurate and faster than traditional/conventional microbiological tests. These improved tests can be performed near the patient or in the community-based health centres.

### Haryana's graft taint

They provide quick results, thereby helping in

timely treatment. These tests should detect TB and

Bribery cases against cops reveal the rot



enforcement themselves demand and accept illegal gratification. Other departments have a better record, but It was the anti-corruption plank that had helped the BJP



there is no room for complacency as they also have their black sheep who need to be weeded out.

decimate the scam-tainted UPA a decade ago, with Prime Minister Narendra Modi emphasising his zero-tolerance approach with the slogan, "Na khaunga na khane dunga". However, the rot in Haryana shows that the initiative to cleanse the system remains a work

Speaking at a 'Good Governance Day' event last week, the Haryana Governor rightly stated that information technology was the most effective means of curbing corruption. Indeed, egovernance has made a difference, but unscrupulous people are adept at finding ways to bypass rules and procedures. The Union Government, which is often accused by the Opposition of misusing Central agencies to settle political scores, must pay greater attention to Haryana, which is at risk of

becoming a bad advertisement for the much-touted anticorruption campaign.

### Death penalty merits a rethink

Yemen case should prompt India to reflect on this mode of punishment

THE efforts to save an Indian woman on death row in Yemen should make us rethink whether we ourselves ought to continue with the severest of punishments. Nimisha Priya, a nurse, has been found guilty of murder. She allegedly injected the victim (who was known to her) with sedatives while visiting him in jail. So far, attempts to prevent her execution have failed. One last attempt is being made, and that is to offer blood money to the family of the deceased and seek forgiveness. The blood money is said to be \$40,000 (around Rs 34 lakh). A substantial sum, if not the entire amount, has been raised and deposited by the family with a lawyer. The financial part seems to have been taken care of, and only forgiveness is anxiously awaited. Our government is doing all it can to assist the family. We always say "let the law take its course", and so it is in the case of this woman. So why is the government extending a helping hand to avert her execution? Is it because the government believes she is not guilty or was not given a fair trial? Is it because she is an Indian and the government will do what it can to save the life of an Indian? Is it because the government feels the punishment is too harsh? Whatever be the reason, the government must be commended for rendering assistance.

This case should prompt the government to reflect on the need to have the death penalty on the statute books. After all, when we execute a person, we are taking the life of an Indian citizen. It hardly matters whether the Indian is executed in our country or on foreign soil. True, our courts are circumspect and extremely careful in awarding the death penalty they do so in the rarest of the rare cases. But would it not be proper for the prosecution to refrain from demanding the death penalty?



What purpose is served by executing a person? The usual answer, when the death penalty is discussed, is that it is a deterrent against heinous crimes. Unfortunately, there is no evidence to support that argument. The US has a high number of persons on death row; it also executes a rather large number of them. Has this deterred individuals from committing murders or mass shootings in schools or most recently the carnage in New Orleans?

n the other hand, it appears that despite the abolition of the death penalty, cases of heinous crimes have not increased. France did it in 1981; over four decades later, there is no evidence that the count of heinous crimes has risen. Zimbabwe, which abstained from voting on the UN resolution for a moratorium on the death penalty in December last year, has now abolished capital punishment. Let's wait for the impact of this decision.

Tens of thousands of rape and murder cases are registered in our country every year. We also have several instances of terror attacks. I believe that in all these cases involving heinous crimes, justice will be served to a great extent if investigations are concluded expeditiously and the trial is completed within a year. For this, our police need to be highly trained to investigate crimes; our prosecuting authorities and prosecutors should also be fully equipped with solid and scientific evidence.

In a recent case reported by a newspaper, 48 out of 49 witnesses turned hostile. What does this tell us about our criminal justice system? Only that a massive overhaul is needed. But, instead of improving our system, there is a demand for the imposition of the severest possible punishment death sentence. That won't help us improve the

ourts across the country need to expedite trials and disposal of appeals in criminal cases so that a conclusion is reached quickly. Perpetrators of crimes, heinous or otherwise, will get the message that they will be hauled up sooner rather than later and will have to serve time in prison. Some courts have begun to take the view that sending a person to the gallows may not necessarily be the best solution. In the recent past, there have been cases in which courts have awarded 20-25 years' rigorous imprisonment to a convict instead of the death sentence. Sometimes, such long terms of incarceration are awarded without any provision

for remission. There have been a few cases in which the convict was sentenced to imprisonment for the rest of his or her life. Is this as bad or as good as the death penalty? Many countries seem to think so. Don't forget that Abu Salem was extradited from Portugal on the condition that he would not be given the death penalty. There is no doubt that the abolition of the death penalty is a very controversial and tricky subject, particularly in cases of rape, murder, sexual abuse of children and terror attacks. Nevertheless, we need to discuss this subject threadbare and have some sort of a policy or consensus; otherwise, the death penalty may get reduced to a game of chance. Meanwhile, let's pray for the woman in Yemen.

### Brigade group to develop housing project in Bengaluru

**NEW DELHI.** Realty major Brigade Group on Friday said it has signed a definitive agreement for a land parcel located on Whitefield-Hoskote Road, Bengaluru. Spanning 20 acres, the residential project will have a saleable area of nearly 2.5 mn Sqft, a gross development value (GDV) of Rs 2,700 crore, and a land cost of about Rs 630 crore through its subsidiary Ananthay Properties.Brigade said with its thriving job market, Whitefield continues to attract homebuyers seeking proximity to their workplaces. The seamless connectivity through road, rail, and upcoming Metro extension further enhances Whitefield's appeal. Pavitra Shankar, MD of Brigade Enterprises, stated, "We remain focused on acquiring prime land in key markets to strengthen our land holdings. This project plays a major role in supporting our long-term residential expansion

### BSNL loses 0.87 mn users to private telcos, gains 0.46 mn users in November

NEW DELHI. State-owned telecom service provider Bharat Sanchar Nigam Limited (BSNL) saw a significant drop in customers in November 2024, losing nearly 0.87 million users while gaining only 0.46 million new ones. This marks the highest customer churn for BSNL since private telecom companies like Reliance Jio, Bharti Airtel, and Vodafone Idea raised their mobile tariffs up to 25% in July. There was a major rise in customer migrations to BSNL from other telcos from July to November 2024. However, the migration of customers to BSNL has slowed down recently,



possibly due to customer dissatisfaction with their network. By July 2024, only 0.31 million users left BSNL. This number further dropped to 0.26 million in August, 0.28 million in September, and increased to 0.51 million in October 2024. Meanwhile, the number of new subscribers joining BSNL surged significantly in August (2.1 mn), September (1.1 mn), and October (0.7 mn).

As per TRAI data, for the first time since the tariff hike by private telcos, Airtel added 1.9 million users in October 2024. However, Jio, India's largest telco, continued to lose subscribers, losing 3.76 million, while Vi lost 1.97 million customers. BSNL added 0.5 million customers during the same month.

### Kotak Bank COO Nagnur quits, second exit after Vaswani joined as chief executive

MUMBAI. Kotak Mahindra Bank, which is under serious regulatory curbs since April last year for not fortifying its tech-architecture and has been banned from any online/mobile app-based services, has said Milind Nagnur, its chief technology officer who is also its chief operating officer, has resigned from the bank. This is the second senior-level resignation from the bank after the new CEO, Ashok Vaswani, was chosen by the RBI in January 2024 to replace founder Uday Kotak who resigned 15 months before his term was to end.arly May last year, KVS Manian, who was with the bank since the beginning and a right hand of Uday Kotak, had called it quits with immediate effect and he joined the Federal Bank as CEO from September.In an exchange filing on Friday, the bank said Nagnur's resignation letter dated January 3 says his last day at the bank will be February 15. An interim structure has been put in place at the bank to ensure smooth functioning, it added.

Nagnur, who cited personal reasons for his departure, has said in the resignation that he planned to move back to the US to care for family members.

In April 2024, the Reserve Bank had barred the bank from onboarding new customers through its online and mobile banking channels, as well as from issuing fresh credit cards. The regulator had observed "serious deficiencies and non-compliances" for more than a year in the bank's IT inventory and user access management, among other things.

### **HUL** eyes skincare brand Minimalist in Rs 3,000 crore deal

MUMBAI. FMCG giant Hindustan Unilever is closing in on talks to acquire D2C beauty brand Minimalist in a deal that could value the startup at about Rs 3,000 crore, sources aware of the discussions told TOI.

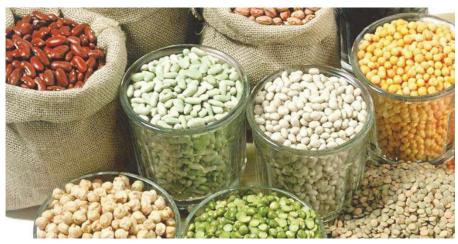
"The talks are ongoing but they are at an advanced stage and should close soon," a source said. The acquisition will allow HUL to offer a wider and varied slate of products to consumers who are looking beyond the traditional beauty and personal care solutions, seeking differentiated products. Jaipur-based Minimalist - which counts Peak XV Partners as its largest institutional investor - sells a range of skin, body and hair care products.

In line with our Sbusiness strategy, on an ongoing basis, we evaluate various strategic opportunities for the growth and expansion of our business. We will make appropriate disclosures whenever there is any material development that requires disclosure under applicable laws," an HUL spokesperson said in a statement. Peak XV Partners did not comment, while Minimalist could not be immediately reached for

## Indians' consumption of pulses, cereals declines by 5% as spending patterns shift: SBI report

NEW DELHI. Indian households have significantly altered their spending patterns over the past 12 years, shifting focus from food to non-food items, according to an analysis by the State Bank of India (SBI). A deeper analysis of the report also revealed several key trends. Consumption of cereals and pulses has significantly declined, dropping by over 5 percent in both rural and urban areas.

The report stated, "A significant drop (more than 5 percent) in 'Cereal & Pulses' consumption in both rural and urban areas."The report also noted that this shift in consumption from food to non-food items observed in both rural and urban areas reflects evolving preferences driven by economic growth, government policies, and lifestyle changes.It added, "Consumption behavior has shifted from food to nonfood items... It is interesting to observe the change in consumer preferences in both rural and urban areas over the last 12 years."The report highlights a



substantial drop in the share of expenditure on food items. In rural areas, the percentage of spending on food decreased from 52.9 percent in 2011-12 to 47.04 percent in 2023-24, marking a decline of 5.86 percentage points. Urban areas witnessed a smaller but significant reduction, with the share

falling from 42.62 percent to 39.68 percent, a drop of 2.94 percentage points. Conversely, non-food items have gained prominence in household budgets. The share of non-food expenditure in rural areas increased from 47.1 percent in 2011-12 to 52.96 percent in 2023-24, registering a 5.86

percentage point rise.Urban areas also experienced growth in non-food spending, with the share rising from 57.38 percent to 60.32 percent, an increase of 2.94 percentage points.On the other hand, spending on toiletries has increased, driven by the success of the Swachh Bharat Abhiyan and growing awareness about hygiene.Interestingly, the share of taxes and cess in household expenditure has decreased, potentially due to the rationalization of GST rates. Meanwhile, spending on clothing and footwear has also declined, a trend attributed to reduced GST rates compared to the earlier taxation system.

The shift from food to non-food spending highlights India's changing socioeconomic landscape. Rising incomes, improved living standards, and government initiatives promoting hygiene and affordable taxation have reshaped consumer priorities, particularly in rural areas.

### Oil refiners may see fall in profit next financial year

Oil Marketing Companies (OMCs) are expected to maintain healthy marketing margins, thanks to lower Brent crude oil prices and a forecasted 3-4% increase in India's petroleum product demand.

**NEW DELHI.** Indian oil refineries will see their profits decline in the next financial year, according to a report by Fitch Ratings. The main reasons for this decline are lower prices for petroleum products, a surplus of these products in the region, and reduced benefits from fluctuations in global crude oil prices. This decline is attributed to lower prices for petroleum products, oversupply in the

region, and reduced benefits from fluctuations in global crude oil prices. However, oil marketing companies (OMCs) are expected to maintain healthy marketing margins, thanks to



lower Brent crude oil prices and a forecasted 3-4% increase in India's petroleum product demand in financial year 2024-25 (FY25).

financial year ending March 2025 (FY25), compared with increases of 3% in 7MFY25 and 5% in FY24. This is supported by rising consumer, industrial and infrastructure demand...The growth in petroleum product demand is likely to be broadbased, with diesel and petrol accounting for the majority," reads the

report. The report also noted that India's total gas consumption is expected to increase by around 10% in the financial year 2025 (FY25), driven by growing demand from key sectors and government policies promoting the use of cleaner fuels. Natural gas production in India is

expected to grow at a low single-digit rate in FY25, supported by development projects on the western and eastern coasts. However, this growth rate is slower than the 9% compound annual growth

rate (CAGR) seen between FY21 and Fitch Ratings expects India's petroleum product demand to rise by 3-4% in the are expected to increase by around are expected to increase by around 20% in FY25, driven by growing

demand and lower international gas prices. This will make gas more affordable for price-sensitive sectors.

#### Axis max life insurance unveils sustainable wealth 50 index fund

NEW DELHI. Axis Max Life Insurance Ltd. (formerly known as Max Life Insurance Company Ltd.) today announced the launch of the Axis Max Life Sustainable Wealth 50 Index Fund.

This first-of-its-kind fund is designed to invest in companies that generate consistent cash flows, based on the proprietary Sustainable Yield Index, developed by Axis Max Life. The customized index will be computed and maintained by NSE Indices Limited.

Fund Highlights:

Fund Objective: The Axis Max Life Sustainable Wealth 50 Index Fund invests in a basket of 50 top-performing stocks based on a proprietary, equal-weighted, factor-based quantitative index. The fund aims to identify the top-performing stocks from the Nifty 500 universe based on Free Cash Flow Yield (FCF Yield) for non-financial companies and Dividend Yield for financial

Equity: 80-100%

Cash & Money Market Instruments: 0-20% Sachin Bajaj, EVP and Chief Investment Officer at

Axis Max Life, commented, "The launch of the Axis Max Life Sustainable Wealth 50 Index Fund reaffirms our commitment to providing valuedriven investment options that address evolving market dynamics and investor priorities. This fund leverages the power of a unique, factorbased index that identifies companies with robust cash flows, based on our internal methodology. We believe this fund will be a valuable addition to our portfolio and strengthen our position as one of India's leading life insurance companies." As the first proprietary index fund in the insurance

industry, the Axis Max Life Sustainable Wealth 50 Index Fund offers exclusive access to a quantitative, factor-based index, aligning with investor demand for sustainable and value-driven investments. By focusing on companies with strong cash flows and consistent growth potential, it caters to customers seeking stability and performance. The fund will initially be available through Axis Max Life's Online ULIP products, including the Online Savings Plan and Flexi Wealth Advantage Plan, with plans for expansion to additional products post-launch. Mukesh Agarwal, CEO of NSE Indices Limited, said, "We have worked with Axis Max Life Insurance to create this customized index based on their methodology. The customized index will be computed and maintained by NSE Indices Limited."Axis Max Life has established itself as a market leader in the online savings segment, achieving notable success with its suite of passive

### Demand for CNG vehicles soars in 2024 due to stricter emission norms

NEW DELHI. Demand for CNGpowered cars rose sharply in 2024 even by less than 5% during the calendar

year. Partho Banerjee, senior executive officer of marketing and sales at Maruti Suzuki India (MSIL) said they sold 453,000 units in the period of April-December, a growth of 26.3%

the contribution has now increased to 38.7%. During the same period last year, it used to be 31.4%, indicating a growth of nearly 7.3%," added Banerjee. In CY24, CNG sales were over 5.76 lakh units for MSIL. The carmaker's total PV sales in 2024 stood at 17.91 lakh units, up by 2.7% year-onyear.Rohan Kanwar Gupta, vice President & sector head, corporate ratings at ICRA said improving CNG availability and favourable operating

economics aided by its superior

mileage, have aided an increase in the

adoption pace of the powertrain over and EV powertrains," he said. as total passenger vehicles (PV) grew Gupta added that the launch of various variants by leading OEMs has also



enhanced the options available to the buyers and has in turn further aided demand for CNG vehicles. "Stricter emission norms and restrictions on polluting vehicles are expected to result in a continuation of a general shift towards cleaner vehicles over the medium term, thereby leading to an increase in adoption of CNG, hybrid

the past few years (17% in H1 CY24). For Hyundai Motor India (HMIL), CNG vehicles contributed 13.1% of its domestic sales in CY24. Hyundai sold

> 605,433 units in CY 2024, up 0.6% when compared to CY 2023 sales. . "The introduction of our innovative Hy-CNG Duo technology in 2024 resonated well with buyers, resulting in the highest CNG contribution of 13.1% to HMIL's domestic sales in CY24, as against 10.4% in CY23," said Tarun Garg, wholetime director and COO at HMIL. Similarly, Tata Motors saw a surge in demand for CNGpowered vehicles. "We registered a 77% growth in our

CNG volumes, selling over 120,000 CNG vehicles in CY24," said Shailesh Chandra, managing director of Tata Motors Passenger Vehicles Ltd. Contrary to this growth, Tata Motors electric vehicle sales grew by just 6% year-on-year to 16,119 in the October-December quarter.

# EV sector needs no more subsidies: Minister Piyush Goyal

Currently, the government offers subsidies and incentives under the PM Electric Drive Revolution in Innovative Vehicle Enhancement (PM E-DRIVE)' scheme.

**NEW DELHI.** The electric mobility sector doesn't need additional incentives as existing subsidies available to them are good enough to give necessary kickstart to the sector, commerce and industry minister Piyush Goyal said after meeting the stakeholders here on Friday. The representatives of the sector met the minister for a discussion on the charging and battery swapping infra. "E-mobility sector is ready and set to fly. They don't need additional incentives. In almost all sectors now, there are options available by which -emobility can be marketed. It's a good economic case to move from ICE engine to EVs and hybrids," the minister "Everybody was unanimous in the room

across sectors that they don't require subsidies."Currently, the government offers subsidies and incentives under the PM Electric Drive Revolution in Innovative Vehicle Enhancement (PM E-DRIVE)' scheme. Under the scheme, subsidies are given for purchase of electric two-wheelers (e-2W), e-threewheelers (e-3W), e-ambulances, e-trucks, and other emerging categories of EVs. Apart from that, funding is provided for acquisition of e-buses, establishment of a network of charging stations and upgrading of the Ministry of Heavy Industries (MHI) testing facilities. The government has made a outlay of `10,900 crore for the scheme, effective October 1, 2024, and will remain in force until March 31, 2026. The Centre offers a productionlinked incentive scheme for automobile and auto component industry (PLI-AAT) with an outlay of '25,938 crore for enhancing manufacturing capabilities for advanced automotive products including EVs and their components. The scheme incentivises various categories of EVs

including e-2W, e-3W, e-4W, e-trucks & e-buses."Newer incentives for EV are not needed at the moment. Centre is offering an array of benefits to promote EV adoption. Many industry players have yet



to fully leverage existing initiatives like auto PLI schemes. We anticipate 2025-2026 to be a pivotal period for the EV ecosystem in India,," said Puneet Gupta, director, S&P Global Mobility.oyal said the government is planning to make the setting of charging infra easier by allowing those who set up charging stations to self-monitor and self-regulate. "We want the RWAs and office complexes to have these charging stations. Nobody needs to invest in setting up these stations

- auto and battery companies are happy to make the investments," Goyal told the media. On whether the battery swapping model would be encouraged, Goyal said it is a business case that should be left to

consumers and companies."Newer

incentives for EV are not needed at the

moment. Centre is offering an array of benefits to promote EV adoption. Many industry players have yet to fully leverage existing initiatives like auto PLI schemes. We anticipate 2025-2026 to be a pivotal period for the EV ecosystem in India,," said Puneet Gupta, director, S&P Global Mobility. Goyal said the government is planning to make the setting of charging infra easier by allowing those who set up charging stations to self-monitor and self-regulate. "We want the RWAs and office complexes to have these charging stations. Nobody needs to invest in setting up these stations – auto and battery companies are happy to make the investments," Goyal told the media. On whether the battery swapping model would be encouraged, Goyal said it is a business case that should be left to consumers and companies.

# One in three patients upset with Delhi's Safdarjung Hospital services

>The survey, conducted between September and October, shed light on critical areas where the hospital is failing its patients.

Delhi cafe owner's suicide: Cops

intensify probe, to question kin

and friends

NEW DELHI. The Delhi Police is likely to question the

family members, close friends and the in-laws of Puneet

Khurana, a cafe owner who died by suicide in northwest

The probe gained momentum after videos and audio clips,

purportedly linked to the case, began circulating on

social media. Authorities have sent these digital files,

along with Khurana's mobile phone, to the Forensic

Science Laboratory (FSL) for analysis. "We are focusing

on understanding the circumstances that may have led to

his extreme step. Insights from those close to him are

crucial," said an official privy to the probe. Police

sources earlier said Khurana had recorded a 54-minute

video in his mobile phone before hanging himself. A 2.5-

minute clip from the video is being shared on social

media in which Khurana can be heard saying that he was

depressed and also listing the reasons for his depression.

A key video, dated October 12, 2023, accessed by TNIE,

captured Khurana in conversation with his father-in-law,

Jagdish Pahwa, regarding a Rs 2 crore payment for a

house registered in his wife's name. Khurana's family

alleged that Pahwa later reneged on this promise,

escalating the tension between the two families. The

couple, married in 2016, had also been embroiled in disputes over their shared business assets.Khurana, co-

owner of the bakery chain, Woodbox Cafe, was found dead at his Model Town's Kalyan Vihar residence on

Nigerian national nabbed

with MDMA worth Rs

5.28 lakh in Delhi

The accused was identified as Uche Chukwu Kalu.

2010, had been staying illegally since its expiration,'

associate killed a girl after injecting her with drugs and

threw her body in a drain. Released on bail in August

2024, Kalu resumed drug trafficking, leading to his arrest again. Police said that a team laid a trap in Uttam

Nagar and intercepted Kalu after a brief chase. "A search of his belongings yielded 66 grams of MDMA

crystal and powder forms. Further investigation is

**Seven Bangladeshi nationals** 

underway," the officer added.

Delhi's Model Town area, sources said on Friday.

**NEW DELHI.** A recent survey conducted by while 10% felt the nurses were with dissatisfaction levels ranging from 26% the Ministry of Health and Family Welfare

(MoHFW) has highlighted significant dissatisfaction among patients visiting Safdarjung Hospital, one of Delhi's largest tertiary care centres. The feedback, collected under the Union Health Ministry's "Mera Hospital" initiative, found that 30% of the 6,545 surveyed patients were unhappy with the hospital's services.

The survey, conducted between September and October, shed light on critical areas where the hospital is failing its patients.

One of the primary reasons for dissatisfaction was the behaviour of hospital staff, with 41% of the unhappy patients

citing rude conduct by doctors and nurses. Specifically, 39% of respondents were dissatisfied with the behaviour of doctors,

unprofessional. The Pediatrics Surgery department emerged as the most criticized,



with 60% of its patients expressing dissatisfaction. Other departments, such as Neurology, General Surgery, Medical Oncology, and Medicine, also faced scrutiny,

to 40%. The issue of staff behaviour was compounded by operational inefficiencies.

Long queues were flagged as a major concern by 48% of respondents, while 15% were frustrated by excessive

Cleanliness remained a persistent problem, with 13% of patients voicing their discontent. Affordability also emerged as a challenge, as 17% of those surveyed found the cost of treatment to be unsatisfactory. A significant 29% of patients felt that doctors did not listen to their complaints attentively, a sentiment that was unanimous among Pediatrics department

patients. Additionally, 43% of respondents reported no relief in their symptoms following treatment, raising questions about the quality of care provided.

### GRAP III back as air quality plummets in Delhi



**NEW DELHI.** An extreme cold wave continued to envelop the national capital and its surrounding areas on Friday morning. A thick layer of fog settled over the region, leading to significantly reduced visibility and disruptions in traffic during the morning. Additionally, air quality plummeted to 'very poor' level prompting the authorities to impose GRAP3.

Today marked the fifth consecutive day of the cold wave in the NCR, with maximum temperatures taking a noticeable dip. The heavy fog made road travel hazardous, prompting caution among commuters.

The India Meteorological Department (IMD) also issued an orange alert for Delhi, predicting "dense to very dense fog," along with partly cloudy skies for the day. The weather forecast indicated a low of 8 degrees Celsius.

Meanwhile, the maximum temperature in the city settled at 21.2 degrees Celsius, 1.9 degrees above average and the minimum temperature was recorded at 7 degrees Celsius, The IMD has also forecasted that Delhi might experience light to moderate rain on January 6. Until that day, the visibility in Delhi is expected to be low.

In Noida, all schools have been ordered to close for classes that begin before 8 am due to the adverse weather conditions. The foggy conditions affected flight operations too. Over 100 flights were delayed at the Delhi airport on Friday morning as visibility dropped to zero in some areas due to dense fog.

Forecasts from the weather department and the Indian Institute of Tropical Meteorology suggest that the air quality could worsen further due to unfavourable weather conditions. In response, the Commission for Air Quality Management (CAQM) has instructed authorities in the Delhi-NCR region to promptly enforce stage 3 restrictions to curb further deterioration.

"In an effort to prevent further deterioration of the air quality and in pursuance of the Supreme Court's directives, the Sub-Committee on GRAP hereby decide to invoke all actions under Stage III (Severe air quality of Delhi) of the extant schedule of GRAP, with immediate effect, in addition to the stage I and II actions already in force," read the CAQM order.

### Must follow law of land: Union Minister on Blinkit's 10-minute ambulance service

After Blinkit launched a 10-minute ambulance service in Gurugram, Union Minister Piyush Goyal said the quick commerce company should follow "the law of the land".

NEW DELHI. Blinkit, which launched a make sure that it complies with "the

Piyush Goyal said on Friday. Goyal's remarks came after the quick e-commerce platform flagged off a 10-minute ambulance service in select areas of Gurugram as a pilot project.

Commerce and Industry Minister

'As regards Blinkit with ambulance services or medicines being delivered, my only submission would be that they have to make sure that they meet the law of the

land, and whatever other legal requirements should be properly taken care of. No laws of the land should be broken," Goyal told reporters. He said that other legal requirements regarding the 10-minute ambulance service

should be properly taken care of. 10-minute ambulance service, must ABOUT THE BLINKIT 10-MINUTE AMBULANCE SERVICE

law of the land", Union Minister Users can book an ambulance in



emergency situations and will be able to see the option to call for an Highlighting the goal of Blinkit's ambulance on the Blinkit app. The company has promised that the ambulance will be dispatched and reach the person who has booked it

cylinders, automated external defibrillators, stretchers, monitors, suction machines, and critical emergency medicines and injections.

Albinder Dhindsa, Founder and CEO of

Blinkit, said the Blinkit ambulances are

equipped with essential life-saving

equipment, including oxygen

Each ambulance will be staffed with a paramedic, an assistant and a trained driver to assist users during emergencies. "Our aim is to provide a reliable and affordable ambulance service that can

respond to emergencies swiftly,"

ambulance service, Dhindsa said that Blinkit will operate the service at an affordable cost for customers and the company was not looking to make a

Dhindsa said.

### Showdown on Kolkata bridge as Babul Supriyo confronts BJP MP on erratic driving

▶The incident occurred as **Babul Supriyo** was on his way **NEW DELHI.** The Delhi Police's Crime Branch has nabbed a 49-year-old Nigerian national involved in back to his drug trafficking on New Year's Eve, recovering 66 grams of methamphetamine (MDMA) worth Rs 5.28 residence in lakh in the international market, police said on Friday. Howrah, when he According to police, he was arrested near Om Vihar in Uttam Nagar, during an operation by the crime became annoyed branch."Kalu, arrived in India on a business visa in by persistent said Deputy Commissioner of Police (Crime) Satish honking from the The DCP further said that previously, he was jailed in car behind him. connection with a 2015 murder case registered at Bindapur Police Station, where he, along with his

Kolkata. Kolkata's iconic Second Hooghly Bridge witnessed a political drama on Friday night when Bengal minister Babul Supriyo and BJP MP Abhijit Ganguly got embroiled in an altercation. The incident occurred as Supriyo was on his way back to his residence in Howrah, when he became annoyed by persistent honking from the car behind him.

Sources said an agitated Babul Supriyo halted his vehicle and approached the car behind him, demanding an explanation for the erratic driving. He found out that the vehicle belonged to BJP MP Abhijit Ganguly, who was seated at the back of the car. Witnesses said a tense confrontation ensued, with Supriyo vocally expressing concern about the dangerous driving. Videos of the incident showed a huge crowd near Abhijit Ganguly's vehicle as the dramatic episode played out on the bridge.Matters escalated when Supriyo accused Ganguly of using abusive language during the altercation. An irate



Supriyo demanded a formal apology, asserting that such behaviour was unacceptable. Ganguly, however, remained silent as Supriyo vowed to escalate the matter through appropriate

official channels.

The situation drew the attention of bystanders and was soon brought under control by police officers who were on duty nearby.

# Farmer unions to reject new agriculture-marketing policy

arrested for illegal stay in Delhi NEW DELHI. Amid crackdown against illegal immigration, the Delhi Police has apprehended seven Bangladeshi nationals residing unlawfully in the capital in two separate operations, officials said on Friday. The first operation, led by the Southeast District Police, resulted in the detention of five individuals -Sheikh Sofiul Alam Sabbir, Md. Takdirul Khan, Bijoyohmod Sahi, Habibur Rahman, and Md. Musa

According to DCP (Southeast) Ravi Kumar Singh, these persons had entered India last year under the guise of visiting the Bosnia Embassy to obtain work permits. However, their visas had long expired, rendering their stay illegal."They were apprehended on January 1 and subsequently presented before the Foreigners Regional Registration Office (FRRO) for deportation proceedings," Singh stated.

Adding to the crackdown, legal action has been initiated against the owner of the guesthouse where these illegal immigrants were residing. The DCP emphasised that compliance with the Foreigners Act, 1946, is crucial to ensure proper monitoring of foreign nationals.

In the second operation, the Southwest District Police detained and deported a couple, Liyacat (54) and his wife (39), who had been illegally staying in the city NEW DELHI. Farmers' organisations collective Samyukta Kisan Morcha (SKM) will organise mahapanchayat in Tohana (Haryana) on January 4 and in

Moga (Punjab) on January 9 to adopt resolutions to reject the new draft policy on agriculture marketing.

They dubbed the National Policy Framework on Agriculture Marketing (NPFAM) as more dangerous than the three repealed Farms Acts of 2019 and against the federal structure of the country.

The SKM said the NPFAM is designed to promote

agricultural production and marketing at the cost of the welfare of small producers and farmers.

The proposed reforms are want to redesign value chain-based capacity-building framework to integrate both the private and public sectors through advanced technologies such as blockchain and artificial intelligence.



corporate interest by integrating "In the name of reform, the government effectively allows the private sector, specifically, corporate agribusinesses, to establish dominance over production, processing, and marketing," said P Krishnaprasad, All India Kisan Sabha, a part of SKM. Also, the proposed laws will undermine the federal rights of the state government under which jurisdiction the agriculture market

falls, the farmers alleged. Farmers leaders

analysed the proposed framework and found that the root cause of the acute income crisis faced by farmers is fundamentally social and political instead of technical reform alone.

Moreover, the policy document fails to address any provisions that would hold these corporate forces, including processors, traders, and exporters, accountable for sharing a fair portion of the surplus

they extract from the market.

The SKM said the NPFAM is designed to promote <u>corporate</u> interest by <u>integrating</u> agricultural production and marketing at the cost of the welfare of small producers and farmers.

### Trump's unpredictability can help end war: Zelenskyy

Kviv US President-elect Donald Trump is "strong and unpredictable", and those qualities can be a decisive factor in his policy approach to Russia's invasion of Ukraine, according to Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy. However, Zelenskyy said it won't be possible to end the almost three years of war in one day, as Trump claimed during his election campaign that he could do. "The hot' stage of the war can end quite quickly, if Trump is strong in his position," Zelenskyy said in a Ukrainian television interview late Thursday, referring to fighting on the battlefield."I believe Trump is strong and unpredictable. I would very much like President Trump's unpredictability to be directed primarily toward the Russian Federation," Zelenskyy said.

Trump, who takes office on January 20, hasn't publicly fleshed out his policy on Ukraine, but his previous comments have put a question mark over whether the United States will continue to be Ukraine's biggest and most important — military backer.Zelenskyy is eager to guarantee that Washington's support keeps coming, and he met with Trump in New York even before the US presidential election in November.

With the war about to enter its fourth year next month, and with Trump coming to power, the question of how and when Europe's biggest conflict since World War II might end has come to the fore.Russia controls about one-fifth of Ukraine, and capitalized last year on weaknesses in Ukraine's defences to slowly advance in eastern areas despite high losses of troops and equipment. The war's trajectory isn't in Ukraine's favour. The country is shorthanded on the front line and needs continued support from its Western partners. Trump responded favourably to the possibility raised by French President Emmanuel Macron of Western peacekeepers being deployed in Ukraine to oversee an agreement that stops the fighting, Zelenskyy said. He met with Trump and Macron in Paris last month."But I raised an issue, saying we didn't hear what specific countries will join this initiative, and whether the US will be there," Zelenskyy said. The Ukrainian leader is determined for his country to become a NATO member. The alliance's 32 member countries say that Ukraine will join one day, but not until the war ends. "The deployment of European troops should not rule out Ukraine's future in NATO," Zelenskyy said in the

### Four Injured In Washington DC Shooting, Police **Investigation Underway**

World Four individuals were hospitalised after a shooting occurred on Friday night in Northeast DC, according to the Metropolitan Police Department

The incident, which took place around 9 pm, left three men and one woman injured. MPD reported that all victims were "conscious and breathing" following the attack, WUSA9 reported. The shooting unfolded in the 1500 block of Harry Thomas Way Northeast, located just 500 feet from the NoMa-Gallaudet U New York Avenue Metro station. Two of the injured victims were transported to a hospital by emergency medical services, while the remaining two reportedly made their way to a medical facility independently. The police described the victims' conditions as stable at the time of their arrival.MPD provided updates on the incident via X, stating, "Alert: Shooting investigation in the 1500 block of Harry Thomas Way NE. Preliminary: Adult male and adult female located at the scene, transported conscious and breathing. Two additional adult males arrived at a hospital, both conscious and breathing."

In a subsequent post, MPD added, "Detectives are on scene investigating this case."The location of the incident, near a prominent transit hub, heightened concerns for safety among local residents and commuters. The area, which is typically bustling with activity, was cordoned off as detectives worked to gather evidence and identify potential witnesses.

Police have yet to release the identities of the victims or provide any information regarding suspects or motives, as per a report by WUSA9.

### New Orleans Attack Puts Spotlight On Islamic State Comeback Bid

Washington.A U.S. Army veteran who flew a black Islamic State flag on a truck that he rammed into New Year's revelers in New Orleans shows how the extremist group still retains the ability to inspire violence despite suffering years of losses to a U.S.-led military coalition. At the height of its power from 2014-2017, the Islamic State "caliphate" imposed death and torture on communities in vast swathes of Iraq and Syria and enjoyed franchises across the Middle East.Its then-leader Abu Bakr al-Baghdadi, killed in 2019 by U.S. special forces in northwestern Syria, rose from obscurity to lead the ultra-hardline group and declare himself "caliph" of all Muslims.

The caliphate collapsed in 2017 in Iraq, where it once had a base just a 30-minute drive from Baghdad, and in Syria in 2019, after a sustained military campaign by a U.S.-led coalition. Islamic State responded by scattering in autonomous cells, its leadership is clandestine and its overall size is hard to quantify. The U.N. estimates it at 10,000 in its heartlands. The U.S.led coalition, including some 4,000 U.S. troops in Syria and Iraq, has continued hammering the militants with airstrikes and raids that the U.S. military says have seen hundreds of fighters and leaders killed and captured. Yet Islamic State has managed some major operations while striving to rebuild and it continues to inspire lone wolf attacks such as the one in New Orleans which killed 14 people. Washington: A U.S. Army veteran who flew a black Islamic State flag on a truck that he rammed into New Year's revelers in New Orleans shows how the extremist group still retains the ability to inspire violence despite suffering years of losses to a U.S.-led military coalition.

## Six Indian Americans Sworn-In As Members Of US House Of Representatives

**WASHINGTON.** In a momentous occasion for Indian Americans, six of their leaders on Friday were sworn-in as the members of the US House of Representatives, the largest so far for this minority ethnic community in the United States. "When I was first sworn in twelve years ago, I was the sole Indian American Member of Congress and only the third in US history. Now, our coalition is six strong! I am excited to welcome even more Indian Americans to the halls of Congress in the years to come!" Congressman Dr Ami Bera said in a post on X.WASHINGTON: In a momentous occasion for Indian Americans, six of their leaders on Friday were sworn-in as the members of the US House of Representatives, the largest so far for this minority ethnic community in the United States. "When I was first sworn in twelve years ago, I was the sole Indian American Member of Congress and only the third in US history. Now, our coalition is six strong! I am excited to welcome even more Indian

Americans to the halls of Congress in the years to come!" Congressman Dr Ami Bera said in a post on X.Ready to Serve," said Congressman Shri Thanedar who represents the 13th Congressional District of Michigan as he posted a selfie of his from the House floor. All the six Indian American lawmakers are from the Democratic Party and voted for House Minority Leader Hakeem Jeffries in the election for House Speakership. Republican Mike Johnson was elected as the House Speaker.

Congressman Ro Khanna represents the 17th Congressional District of California and Raja Krishnamoorthi represents the eighth Congressional District of Illinois. Congresswoman Pramila Jayapal, representing the seventh Congressional District of Washington state, is the first ever Indian American woman to be elected to the House of Representatives.

All the three – Khanna, Krishnamoorthi and Jayapal – have been sworn-in for a fifth



consecutive term, during which they have emerged as powerful lawmakers in their own way. Krishnamoorthi is a Ranking Member of the powerful China Committee and also a member of the House Intelligence Committee. Jayapal is leader of the highly powerful progressive group of lawmakers. Khanna is not only a member of several powerful House committees, but also is seen as a potential presidential candidate in the years to some.

All the six Indian Americans constitute an informal Samosa Caucus, a term coined by Krishnamoorthi. When sworn in for the

first term in 2012, Dr Bera had then wished to have 10 Indian Americans in the House of Representatives. Several Indian Americans aspiring to be elected to the House lost elections either during the primaries or in the November 5 general elections. At least three of them were women: Sushila Jaipal, Bhavani Patel and Krystal Kaul.Dalip Singh Saund was the first Indian American to be elected to the House of Representatives in 1957. Also, the first Sikh, he was elected for three consecutive terms. He was from the Democratic Party. It took nearly five decades for a second Indian American to enter the US House of Representatives. Bobby Jindal represented the First Congressional District of Louisiana from 2005 to 2008. He later went on to become the two-term Governor of Louisiana, making him the first Indian American to be elected as the governor of a US State. Jindal is the only Indian American to be elected to the House on a Republican ticket.

### 42 killed as Israel pounds Gaza ahead of ceasefire talks in Doha

Deir Al-Balah Israeli strikes killed at least 42 people in Gaza, including children, overnight and into Friday, hospital staff said, as often-stalled ceasefire talks to end the Israel-Hamas war were set to resume in Qatar. Sirens sounded across Israel for missiles fired from Yemen.Efforts at ceasefire negotiations were expected to resume on Friday. Staff at the Al-Aqsa Martyrs Hospital said that more than a dozen women and children were killed in strikes in central Gaza, including in Nuseirat, Zawaida, Maghazi and Deir al-Balah.Israeli strikes killed at least 42 people in Gaza, including children, overnight and into Friday, hospital staff said, as often-stalled ceasefire talks to end the Israel-Hamas war were set to resume in Qatar. Sirens sounded across Israel for missiles fired from Yemen.

Efforts at ceasefire negotiations were expected to resume on Friday.Staff at the Al-Aqsa Martyrs Hospital said that



more than a dozen women and children were killed in strikes in central Gaza, including in Nuseirat, Zawaida, Maghazi and Deir al-Balah. The Israeli army said in a statement on Friday that during the past day, it had struck dozens of Hamas gathering points and command centres throughout Gaza.

Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu's office has said that he authorised a delegation from the Mossad intelligence agency, the Shin

Bet internal security agency and the military to continue negotiations in Qatar. The delegation was leaving for Qatar on Friday. The US-led talks have repeatedly stalled during nearly 15 months of war. Netanyahu has vowed to press ahead in Gaza until Hamas is destroyed. But the militants, while greatly weakened, have repeatedly regrouped, often after Israeli forces withdraw from

areas.Israel's offensive has killed more than 45,500 Palestinians in Gaza, according to the territory's Health Ministry, which says women and children make up more than half the dead. The ministry doesn't distinguish between civilians and combatants in its tally.Israel's military says it only targets militants and blames Hamas for civilian deaths because its fighters operate in dense residential areas.

### Tesla Cybertruck Blast **Suspect Suffered From** PTSD, No 'Terror' Link: FBI

Los Angeles, United States. The decorated Green Beret who died by suicide in a blazing Cybertruck outside a Trump hotel in Las Vegas was suffering from posttraumatic stress, investigators said Friday, saying they had found no links to "terrorist" groups.

Matthew Livelsberger, 37, a member of the elite US special forces, shot himself on New Year's Day in the rented Tesla vehicle filled with fuel containers and fireworks, which exploded. Seven people nearby in the valet area of the glass-fronted Trump International Hotel were wounded in the blast."Although this incident is more public and more sensational than usual, it ultimately appears to be a tragic case of suicide involving a heavily decorated combat veteran who was struggling with PTSD and other issues," FBI Special Agent Spencer Evans told a press conference on



### Republican Mike Johnson reelected Zas US House speaker after dramatic floor vote

WASHINGTON. Republican Mike Johnson narrowly won reelection Friday as House speaker on a first ballot, overcoming hard-right GOP holdouts in a tense standoff and buoyed by a nod of support from Presidentelect Donald Trump. The uneasy scene brought an ominous start to the first day of the new Congress. A small collection of hardline Republicans convened in the back of the House chamber, one by one declining to vote or choosing another lawmaker. Johnson's face turned grim, acknowledging fresh turmoil and signaling trouble ahead for him as Trump returns to the White House with unified GOP control of Washington.In the end, however, Johnson was able to flip two holdouts who switched to support him, with help from Trump, who called the dissenting Republican lawmakers from the golf course. The final tally was 218-215. Johnson, visibly relieved, vowed to "reject business as usual" in his first speech with the gavel.

'We're going to drastically cut back the size and scope of government," he promised.Johnson's weak grip on the

gavel has threatened not only his own survival but Trump's ambitious agenda of tax cuts and mass deportations as Republicans sweep to power in the



House and the Senate. The stark vote tally laid bare the challenges he faces. Even backing from Trump himself, usually a surer bet for Republicans, was no guarantee of Johnson's ability to stay in the speaker's office. House Democratic leader Hakeem Jefferies attempted to push past the Republican tumult of the past two years, saying it was time to come together, and put party politics aside "to get things done" for Americans. What was once a ceremonial day with newly elected lawmakers arriving to be sworn into office, often with family, friends and children in tow — Republicans this year wearing long, Trump-style red ties — has evolved into a high-stakes vote for the office of House speaker, among the most powerful elected positions

in Washington. Vice President Kamala Harris swore in the senators. While the Senate is able to convene on its own and has already elected party leaders — Sen. John Thune as the Republican majority leader, who vowed in his first speech to preserve the legislative filibuster, and Sen. Chuck Schumer for the Democratic

minority—the House must first elect its speaker. It's a role required by the Constitution, second in the line of succession to the president. With opposition from his own GOP colleagues, Johnson arrived at the Capitol with outward confidence after working into the night to sway dissenters. A flop by Johnson could have thrown Monday's congressional certification of Trump's 2024 election victory into turmoil. Trump had endorsed Johnson, and was on the phone during the vote to secure the

Friday. Investigators said they were still examining Livelsberger's devices, but that so far they had found two letters on his phone in which he spoke of the "burden" of having taken lives, among other issues.

Though the truck exploded outside the Trump-branded hotel in Las Vegas, part-owned by US President-elect Donald Trump's family business, Livelsberger "held no animosity" towards the Republican, Evans said. And he said investigators have "not identified any connection between this subject and any other terrorist organization."He said some personal and family issues may have contributed to the incident.

Livelsberger's body was burned beyond recognition, but Las Vegas Sheriff Kevin McMahill said authorities had confirmed via dental records and DNA that he was indeed the person who died inside the Cybertruck.

He said investigators were still working to establish the exact sequence of events in the Cybertruck, but for now it appeared that Livelsberger shooting himself dead and the blast which ignited the truck were "simultaneous."Evans also said again that investigators have found no link between the blast and the deadly attack in New Orleans which also took place on January 1.In that attack, a US army veteran loyal to the Islamic State jihadist group rammed a crowd of New Year's revelers with a truck, killing 14 before being shot dead by police.

# Why are US flags being flown at half-staff on Inauguration Day

World President-elect Donald Trump has expressed frustration that flags will be flying at half-staff when he takes office later this month.

It's an action put in place by President Joe Biden to honour the late President Jimmy Carter, who died Sunday at 100. It's not a timeline that Trump can do anything about until after he takes office. Here's what to know about why flags are lowered when a president dies, who can issue that order and how long the process lasts:

Why are U.S. flags being flown at half-staff? On Sunday, Biden ordered that U.S. flags be flown at half-staff in honor of the late former president. It's an honor that indicates that the country or a state is in mourning. The U.S. flag code lays out parameters for lowering the U.S. flag to half-staff, including a 30-day period for current or former presidents to cover flags at federal government buildings and their grounds, as well as at U.S. embassies and other facilities abroad, including military installations and vessels.Flags can be lowered to commemorate the deaths of other officials, including the vice president, Supreme Court justices and members of Congress, although those periods aren't as long. Flags can also be ordered lowered in other circumstances, including a national tragedy or on Memorial Day.Since U.S. flag code states that no flag should fly higher than the American flag on the same pole or nearby, state flags get lowered during those According to the U.S. General Services periods, too.

How long will flags be lowered?

According to Biden's proclamation, U.S. flags will be lowered for 30 days from Carter's death, until Jan. 28. With the inauguration on Jan. 20, that means that flags will be at half-staff when Trump takes office and for the first week of his

administration. Who decides when to lower flags?



Administration, the president, a governor and the mayor of the District of Columbia can order U.S. flags to be flown at halfstaff. What has Trump said about flags being lowered? On Friday, Trump posted on social media that "Democrats are all 'giddy'" about the notion that flags will be lowered when he takes office as president. 'Nobody wants to see this," Trump wrote. He added that "no American can be happy

about it. Let's see how it plays out. MAKEAMERICAGREATAGAIN!" Asked about Trump's post at Friday's briefing, White House press secretary Karine Jean-Pierre said Biden would not consider reversing or reevaluating the half-staff plans.Can Trump decide to raise the flags?Yes. U.S. flag code dictates that flags remain lowered for the 30-day period from the death of a former president. But that code isn't mandatory, so once he becomes president, Trump

could technically override it. That's what happened in February 1973, when then-President Richard Nixon opted to raise flags — which he had ordered lowered in mourning following the death of former President Lyndon Johnson before the 30-day mark to honor the first American prisoners of war releasedS from Vietnam. The hiatus only lasted a day, and flags went back to half-staff thereafter for eight days.S

### Border-Gavaskar Trophy: Pant slowed down in Sydney and with it his trademark impact

SYDNEY: Rishabh Pant was lying down in the middle of Sydney Cricket Ground. He was being attended to by the physio in front of the sellout record crowd on day one of the fifth and final Test between India and Australia on Friday. The Indian keeper-batter had been hit twice off Australia captain Pat Cummins' bowling on consecutive deliveries in the 49th over. The first one was a short delivery that he tried to duck and got hit on the shoulder and the second one hit him in the abdomen. Pant batting on 26 off 74 balls at that time was visibly in pain and had no choice but to call for some medical attention. It had been that kind of a day for the 27-year-

old. He was first hit in the back arm while trying to defend Mitchell Starc and then came the blow to the helmet from the leftarm pacer. It was not the usual Pant who had come to Australia twice before and dominated them in such a way that fans wrote songs about it.

This was different. He had been struggling to spend some time in the middle. The underlying issue that had largely gone unaddressed is that he had come into bat much earlier than he did in the previous tours



thanks to multiple top-order collapses. But the focus was more on how Pant had been getting out. He has been sticking to his unorthodox methods while trying to take the game head-on and falling short. And it had come at a cost. After the kind of dismissals, he had in Melbourne — one trying to scoop Scott Boland and the other a slog off Travis Head — Rohit Sharma had a message for Pant - he has to figure out what method works for him and what is required of him for the team in a certain situation. Although the captain did admit that it is hard to communicate when Pant is sticking to a method that has brought him all the success, the keeper-batter seemed to have gotten the message. From the time he walked out to bat on Friday, Pant was hell-bent on one thing do not do something that leads to his downfall at the wrong time. Pant's first boundary came when Cummins strayed on the pads when he had faced seven deliveries. A long while later, he hit the second with a cut off Starc. By that time, he had already faced 50 deliveries.

### Virat Kohli punches himself in frustration after familiar dismissal in Sydney

New Delhi Virat Kohli was left fuming at himself on Day 2 of the Sydney Test as he once again got out to a delivery outside off stump on Saturday, January 4. Kohli was dismissed by Scott Boland yet again as he was caught fishing outside off and edged it straight to slips as the pacer continued to rock the Indian batting order.Kohli was in focus on Saturday as he stepped in as the skipper for the side, following Jasprit Bumrah heading to a medical facility to reportedly get scans done for a back issue. The star batter stepped in as the action captain and masterminded Australia's collapse in Sydney as the hosts went from 162 for 6 to 181 allout. India took a 4-run lead ahead of tea. In the second innings, the visitors got off to a fine start thanks to Yashasvi Jaiswal.



However, Boland came into the act and bowling of Boland for 17 off 69 balls.

Virat Kohli's Border-Gavaskar Trophy

Known for his prolific form in Australia, the 2024-25 Border-Gavaskar Trophy has been one to forget for Kohli. The star batter had a good start in Perth, where he scored a magnificent hundred in the second innings, which setup India's win in the first Test.

However, since then, Kohli has struggled to

# Coach of the hour: Deepali delighted with 'very special' recognition

Rifle coach, who has shaped the careers of many young shooters including Paris Olympics bronze medallist Swapnil Kusale, is filled with gratitude as she is set to receive the prestigious Dronacharya Award.

CHENNAI. Away from prying eyes, Deepali Desphande has had quite a sojourn in the last decade or so. The former rifle shooterturned-coach has been part of the ups and downs the sport has experienced during that period. She has endured rainy days along with the shooters, most notably during the 2020 Tokyo Olympics, and she has also been the first to recognise their moments in the sun. In short, she has been one of the vital cogs behind the sport's upswing in the country. Fittingly, Deepali is now in the

spotlight. Her dedication to the sport that she is passionate about has been recognised as she is set to be handed the prestigious Dronacharya Award soon.Deepali is naturally filled with gratitude at the moment and welcomes this recognition.

"Nobody works for the award. We work

for wins and medals. But Arjuna,

Dronacharya Awards have a history. It has been there for a long time. For the people outside your sport, everyone identifies you through this achievement. That's what makes it very special. Once you get it, everyone identifies that with the work that you have put in. That is very important and it's more important for your family and friends, who are not into the field, but always rooting for you," the amiable coach, who's also passionate about painting, said. Having joined the naional setup as a junior coach in 2012, it's no exaggeration to say that Deepali has had a hand in transforming numerous young potential shooters into champions. In the Paris Olympics, Deepali had as many as four shooters, who trained under her, in the national squad with one of them — Swapnil Kusale — going on to capture a bronze medal. In fact, both Deepali and Swapnil will be part of the awards function in New

Delhi as the latter was also listed for the Arjuna Award.Deepali and the shooters might have prospered in Paris but they have had to shed plenty of tears, and sweat along the way. That has only added to her wisdom.



"You will fail more than you succeed, especially in sports. You just have to keep walking. Just check your path, if you are on the right path and if you're confident, it doesn't matter. In the end, everything comes around and everything falls in place," she noted. One of the primary reasons why she is reaping the fruits of her hard work and dedication is her family. She's grateful to athlete. My daughter was also growing up and I couldn't keep up with social obligations most of the time. All my family members have been really supportive. My brothers have been a rock as well."

> Apart from her family, her friends from the sport have been pivotal in her overall development. She has a strong memory and recalled in detail the dates and events spent with her friends. Those days have certainly handed her a strong perspective on numerous things and made her the top professional that she is today. She also thanked fellow coach, Jaspal Rana, who has also had a notable hand in transforming shooting. We (she and her friends) were always a group and we

always operated like a team. If there was any problem, we would speak up together. We had one voice. Had they not been there, I might have left the sport a long time ago. Of course, I made other friends as well. I worked with Jaspal for eight years and he had already been supportive. During the Paris Games phase, we both were sailing on the same boat and he was as supportive as

### Let them earn it: Rohit Sharma remains coy on future India captain

**New Delhi.** India captain Rohit Sharma remained coy on the future of the Indian team. In a candid interview given to Star Sports, Rohit Sharma spoke about the Indian team and who could captain the side in the future. Rohit sidestepped the question, stating that whoever captains the Indian team has to earn his position just like MS Dhoni and Virat Kohli did in the past.Sharma's unexpected interview on Day 2 of the New Year's Test match came as a breath of fresh air in the Indian cricketing ecosystem. Rohit's honest answers were praised by former Mumbai player Sanjay Manjrekar on social media. Asked about who could captain the Indian team in the future, Sharma said that the Indian youngsters needed to understand the gravity of international cricket and needed to play some hard-fought cricket for the next few years before they can consider themselves for a leadership role."Very



## have that support system. "As a coach, I travelled much more than I used to do as an

### 5th Test: Jasprit Bumrah leaves SCG on Day 2 in a car, likely taken for scans

New Delhi. In what is a worrying moment for Indian cricket team fans, captain Jasprit Bumrah has left the SCG during Day 2 of the Sydney Test on Saturday, January 4. Bumrah had bowled 8 overs on the day before leaving the field just after play resumed following the lunch break. The India captain picked up the wicket of Marnus Labuschagne in the seventh over of the Australia innings. This wicket allowed Bumrah to break the 46-year-old record of Bishen Singh Bedi for the most wickets by an Indian bowler in a series in Australia as India

looked to be in charge of things. However, the India captain would go off the field after bowling one over after lunch. While it didn't appear to be a serious issue at that time, Bumrah would leave the stadium along with the support staff and he wasn't wearing his whites. The Indian pacer was seen in his



training kit. The commentators would then reveal that Bumrah had gone to the nearest medical facility for scans. It has been reported that he had been experiencing back pain and the matter had to be checked on. The big news from the SCG is that the mainstay of the Indian bowling attack has left the

ground. Obviously going to see some doctors and for some scans. One would get to know in sometime," said Ravi Shastri, who was on commentary duty.

Since Bumrah left the field Australia would take control of proceedings on Day 2 as Beau Webster scored his maiden fifty. India would strike in the form of Alex Carey's wicket as Prasidh Krishna would clearn him up. This is not the first time

that Bumrah has suffered an injury scare during the series. The Indian pacer did go down on the field during the pink-ball Test in Adelaide but quickly recovered. Bumrah has 32 wickets so far in the series and is way ahead of the rest.



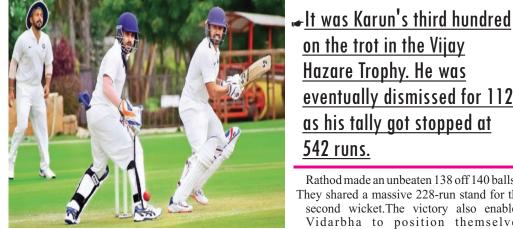
difficult to answer this. There are a lot of good guys. But, I want to tell something to the young boys: 'first understand the importance of cricket. Understand the gravity of international cricket'. I know they should be given responsibility. But, let them earn it. Let's them play some hard-fought cricket for the next few years. Let them earn it," Rohit Sharma said on Star Sports.See, there is Jasprit Bumrah now, before that there was Virat Kohli, before that there was MS Dhoni. Everybody earned it. No one got it on a platter," Rohit added.Sharma stressed that it was a great honour to become the captain of the Indian team and highly regarded Jasprit Bumrah in that role. Rohit said that Bumrah was always setting examples for the rest of the team. He has a good idea of the game.

## Karun Nair sets new List A world record for scoring most runs without being dismissed

VIZIANAGARAM. Karun Nair on Friday rewrote the world record for most List A runs without being dismissed while guiding Vidarbha to an eightwicket victory over Uttar Pradesh in a Group D match of the Vijay Hazare Trophy here.Karun went past the record set by former New Zealand all-rounder James Franklin in 2010 of? 527 runs. The right-hander was eventually dismissed for 112 as his tally got stopped at 542 runs, setting a new mark.

Other prominent names in the list are: Joshua van Heerden (512), Fakhar Zaman (455) and Taufeeq Umar (422).

It was Karun's fourth hundred, third on the



trot, in the Vijay Hazare Trophy, helping Vidarbha overhaul UP's 307 for eight in 47.2

on the trot in the Vijay Hazare Trophy. He was eventually dismissed for 112 as his tally got stopped at 542 runs.

Rathod made an unbeaten 138 off 140 balls. They shared a massive 228-run stand for the second wicket. The victory also enabled Vidarbha to position themselves comfortably as the top team in Group D with 20 points from five games ahead of second placed Tamil Nadu (14) and UP (14), who



dismissed both openers, forcing Kohli to join Shubman Gill in the middle. The star batter looked to be solid at the start, but ultimately fell to Boland, who dismissed Kohli for the fourth time in the series. The star batter was out for 6 runs off 12 balls. This would end Kohli's series in dismal fashion as he had got out 7 out of 8 times to deliveries outside the off-stump. In the first innings, Kohli was caught in slips by Beau Webster off the

2024-25

find any consistency. His next best score in the series has been 36 in the boxing day test and has gone past the double-digit mark only 3 times in total.



overs. Vidarbha ended at 313 for two as Yash

# Border-Gavaskar Trophy: Prasidh, Reddy restrict Australia to 181, India take 4-run lead

... If the turning point was Steve Smith's (33) dismissal just before lunch, Prasidh came from round the wicket from the **Paddington End and removed** Alex Carey (21) with an angled-in delivery.

SYDNEY. Young pacers Prasidh Krishna and Nitish Reddy more than made up for skipper Jasprit Bumrah's absence as India bowled out Australia for 181 at tea to take a slender fourrun lead on the second day of the fifth Test here on Saturday. While the lead is minimal, it The final blow was dealt by Prasidh. He used will certainly give a psychological advantage to India after Siraj (3/51 in 16 overs), Prasidh (3/42 in 15 overs) and Reddy (2/32 in 7 overs) did their bit in the post-lunch session after skipper Bumrah left the venue to undergo precautionary scans. The captain

could bowl only one over before leaving the field handing over the reins to Virat Kohli, who took over from exactly where he had left in January 2022, proactive with bowling changes and animated as ever.

If the turning point was Steve Smith's (33) dismissal just before lunch, Prasidh came from round the wicket from the Paddington End and removed Alex Carey (21) with an angled-in delivery. Carey was looking good but once Prasidh found his length, he was literally unplayable.

Debutant Beau Webster (57) justified his selection with a half-century but it was Reddy, coming for his second spell, who suddenly sparked a collapse with wickets of Pat Cummins and Mitchell Starc, both done in by subtle

movement off the surface.

the uneven bounce and cracks off the surface to get one bounce awkwardly at Webster and Jaiswal snaffled the catch. Earlier, Siraj was menacing during his first spell, grabbing two wickets with perfectly pitched outswingers



before Prasidh sent back in-form Smith after he was involved in a nice little 57-run stand for the fifth wicket with Webster. Prasidh was initially proving to be a weak link, bowling multiple release deliveries in his first spell as he couldn't find the correct length but Bumrah changed his ends and it proved to be a masterstroke. He bowled the perfect length to square up Smith and KL Rahul took the leading edge in the second slip. The day

started with Sam Konstas (23 off 38 balls) giving charge to Bumrah (2/27 in 9 overs) with his reverse lap but Marnus Labuschagne (2) was dismissed quickly.

Bumrah got one to rear up from a good length and there was just enough away movement to kiss the right-hand batter's outside edge before resting in Rishabh Pant's

Bangladeshi umpire Sharfuddoul Ibne Saikat had ruled it not out but TV replays showed a clear spike.Konstas has the unconventional edge to his game, but his defence isn't the most compact one. Finally, Siraj got his

perfectly pitched outswingers landing on that five metre length and Konstas' drive resulted in an edge towards gully where Yashasvi Jaiswal pouched it without much ado. Travis Head (4) started with a beautiful on-drive but then got one that jagged in (inswinger for left-hander) and as the bat face closed, the leading edge travelled at a good height for Rahul in the sliAAps.

## Sandeep Reddy Vanga And Navdeep Praise Upendra, Compare Him To Ranbir Kapoor's Character In Animal



andeep Reddy Vanga and Navdeep praised Upendra, calling him a visionary and comparing him to Ranbir Kapoor's character in Animal, during an episode of The Rana Daggubati Show on Prime Video. The latest episode of the show featured filmmaker-actor Upendra, along with Navdeep, Faria Abdullah, and Sharmiela Mandre. Upendra shared stories about his early days, his views on love and marriage, and his unique approach to filmmaking. The episode kicked off with Sandeep Reddy Vanga and Navdeep hailing Upendra's fearless approach to cinema in an introductory video. Navdeep compared Upendra to Ranbir Kapoor's character in Animal and dubbed him as "the OG real wild animal." Sandeep Reddy Vanga also heaped praise on him, adding, "He made Om when he was just 22. He was the youngest director in the country at that time. His screenplay felt like a film within a film."

Jpendra recalled, "I lived in a very tiny house. To earn some money, I made paper covers and sold them to fruit vendors. That's when I started writing. I approached a director as a writer, and he made me his AD. From there, I moved to becoming a codirector, then director, and finally acting in my own

Reflecting on his personal journey and experiences with love and marriage, Upendra admitted, "Marriage is a great institution. It is so good. I deceived you all by delivering lines like: 'There is no love. Love is trash.' Many of you followed it, but very quietly, I got married. I wanted to find out whether there was any truth to what I said. After experiencing it, I am fixed now." One of the most fascinating moments of the episode unfolds when Upendra reminisces about adding an unexpected twist to a love scene in his 2002 film Super Star. He recounts, "During my trip to Thailand, Î saw a tiger and wrote a love scene around it."Created, hosted, and executive produced by Rana Daggubati under the banner of Spirit Media, the unscripted Telugu Original eight-episode series boasts an exciting line-up of guests, including Dulquer Salmaan, Naga Chaitanya Akkineni, Siddhu Jonnalagadda, Sreeleela, Nani, S.S. Rajamouli, Ram Gopal Varma, and many more.

#### Bandish Bandits Star Shreya Chaudhry Calls Hrithik Roshan Her Fitness Inspiration: 'My Forever Crush'



andish Bandits Season 2 has been one of the most talked-about shows since its release. And all eyes are on the leading lady of the show – Shreya Chaudhry. She has been soaking in all the love and appreciation coming her way. Recently the actress shared her inspiring fitness transformation story. As a young teen, Shreya struggled being overweight, often facing selfdoubt. But the turning point in her life came in when she watched her idol Hrithik Roshan openly talk about his journey from struggling with injuries and weight gain to reclaiming his fitness.

Shreya says, "I was always the chubby kid in the room. It felt like no matter what I did, I couldn't lose my weight enough. Maybe I wasn't motivated enough. Then came Hrithik Roshan and as a fan girl, his fitness journey has been truly inspiring. He spoke openly about his struggles and how he overcame them and I couldn't be more inspired to win one day at a time. I also wanted to take control of my own fitness."Shreya also shared some inspiring photos of her transformation on her social media and captioned it as, "Story time – I love every version of me, every single one reflects what I was going through mentally. No regrets. No looking back. I have wisened up and toughened up too. I did want to be fit though. Not for any other reason to begin with but just health. I was going through some stress and I was constantly advised to be active, and take care of my fitness and health.. I remember reading an article of @hrithikroshan (my forever crush) about being fit and how me handled his ups and downs. I have been one of Hrithik's biggest fans since I was a child and that article changed my life. In hindsight I think I owe my fitness journey to him. So, here it is ... an appreciation post for my cinematic idol who inspired me to take care of myself, to make my health a priority. You inspire millions including me.

She added, "Taking care of my health helped me pursue a passion that I always had ... acting.. so, here I'm .. punching through the good days and the bad days and keeping my eyes on the prize.. Thank you everyone for the love and the motivation.. ?? Here's to fitter 2025.""

lanhwi Kapoor

Reacts To 'Laddooo' Khushi Kapoor, Junaid Khan's Loveyapa's First Song; Calls It 'Fresh'

hushi Kapoor and Junaid Khan starrer Loveyapa's first song has finally been released today. The song has been getting love from all corners. Janhvi Kapoor also reacted to the song and called it fun, fresh and young. The rom-com, directed by Laal Singh Chaddha filmmaker Advait Chandan, is releasing on February 7, 2025. Taking to her Instagram stories, Janhvi Kapoor shared the poster of the song and wrote, 'This looks so fun, fresh and young!!! Can't wait!!! And my laddooo Khushu looking so cute!!! @khushikapoor." Produced by Phantom Studios and AGS Entertainment, Advait Chandan's Junaid's first foray into the romantic comedy genre has fans eager to see the chemistry between this fresh and exciting pair.

The title track is a burst of energy, with lively beats and lyrics that perfectly resonate with youth and Gen-Z audiences. The song's relatable vibe hints at the film's mass appeal, making it clear that Loveyapa will be a hit among younger viewers, raising anticipation and excitement for its release.

Junaid Khan, son of Aamir Khan, made his acting debut last year in Siddharth P. Malhotra's Maharaj alongside Sharvari and Shalini Pandey. His portrayal of Karsandas Mulji earned positive reviews. Meanwhile, Khushi Kapoor, daughter of the late Sridevi, stepped into the industry with Zoya Akhtar's The Archies, which premiered on Netflix in 2023. Earlier, Hindustan Times reported, "The first leg of the shoot wrapped up in Mumbai, and

here for the entire schedule."

now the duo is filming in the Capital. The team started shooting here three-four days ago, and the schedule will go on for another 10-12 days. While the supporting cast has been joining the shoot as and when needed, Junaid and Khushi are going to be

The film is reported to be a remake of the 2022 Tamil hit Love Today, which starred and was directed by Pradeep Ranganathan. On the other hand, Janhvi Kapoor had quite a few releases in 2024. She made a cameo in Shahid Kapoor and Kriti Sanon's Teri Baaton Mein Aisa Uljha Jiya, which was followed by the release of the Mr & Mrs Mahi.

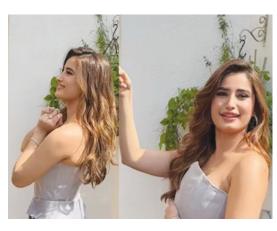
Sidharth Malhotra and Janhvi Kapoor are all set to share screen space for the first time in a romantic comedy-drama Param Sundari. The makers have shared the motion poster which has left all fans in awe. The release date has also been announced. It will be hitting the theatres on July 25, 2025. Fans have also reacted. Taking to their Instagram handles, Sidharth and Janhvi shared the motion poster and wrote, "North ka swag, South ki grace - two worlds collide and sparks fly. Dinesh Vijan presents #ParamSundari, a love story directed by Tushar Jalota, coming to cinemas on 25th July 2025. Meet the suave Sidharth Malhotra as Param and the vivacious Janhvi Kapoor as Sundari."Apart from Param Sundari, Janhvi will also be seen next year in Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari



Rasha Thadani's

Antics With Her Bodyguard As She Poses For Paps Is All Things Cute

asha Thadani's cute antics as she sweetly interacts with the paparazzi is our favourite thing on Instagram today. Here we bring you a video from her latest casual appearance wherein Set to make her Bollywood debut, Rasha Thadani she is seen teasing her bodyguard, showcasing his unique hairstyle to the shutterbugs. The lighthearted moment between paps and the soon-to-be actress captured fans' hearts, prompting them to share the clip among Internet users. The video



opens with Rasha Thadani pointing fingers towards her bodyguard as he cutely smiles looking away from the camera. It appears she wanted to highlight his hairstyle while candidly speaking with the photographers. The cute expressions and child-like joy on Rasha's face are too adorable to miss. Later, we can see her making her way to the building after bidding adieu to the photographers, waving hands at them. For her casual day out,

Rasha was dressed in a co-ord set which comprised a grey strapless corset top and relaxedfit pants.

has been out and about in the city for the promotional endeavours of her upcoming film Azaad. Helmed by Abhishek Kapoor and backed by Ronnie Screwvala and Pragya Kapoor, the film also stars Ajay Devgn, Amaan Devgn and Diana Penty in key roles. As for the storyline, it is set against the backdrop of pre-independence India and explores an intriguing journey of love and lovalty. Ajay Devgn takes on the role of a master horse rider in the film. His character sneaks away from the brutal English army but not without his horse.

However, his life takes an unexpected turn after his horse goes missing. Later, he seeks help from the young boy, played by Aaman as they both set out on a mission to find the horse.On the other hand, Raveena Tandon's daughter Rasha will essay the role of a royal family member and Aaman's character's love interest. Diana Penty will be seen playing Ajay's lady love. With the film's release scheduled for January 17, fans are buzzing with excitement whereas makers are leaving no stone unturned to keep the hype intact. Earlier, they dropped the trailer of the film followed by releasing songs that have garnered love from fans.

